प्रेरितन क काम

लूका क लिखी भइ दूसर किताबे क जानकारी

1 हे थियुफिलुस, मइँ आपन पहिली किताबे मँ ओन सबइ
कामे क बारे मँ लिखेउँ ह जेका सुरु स ईसू किहेस ह
अउर 2उ दिना तलक उ प्रेरितन क जेनका उ चुनेस जब
ताईं उ पवित्तर आतिमा क आदेस क अनुसार उ सरगे मँ
ऊपर नाहीं उठाइ लीन्ह गवा। 3आपन मउत क पाछे उ
आपन क ठोस प्रमाण लइ के ओनके समन्वा परगट भवा
कि उ जिअत बा। उ चालीस दिना तलक ओनके अगवा
परगट होत रहा अउर परमेस्सर क राज्य क बारे मँ ओनका
बतावत रहा।
4फिन एक दाईं ओनके संग खइया क खात रहा तउ उ
ओनका हुकुम दिहेस, "यरूसलेम क जिन तजा अउर मुला
जेकरे बारे मँ तोसे कह्यों कि, परमपिता क सपथ पूरा होइ
तलक जोहत रहा। 5काहेकि यूहन्ना तउ पानी स बपतिस्मा
दिहेस, मुला अब तनिक दिना क पाछे पवित्तर आतिमा स
बपतिस्मा दीन्ह जाइ।"

ईसू क सरगे मँ लइ जावा जाब

6तउ जब उ प्रेरितन आपुस मँ भेंटेन, उ पचे पूछेन,
"पर्भू! का तू इहइ समइ प इस्राएल क राज्य क फिनस
लिआइ देब्या?"
7उ ओनसे कहेस, "उ बेलन या तिथियन क जानब तोहार
काम नाहीं, जेका परमपिता खुद आपन अधिकार स तय
किहे अहइ। 8मुला जब पवित्तर आतिमा तोह प आइ,
तोहका सक्ती मिलि जाइ। अउर यरूसलेम मँ, समूचइ
यहूदिया अउर सामरिया मँ अउर धरती क छोर तलक तू
पचे मोर साच्छी होब्या।"
9एँतना कहे क पाछे ओनकइ लखत लखत ओका सरगे
मँ ऊपर उठाइ लीन्ह गवा अउर फिन एक बादर ओका
आँखी स ओझल कइ दिहेस। 10जब उ जात रहा तउ पचे
आँखी पसारि के ओका निहारत रहेन। तबहिं फउरन सफेद
कपड़ा पहिरिके दुइ मनई ओकरे समन्वा आइके ठाढ़ भएन।
11अउर बोलेन, "अरे गलीली मनइयो। तू पचे हुवाँ ठाढ़
भवा टकटकी काहे लगाए बाट्या? इ ईसू तोहरे बीच स
सरगे मँ ऊपर उठाइ लीन्ह गवा, जइसे तू ओका सरगे मँ
जात देख्या, वइसे ही उ फिन वापिस लौटि आई।"

एक नवा प्रेरित क चुनाव

12फिन उ प्रेरितन जैतून नाउँ क पर्वत स, यरूसलेम
लौटि आएन जउन यरूसलेम स कउनो एक किलोमीटर दूर
रहा। 13अउर हुवाँ पहुँचिके ऊपर क उ कमरा मँ गएन
जहाँ उ पचे ठहरा रहेन। इ पचे रहेन-पतरस, यूहन्ना,
याकूब, अन्द्रियास, फिलिप्पुस, थोमा, बरतुलमै अउर मत्ती,
हलफई क बेटवा याकूब, समौन जेलोतेस अउर याकूब क
बेटवा यहूदा।
14एँनके संग कछू स्त्रियन, ईसू क महतारी मरियम अउर
ईसू क भाई भी रहेन। इ सबइ आपन क एक संग पराथना
मँ चित लगाए राखत रहेन।
15फिन इ दिनन मँ पतरस भाई-बन्द क बीच खड़ा
होइके, जेकर गनती कउनो एक सउ बीस रही, कहेस,
16"मोरे भाइयो, ईसू क गिरफतार करावइ वाले मनइयन
क अगुआ यहूदा क बारे मँ, पवित्तर सास्तर कउ लेख
जेका दाऊद आपन मुँहे स पवित्तर आतिमा बहोत पहिले ही
कहे रही, ओकर पूर होब जरूरी रहा। 17उ हम पचन मँ
गना गवा रहा अउर इ सेवा मँ ओकर हाथ रहा।"
18(इ मनई जउन धन ओका ओकरे नीचपना क कामे
बरे मिला रहा, उ धने स एक ठु खेत मोल लिहेस मुला उ
पहिले तउ मूँड़े क बल भहरान अउर फिन बदन फाटि गवा
अउर ओकर अँतड़ी बाहेर निकरि आइ। 19अउर सबइ
यरूसलेम क बसइयन क एकर पता लग गवा। यह बरे
ओनकइ भाखा मँ उ खेत क हक्लदमा कहा गवा जेकर
अरथ अहइ "लहू क खेत।")
20पतरस कहेस, "काहेकि भजन संहिता मँ इ लिखा बा,

'ओकर घर उजरि जाइ अउर ओहमाँ रहइ क कउनो नाँ
बचइ।' *भजन संहिता 69:25*

अउर, 'ओकर मुखियई कउनो दूसर मनई लइ लेइ।'
भजन संहिता 109:8

21-22यह बरे इ जरूरी अहइ कि जब पर्भू ईसू हमरे
बीच रहा तउ जउन मनइयन हमरे संग सदा रहेन, ओहमाँ स
कउनो एक क चुना जाए। कहइ क मतलब उ समइ स
लइके जब स यूहन्ना मनइयन क बपतिस्मा देब सरु किहेस
अउर जब तलक ईसू क हमरे बीच स उठइ लीन्ह गवा
रहा। इ मनइयन मँ स कउनो एक क ओकरे फिन स जी
उठइ क महरे संग साच्छी होइ चाही।"
23यह बरे उ पचे दुइ मनई न नाउँ दिहेन। एक यूसुफ
जेका बरसबा कहा जात रहा। (यूसतुस नाउँ स जाना जात
रहा) अउर दूसर मत्तियाह। 24फिन उ पचे इ कहत भवा
पराथना करइ लागेन, "पर्भू! तू सबहि क मनवा क जानत
ह, हमका बतावा कि इ दुइनउँ मँ स तू केका चुन्या ह।
25जउन एक प्रेरित क तरह सेवा करइ बरे इ ओहदा क
लइ लेई जेका आपन ठउर पर जाइ बरे ओहदा छोड़िके
चला गवा रहा!" 26फिन उ पचे एकरे बरे पर्ची नाएन अउर

पर्ची मत्तियाह क नाउँ क निकरी। इ तरह गियारह प्रेरितन*
क दल मँ गना गवा।

पवित्तर आतिमा क अवाई

2 जब पिन्तेकुस्त क दिन आवा तउ उ पचे एक ठउर प
बटुरा रहेन। 2तब्बइ हुवाँ एकाएक आकासे स खउफनाक
आँधी क सब्द आवा। अउर जउन घरे मँ उ पचे बइठा
रहेन, ओहमाँ समाइ गवा। 3अउर आगी क उठत लपट
जइसी जीभ हुँवा समन्वा देखाँइ देइ लाग। अउर ओनका
आगी क उठत लपट जइसी जिभिया देखाँइ लागिन। उ
सबइ बँटी भइ जीभ एक क ऊपर आइ ठहरिन। 4उ पचे
पवित्तर आतिमा स भावित भएन। अउर आतिमा स दीन्ह
गए सामर्थ क अनुसार उ सबइ दूसर भाखन मँ बोलइ
लागेन।

5हुवाँ यरूसलेम मँ अकास क तरे सबहिं देसन स आवा
भएन यहूदी भगत रहत रहेन। 6जबहिं इ सब्द क आवाज
सुनि गई तैसहिं एक भीड़ बटुर गइ। उ पचे अचरज मँ पड़ा
रहेन काहेकि हर कउनो ओनका आपन भाखा मँ बोलत
सुनेस। 7उ पचे अचम्भा मँ घबड़ियाइके बोलेन, "इ सबइ
बोलवइया मनइयन गलीली नाहीं अहइँ! 8फिन हम पचन मँ
स हर कउनो ओनका आपन मातृभाखा मँ बोलत भवा
कइसे सनत अहइ? 9हुवाँ पारथी, मोदी अउर एलामी,
मोसोपोटामिया क बसइया, यहूदिया अउर कप्पूदूकिया, पुन्तुस
अउर एसिया। 10फ्रूगिया अउर पंफलिया, मिस्र अउर कूरेने
सहर क निअरे लिबिया क कछू पहँटा क मनइयन, रोम स
आवा भएन सैलानी, 11जेहमाँ जन्मा भवा यहूदी अउर यहूदी
धरम क मनइयन, क्रेती अउर अरबी लोग हम सबइ
परमेस्सर क अचरज कारजन क आपन आपन भाखा मँ
सुनत अहइँ।" 12उ पचे सबइ अचम्भा मँ पड़िके भउचक्का
होइके आपुस मँ पूछइ लागेन, "इ का होत अहइ?" 13मुला
दूसर मनइयन प्रेरितन क मसखरी करत भए बोलेन, "इ सबइ
कछू जिआदा दाखरस पिए बाटेन।"

पतरस क गोहराउब

14फिन गियारह प्रेरितन क संग पतरस खड़ा भवा अउर
ऊँची अवाज मँ मनइयन क गोहराइ क कहइ लाग, "यहूदी
भाइयो अउर यरूसलेम क सबहिं बासिंदा, एँकर अरथ मोका
बतावइ द्या। मोरे बचन क धियान स सुना। 15इ पचे पिए
नाहीं अहइँ, जइसा की तू पचे बूझत अहा। काहेकि अबहिं
तउ भिन्सारे क नौ बजा अहइ। 16मुला इ बात अहइ जेकरे
बारे मँ योएल नबी कहे रहा:
17'परमेस्सर कहत ह:
आखिरी दिना मँ अइसा होइ कि मइँ सबहिं मनइयन प
अपने आतिमा उडेल देब फिन तोहार पूत अउर बिटिया
भविस्सबाणी करइ लगिहीं। अउर तोहार जवान मनई दर्सन
पइहीं अउर तोहार बुढ़वा लोग सपना देखिहीं।
18हाँ उ दिना मइँ आपन नउकर अउर नउकरानी प
आपन आतिमा उडेर देब अउर उ पचे भविस्सबाणी करिहीं।
19मइँ ऊपर अकासे मँ अचरज कारजन अउर तरखाले
भुइयाँ प चीन्हा देखाउब, खून, आगी अउर धुआँ क बादर।
20सूरज अँधियारा मँ अउर चाँद रकत मँ बदल जाइ,
अउर जब पर्भू क दिव्य अउर महान दिन आइ।
21अउर तब हर उ कउनो क बचाव होइ जउन पर्भू क
नाउँ पुकारी।' *योएल 2:28-32*

22"ओ इस्राएलियो! इ बचन क सुना: नासरी ईसू एक ठू
अइसा मनई रहा जेका परमेस्सर तोहरे समन्वा अद्भुत
कारज, अचरज कारजन अउर अद्भुत चीन्हन क साथ जेका
परमेस्सर आपन खुद किहे रहा तोहरे बीच ओका परगट
किहेस। जइसा कि तू खुद जानत ह। 23ई मनई तोहका
कउनो तय कीन्ह भइ जोजना अउर पहिले क गियान क
अनुसार तोहरे हवाले कीन्ह गवा रहा अउर तू पचे ओका
अधर्मियन क हाथे पकड़वाइके क्रूस प चढ़वाया अउर खीला
ठोंकवाइके मरवाइ दिहा। 24मुला परमेस्सर मउत क दु:खे स
अजाद कराइके फिन जिआइ दिहेस। काहेकि ओकरे बरे इ
होइवाला नाहीं रहा कि मउत ओका राखि पावत। 25जइसा
कि दाऊद ओकरे बारे मँ कहेस ह:
'मइँ हमेसा पर्भू क आपन समन्वा देखेउँ ह। उ मोरे
दाहिन कइँती बिराजत अहइ, काहेकि मइँ डुग न पावउँ।
26एँहसे मोर हिरदय खुस अहइ अउर मोर बाणी आनन्द
मँ बा; मोर देह भी आसा मँ जिई।
27तू मोर आतिमा क अधोलोक मँ न छोड़ब्या। तू आपन
पवित्तर जन क नास क अनुभव न होइ देब्या।
28तू ही मोरी जिन्नगी क राह क गियान कराइ दिहा ह।
अउर तू ही आपन हाजिरी स मोका आनन्द स पूरा कइ
देब्या।' *भजन संहिता 16:8-11*

29"मोरे भाइयन, मइँ पतिआइके आदि मनई दाऊद क
बारे मँ तू पचन्स कहि सकत हउँ कि ओकर मउत होइ गइ
अउर ओका माटी दइ दीन्ह गइ। अउर ओकर कब्र हमरे
हियाँ आजु तलक मौजूद बा। 30मूला काहेकि उ एक नबी
रहा अउर जानत रहा परमेस्सर सपथ खाइके ओका बचन
दिहेस ह कि उ ओकरे वंस मँ स कउनो एक क सिंहासने
प बइठाई। 31यह बरे अगवा जउन होइ क बाटइ, ओका
दाऊद लखत भए उ सब इ कहे रहा कि:
'ओका अधोलोक मँ नाहीं छोरा गवा अउर न ही
ओकरे देह स सड़ब गलब क अंजाद लगाएस।'
तउ उ मसीह क पुनरुत्थान क बारे मँ ही कहे रहा। 32इहइ
ईसू क परमेस्सर पुनरुत्थान कइ दिहेस। इ सच्चाई क हम
पचे साच्छी अही। 33परमेस्सर क दाहिन हाथे कइँती सबन
ते उँचका ओहदा पाइके ईसू पिता स सपथ क अनुसार
पवित्तर आतिमा पाएस अउर फिन उ इ आतिमा क उड़ेरेस
जेका अब तू लखत बाट्या अउर सुनत बाट्या। 34दाऊद
सरगे मँ नाहीं गवा तउ उ खुद कहत ह:
'पर्भू (परमेस्सर) मोर पर्भू स कहेस: मोरे दाहिने बइठा,
जब ताईं मइँ
35तोहरे बैरिन क तोहरे गोड़वा तरे गोड़ धरइ क चउकी
न बनइ देइ।' *भजन संहिता 110:1*

प्रेरितन चेलन जेनका ईसू आपन खास मदद करइया चुनेस।

36“यह बरे इस्राएल क समूचइ मनइयन ठीक तरह स समुझ लेइ कि परमेस्सर इ ईसू क जेका तू पचे क्रूस प चढ़ाइ दिहे रहा, पर्भू अउर मसीह दुइनउँ ठहरावा ग रहेन!”

37मनइयन जब इ सुनेन तउ उ पचे घबराइ गएन अउर पतरस अउर दूसर प्रेरितन स कहेन, “तउ भाई, हम सबन क का करइ चाही?”

38पतरस ओनसे कहेस, “मनफिराओ अउर आपन पापे क छमा पावइ बरे तू पचन मँ स हर एक क ईसू मसीह क नाउँ स बपतिस्मा लेइ चाही। फिन तू पवित्तर आतिमा क उपहार मँ पउब्या। 39काहेकि इ सपथ तोहरे बरे, तोहरे संतान बरे अउर ओन सब कामे बरे अहइ जउन बहोत दूर बाटेन। इ सपथ ओन सब बरे अहइ जेनका हमार पर्भू परमेस्सर आपन लगे बोलावत ह।”

40अउर बहोत स बचन स उ ओनका चिताउनी दिहेस अउर समझाय के ओनसे कहेस, “इ कुमार्गी पीढ़ी स आपन खुद क बचावा!” 41तउ जउन ओकरे संदेसा क अंगीकार किहेन, ओनका बपतिस्मा दीन्ह गवा। इ तरह उ दिना उ बिसवासियन क झुण्ड मँ कउनो तीनजहार मनई अउर जुड़ गएन।

बिसवासी क मिली जुली जिन्नगी

42उ पचे प्रेरितन क उपदेस, संगत, रोटी क तोड़इ अउर पराथना करइ मँ जिअरा लगाइ दिहन। 43हर मनई प भय रहा अउर प्रेरितन क जरिये बहुत अचरज कारजन अउर अद्‌भुत चीन्हन परगट कीन्ह जात रहेन। 44सबहिं बिसवासी एक संग बटुरत रहेन अउर ओनके लगे जउन कछू रहा, उ पचे आपुस मँ बाँट लेत रहेन। 45उ पचे आपन सबहिं चीजन अउर धन-दौलत बेंचेन अउर ओन सब चिजन्क आपुस मँ बाँटि लिहन, जइसे जेका जरूरत रही। 46अउर उ पचे हर दिन मन्दिर मँ एक उदेस्स स मिलि जात रहेन। उ पचे घरे मँ रोटी तोड़ लेतेन अउर आनन्द अउर निर्मल मन स खात रहेन। 47उ पचे सब मनइयन क नीक बिचार क आनन्द लेत भए पर्भू क स्तुति गवात रहेन। अउर हर दिन परमेस्सर, जेनकइ उद्धार करत, ओनकइ दल मँ अउर जोरि दीन्ह जात।

लँगड़ा भिखारी क चंगा कीन्ह जाब

3 दुपहरिया क बाद तीन बजे पराथना क समइ पतरस अउर यूहन्ना मन्दिर जात रहेन। 2तबहिं एक ठु अइसा मनई जउन जनम स ही लँगड़ा रहा, लइ जावा जात रहा। उ पचे हर दिना ओका मन्दिर क सुन्नर नाउँ क फाटक प बइठाइ देत रहेन। काहेकि उ मन्दिर मँ जाइवाला मनइयन स पइसा माँग सकइ। 3ई मनई ने जब देखा यूहन्ना अउर पतरस मन्दिर मँ प्रवेस करयवाला अहइँ तउ ओनसे पइसा मांगेस। 4यूहन्ना क संग पतरस ओकरी कइँती लखत भए बोलेन, “हमरी कइँती लखा।” 5तउ उ ओनसे कछू मिल जाइ क आसा करत भवा ओनकर कइँती लखेस। 6मुला पतरस कहेस, “मोरे लगे सोना या चाँदी तउ अहइ नाहीं मुला जउन कछू अहइ, मइँ तोहका देत हउँ। नासरी ईसू मसीह क नाउँ स ठाड़ हुवा अउर चला।” 7फिन ओकर दाहिन हथवा धइके ओका उठाएस, फउरन ओकरे गोड़वा अउर अखनी मँ जान आइ गइ। 8अउर उ फिन आपन गोड़वा क बल उछरा अउर चल दिहस। उ उछरत कूदत चलत अउर परमेस्सर क स्तुति गावत ओनकइ संग मन्दिर मँ घुसा। 9सबहिं मनइयन ओका चलत अउर परमेस्सर क स्तूति गावत लखेन। 10पहिचानेन कि इ उहइ अहइ जउन मन्दिर क सुन्नर दुआरे प बइठा भीख माँगत रहा। ओकरे संग जउन कछू भवा रहा ओह पइ उ पचे अचरज स भरि अउर चकित होइ गएन।

पतरस क प्रबचन

11उ मनई अबहिं पतरस अउर यूहन्ना क संग रहा। तउ सबहिं मनई अचम्भा मँ पड़िके उ ठउर प ओकरे लगे दउड़त दउड़त आएन जउन सुलैमान क ड्योढ़ी कहवावत रहा। 12पतरस जब इ लखेस तउ उ मनइयन स बोला, “हे इस्राएल क मनइयन, तू पचे इ बाते प चकित काहे होत बाट्या? अइसे घूरि घूरिके हमका काहे लखत बाट्या, जइसे मान ल्या हम ही आपन सक्ती या बल प इ मनई क चलइ फिरइ जोग्ग बनइ दीन्ह ह। 13इब्राहीम, इसहाक अउर याकूब क परमेस्सर, हमरे पूर्वजन क परमेस्सर आपन सेवक ईसू क महिमा स बखानेस। अउर तू पचे ओका मरवावइ बरे धरवाइ दिहा। अउर फिन पिलातुस क जरिए ओका छोर दिहे जाए क जिअरा मँ ठान लेइ स पिलातुस क समन्वा तू पचे ओका मानइ स इनकार कइ दिहा। 14ईसू पवित्तर अउर भोला रहा मुला तू ओका मान्या नाहीं अउर माँग्या कि एक हत्तियारा क तोहरे बरे छोर दीन्ह जाइ। 15जो मनइयन क जिन्नगी देत रहा ओका तू मारि डाया मुला परमेस्सर मरा भवा मँ स ओका पुनर्जीवन दिहस। हम एँकर साच्छी अही। 16इ ईसू क सक्ती रही जउन इ लँगड़ा क चंगा किहेस। इ भवा काहेकि हम ईसू क सक्ती मँ पतिआइत ह। तू पचे इ मनई क लख सकत ह अउर तू सबइ ओका जानत ह। उ पूरी तरह स चंगा होइ गवा काहेकि उ ईसू मँ ओकर बिसवास रहा। तू पचे निहर्‌या कि इ सब कछू भवा।

17“हे भाइयो, अब मइँ जानत हउँ कि जइसे अग्याने मँ तू सबइ वइसा ही किहा, वइसा ही तोहार ही नेतन किहेन। 18परमेस्सर आपन सबहिं नबियन क मुँहना स बकरवाइ दिहेस कि ओकरे मसीह क दुःख भोगे पड़ी। उ इ तरह पूरा किहेस। 19यह बरे तू आपन मनफिरावा अउर परमेस्सर कइँती फिरि आवा काहेकि तोहार पाप धोइ दीन्ह जाँइ। 20जेसे पर्भू क हाजिर होइ क समइ आतिमा क सान्ति क समइ आइ जाइ अउर पर्भू तोहरे बरे मसीह क पठवइ जेका उ तोहरे बरे चुन लिहे बा, कहइ क अरथ ईसू मसी। 21मसीह क उ समइ तलक सरग मँ रहइ क होइ जब ताई सबहिं बातन पहिले जइसी न होंइ जेनके बारे मँ बहोत पहिले ही परमेस्सर पवित्तर नबियन क मुँहना स बताइ दिहे रहा। 22मूसा कहे रहा, ‘पर्भू परमेस्सर तोहरे बरे, तोहरे आपन लोगन मँ स ही एक मोरे जइसा नबी खड़ा करी। उ तू पचन स जउन कछू कहइ, तू पचे उहइ प चल्या। 23अउर जउन मनई उ, इ नबी क बात न सुनी, मनइयन मँ स ओका परमेस्सर क मनइयन स अलग कर दीन्ह

जाइ।'* **24**समूएल अउर ओकरे पाछे आए भए सबहिं
नबियन जब कबहुँ कछू कहेन तउ एनही दिनन क एलान
किहेन। **25**अउ तू सबइ तउ ओन नबियन अउर उ करार क
उत्तराधिकारी अहा जेका परमेस्सर तोहरे पूर्वजन क संग किहे
रहा। उ इब्राहीम स कहे रहा, 'तोहरे सन्ताने स धरती क
सभी रास्ट्र क मनइयन आसीर्बाद पइहीं।'* **26**परमेस्सर जब
आपन सेवक क पुनर्जीवित किहेस तउ पहिले पहिले उ
तोहरे लगे पठएस काहेकि तू पचन्क तोहरे बुरे राहे स दूर
कइके आसीर्बाद देइ।"

पतरस अउर यूहन्ना यहूदी सभा क समन्वा

4 अबहिं पतरस अउर यूहन्ना मनइयन स बतियात रहेन
कि याजक, मन्दिर क सिपाहियन क मुखिया अउर
कछू सदूकीयन ओनकइ लगे आएन। **2**उ पचे ओनसे इ बाते
प भिनका रहेन कि पतरस अउर यूहन्ना उपदेस देत भए ईसू
क मरे हुएन मँ स जी उठइ क जरिए पुनरुत्थान क प्रचार
करत रहेन। **3**तउ उ पचे ओका बन्दी बनइ लिहेन अउर
काहेकि उ समइ साँझ होइ ग रही, एँह बरे दूसर दिना
हौलात मँ राखेन। **4**मुला उ पचे उ संदेसा सुनेन कि ओनमाँ
स बहोतन ओह प बिसवास अउर इ तरह ओनकइ गनती
पाँच हजार ताईं पहोंच गइ।

5दूसरे दिन यहूदी नेतन बुजुर्ग यहदी नेतन अउर धरम
सास्तिरियन यरूसलेम मँ बटुरेन। **6**महायाजक हन्ना, काइफा,
यूहन्ना, सिकन्दर अउर महायाजक क परिवारे क सबहिं
मनई भी हुवाँ हाजिर रहेन। **7**उ सबइ इ प्रेरितन क आपन
समन्वा खड़ा कइके पूछइ लागेन, "तू पचे कउने सक्ती या
अधिकार स इ काम किहे ह?"

8फिन पवित्तर आतिमा* क सवार होए स पतरस ओनसे
कहेस, "हे मनइयन क नेतन अउर बुजुर्ग नेतन। **9**जदि आजु
हमसे एक बीमार मनई क संग कीन्ह भलाई क बारे मँ इ
पूछब पछोरब होत अहइ कि उ नीक कइसे होइ गवा।
10तउ तू सबन्क अउर इस्राएल क मनइयन क इ पता होइ
जाइ चाही कि इ काम नासरी ईसू मसीह क नाउँ स भवा ह
जेका तू पचे क्रूस प चढ़ाइ दिहा ह जेका परमेस्सर मरि जाए
प पुनर्जीवित कइ दिहस ह। उहइ क जरिए पूरी तरह स
नीक भवा इ मनई तोहरे समन्वा ठाड़ बा। **11**इ ईसू उहइ

'पाथर अहइ जेका तू सबइ राजमिस्तरी लोग तुच्छ जान्या
रहा, उहइ बहोत खास पाथर बन गवा अहइ।'

भजन संहिता 118:22

12कउनो दूसर स उद्धार नाहीं अहइ, संसारे मँ अउर दूसर
नाउँ नाहीं अहइ जेहसे मानव जाति बचाई जाय सकइ। हम
सब ईसू स ही उद्धार पाउब!"

13उ पचे जब पतरस अउर यूहन्ना क निडर होब निहारेन
अउर इ समुझेन कि पतरस अउर यूहन्ना अनपढ़ अउर
साधारण मनइ रहेन तउ ओनका बहोत अचरज भवा। फिन
उ पचे जान गएन कि इ सबइ ईसू क संग रहि चुका
बाटेन। **14**अउर काहेकि उ पचे उ मनई क जउन चंगा भ
रहा, ओनकइ संग खड़ा भवा लखत रहेन। तउ ओनकइ
लगे तनिकउ बोलइ क कछू नाहीं रहा। **15**उ पचे ओनसे
यहूदी महासभा स निकर जाइ क कहेन अउर फिन उ सबइ
इ कहत भए आपुस मँ बिचार करइ लागेन कि **16**"इ
पचन्क संग कइसा बिवहार कीन्ह जाइ? काहेकि यरूसलेम
मँ बसइया हर कउनो जानत ह कि एँनके जरिये एक ठु
अचरज क काम कीन्ह गवा ह अउर हम ओका मना नाहीं
कइ सकित। **17**मुला हम एँनका चिताउनी दइ देइ कि उ
सबइ इ नाउँ क बात कउनो अउर मनई स जिन करइँ
काहेकि मनइयन म इ बात क संचरइ क अउर फैलि जाइ
स रोक जाइ सकइ।"

18तउ पचे ओनका भीतर बोलाएन अउर हुकुम दिहेन कि
उ पचे ईसू क नाउँ पन तउ कउनो स कछू बात करइँ
अउर न ही उपदेस देइँ। **19**मुला पतरस अउर यूहन्ना ओनका
जवाब दिहेन, "तू पचे ही फरियावा, क परमेस्सर क समन्वा
हमरे बरे इ नीक होइ कि परमेस्सर न सुनिके हम तोहार
सुनी? **20**हम, जउन कछू हम पचे लखा ह अउर सुना ह,
ओका कहे क आलावा अउर कछू नाहिं कर सकित।"

21-22फिन उ पचे ओनका धमकाए क पाछे छोड़ दिहन।
ओनका सजा देइ क कउनो रस्ता नाहीं मिलि सका काहेकि
जउन कछू भवा रहा, ओकरे बरे सबहिं मनइयन परमेस्सर
क स्तुति करत रहेन। जउने मनई क नीक करइ क इ काम
कीन्ह गवा रहा, ओकर उमिर चालीस बरिस स जिआदा
रही।

पतरस अउर यूहन्ना क लउटब

23जब ओनका छोड़ दीन्ह गवा तउ आपन ही मनइयन क
लगे आइ गएन अउर ओनसे जउन कछू मुख्ययाजक अउर
बुजुर्ग यहूदी नेतन कहेन, उ सब ओनका कहिके सुनावा
गवा। **24**जब उ पचे इ सुनेन तउ मिलिके उँची आवाज मँ
परमेस्सर क गोहरावत भवा बोलेन, "स्वामी, तू ही अकास,
धरती, समुद्दर अउर ओकरे अंदर जउन कछू अहइ, ओका
बनाया ह। **25**तू ही पवित्तर आतिमा क जरिये आपन सेवक,
हमरे पूर्वज दाऊद क मुँहना स कहे रहा:

'देखाएन इ जानित आपन अहंकार काहे? मनइयन वृथा
ही कुचाल काहे किहेन?
26इ धरती क राजा लोग आपन क तइयार किहेन
ओनके खिलाफ जुद्ध बरे। अउर राजा बटुर गएन पर्भू
अउर ओकरे मसीह क खिलाफत मँ।'

भजन संहिता 2:1-2

27हाँ, हेरोदेस अउर पुन्तियुस पिलातुस भी इ सहर मँ गैर
यहूदियन अउर इस्राएलियन क संग मिलिके तोहरे पवित्तर
सेवक ईसू क खिलाफ, जेकर तू मसीह रूप मँ अभिसेक
किहे ह, सचमुच उ पचे एक अउट ग रहेन। **28**उ पचे बटुर
गएन काहेकि तोहार सक्ती अउर इच्छा क अनुसार जउन

'पर्भू...जाई' व्यवस्था 18:15,19

तोहरे...पइहीं उत्पत्ति 22:18; 26:24

पवित्तर आतिमा परमेस्सर क आतिमा, मसीह क आतिमा अउ सहायक। परमेस्सर अउ ईसू क मिलि जाए स उ मनइयन मँ परमेस्सर क काम करत ह।

कछू पहिले ही तय होइ चुका रहा उ पूरा होइ। 29अउर
अबहिं हे पर्भू, ओनकइ धमकिन प धियान द्या अउर आपन
सेवक लोगन क निडर होइके 'तोहार बचन' सुनावइ क
सक्ती द्या। 30जब कि चंगा किहे क पाछे आपन हाथ
बढ़ाया अउर अद्भुत चीन्हन अउर अद्भुत कारजन तोहरे
पवित्तर सेवकन क जरिये ईसू क नाउँ प कीन्ह जात रहत
हीं।"

31जब उ पचे पराथना कइ चुकेन तउ जउने ठउरे प उ
सबइ बटुरा रहेन, उ हल गवा अउर ओन सब मँ 'पवित्तर
आतिमा' समाइ गवा। अउर उ पचे निडर होइके परमेस्सर
क बचन बोलइ लागेन।

बिसवासी क मेल जोल क जिन्नगी

32बिसवासियन क इ समूचा दल एक मन अउर एक
आतिमा स साथ रहा। कउनो भी इ नाहीं कहत रहा कि
ओकर कउनो भी चीज ओकर आपन अहइ। ओनकइ लगे
जउन कछू होत, उ पचे सब कछू क आपुस मँ बाँट लेतेन।
33अउर प्रेरितन पूरी सक्ती क संग पर्भू ईसू क पुनरुत्थान
क बारे मँ साच्छी देत रहेन। परमेस्सर क महान बरदान ओन
पइ बना रहत।34दले मँ कउनो क कउनो चीज क कमी
नाहीं रहत रही। काहेकि जउन कउनो क लगे खेत या घर
होत, उ पचे ओका बेच देत रहेन अउर ओसे जउन धन
मिलत, 35ओका लिआइके प्रेरितन क गोड़वा प धइ देतेन।
अउर जेका जेतॅनी जरूरत होत, ओका ओतॅना धन दइ दीन्ह
जात।

36उदाहरण बरे यूसुफ नाउँ क, साइप्रस मँ पइदा भवा,
एक लेवी रहा, जेका प्रेरितन बरनाबास (अर्थात् "सान्ति क
पूत") भी कहा करत रहेन। 37उ एक ठु खेत बेंच दिहेस
जेकर उ मालिक रहा अउर उ धन लाइके प्रेरितन क गोड़वा
प धइ दिहस।

हनन्याह अउर सफीरा

5 हनन्याह नाउँ क एक मनई अउर ओकर पतनी सफीरा
मिलिके आपन दौलत क एक हींसा बेंच दिहेन। 2अउ
आपन पतनी क जानकारी मँ एहमाँ स कछू धन जुरय
लिहेन। अउर कछू धन प्रेरितन क गोड़वा प धइ दिहेन।

3एँह पइ पतरस कहेस, "अरे हनन्याह, सइतान क तू
आपन मन मँ इ बात नाइ देइ दिहा कि तू पवित्तर आतिमा
स झूठ बोल्या अउर धरती क बेंच स मिला धन मँ स
तनिक बचाइके धइ लिहा? 4ओका बेंचइ स पहिले का उ
तोहार ही नाहीं रही? अउर जब तू ओका बेंच दिहा तउ उ
धन का तोहरे कब्जा मँ नाहीं रहा? तू इ बात क काहे
सोच्या? तू मनइयन स नाहीं, परमेस्सर स झूठ बोल्या ह।"

5हनन्याह जबहिं इ सब्दन क सुनेस तउ उ चकराइके
गिरि गवा अउर दम तोड़ दिहस। जउन कउनो भी इ बारे मँ
सुनेस, सबन प गहिर भय छाइ गवा। 6फिन जवान पुरुसन
उठिके ओका कफन मँ लपेटेन अउर बाहेर लइ जाइके
गाड़ दिहेन।

7कउनो तीन घण्टा पाछे, जउन कछू भवा रहा, ओका न
जानत भइ ओकर पतनी भितरे आइ 8पतरस ओसे कहेस,
"बतावा, तू आपन खेत क एँतने मँ ही बेच्या ह?"

तउ उ कहेस, "हाँ, एँतना मँ ही।"

9तबहिं पतरस ओसे कहेस, "तू पचे दुइनउँ पर्भू क
आतिमा क परीच्छा बरे काहे मान लिहा? लखा तोहरे भतारे
क दफनावइवालन क गोड़ दुआरे ताई आइ ग अहइ अउर
उ पचे तोहका भी ढोइ लइ जइहीं।" 10तब उ ओकरे गोड़े
प गिरि पड़ी अउर मरि गइ। फिन जवान परुसन भितरे
आएन अउर ओका मरा पाएन। तउ उ पचे ओका ढोइके
ओकरे पति क लगे ओका गाड़ दिहेन। 11तउ समूचइ
कलीसिया अउर जउन कउनो इ बात क सुनेस, ओन सब प
गहिरा भय छाइ गवा।

प्रमाण

12प्रेरितन क जरिये मनइयन क बीच बहोत स अद्भुत
कारजन परगट होत रहेन अउर अचरज कारजन कीन्ह जात
रहेन। उ पचे सबहिं सुलैमान क ओसारे मँ बटुरा रहेन।
13मुला ओनमाँ स कउनो क हिम्मत प्रेरितन मँ मिलइ बरे
नाहीं होत रही। मुला मनइयन ओनकइ गुन खूब गावत
रहेन। 14ओहर पर्भू प बिसवास करइवालन स्त्रियन अउर
पुरुसन जिआदा स जिआदा बाढ़त जात रहेन। 15एँकरे कारण
मनइयन आपन कछू बीमार लोगन क लइके खटिया अउर
बिछौना प गलियन मँ ओलारइ लागेन काहेकि तबहिं पतरस
ओहर स निकरा तउ ओनमाँ स कछू प कमती स कमती
छाया पड़ि सकइ। 16यरूसलेम क आसपास क नगर स
लोग आपन बेरमियन अउर दुस्ट आतिमा स सतावा गएन
मनइयन क लइके आवइ लागेन। अउर सबहिं चंगा होइ
जात रहेन।

यहूदियन क प्रेरितन क रोकइ क जतन

17फिन महा याजक अउर ओकर संगी यानी सदूकियन
क दल, ओनकइ खिलाफ खड़ा होइ गएन। उ पचे मने मँ
कुढ़त रहेन। 18यह बरे उ पचे प्रेरितन क बंदी बनाइ लिहन
अउर ओनका कैदखाना मँ बन्द कइ दिहेन। 19मुला राति क
समइ पर्भू क एक दूत कैद क फाटक खोल दिहस। उ
ओनका बाहेर लइ जाइके कहेस, 20"जा, मन्दिर मँ ठाड़
होइ जा अउर इ नई जिन्नगी क बारे मँ मनइयन क सब
कछू बतावा।" 21जबहिं उ पचे इ सुनेन तउ भोरहिं तड़के
मन्दिर मँ घुसि गएन अउर उपदेस देइ लागेन।

फिन जब महायाजक अउर ओकर संगी हुवाँ पहोंचेन
तउ उ पचे यहूदी संघ अउर इस्राएल क बुजुर्ग क पूरी
सभा न्योतेन। उ पचे कैदखाना स प्रेरितन क बोलवावइ
पठएन। 22किन्तु जब अधिकारी कैदखाना मँ पहुँचेन तउ उ
पचे प्रेरितन क हुवाँ नाहीं पाएन। उ पचे लौटिके एँका
बताएन अउर 23कहेन, "हम पचे कैदखाना मँ सुरच्छा क
लगा भवा ताला अउर दुआरे प तैनात सुरच्छाकारियन क
पावा। मुला जब हम दरवाजा खोला तउ हमका भितरे
कउनो नाहीं मिला।" 24जइसेन मन्दिर क सुरच्छाकारी अउर

मुख्ययाजकन इ सब्दन क सुनेन तउ उ पचे चकराइ गएन
अउ सोचइ लागेन, “अब का होई।”

25एँतने मँ कउनो दूसर मनई आवा अउर ओनका
बताएस, “जेनका तू पचे जेल मँ धाँध दिहा ह, उ पचे मन्दिर
मँ खड़ा होइके उपदेस देत बाटेन।” 26तउ सुरच्छाकारी
आपन अधिकारी संग हुवाँ गवा अउर बिना ताकत क
प्रयोग किए ओनका वापस धइ लिआवा काहेकि उ पचे
डेरात रहेन कि कहूँ मनई ओनका (मन्दिर क सुरच्छा कर्मी)
पाथर स न मारइँ।

27उ पचे ओनका भितरे लइ आएन अउर सबन त
ऊँचकी यहूदी सभा क समन्वा खड़ा कइ दिहन। फिन
महायाजक ओनसे फरियावत भवा पूछेस, 28“हम इ नाउँ स
उपदेस न देइ बरे तोहका कर्रा हुकुम दिहे रहे। अउर तू पचे
फिन भी समूचइ यरूसलेम क आपन उपदेस स भरि दिहा
ह। अउर तू पचे इ मनई क मउत क अपराध हम पचे लइ
लादइ चाहत बाट्या।”

29पतरस अउर दूसर प्रेरितन जवाब दिहेन, “हमका मनइयन
क बनिस्बद परमेस्सर क आग्या मानइ चाही। 30उ ईसू क
हमरे पूर्वन क परमेस्सर मउत स फिन जीवित कइके खड़ा
कइ दिहेस ह जेका एक सूली प टाँगिके तू पचे मार डाया।
31ओका ही प्रमुख अउर उद्धारकर्त्ता क रूप मँ बड़कइ देत
भवा परमेस्सर आपन दाहिन हाथे कइँती बइठाएस काहेकि
इस्राएलियन क मनफिराव अउर पाप क छमा दीन्ह जाइ
सकइ। 32एँन सबन बातन क हम साच्छी अही अउर वइसे
ही पवित्तर आतिमा भी बा उहइ परमेस्सर ओनका दिहेस ह
जउन ओकरे आज्ञा क मानत हीं।”

33जब उ पचे इ सुनेन तउ उ पचे कोहाइ गएन अउर
ओनका मारि डावइ चाहेन। 34मुला महासभा मँ स एक
गमलिएल नाउँ क फरीसियन जउन धरमसास्तिरी अध्यापक
रहा अउर जेकर सब लोग मान सम्मान करत रहेन, ठाड़
भवा अउर हुकुम दिहेस कि एँनका तनिक देरी बरे बाहेर
कइ दीन्ह जाइ। 35फिन उ ओनसे कहेस, “इस्राएल क
पुरुसो, तू पचे इ मनइयन क संग जउन कछू करइ प उतारु
अहा, ओका सोच बिचारिके किहा। 36कछू समइ पहिले
आपन क बड़कवा एलान करत भवा थियूदास परगट भवा।
ओर कउनो चार सौ मनई ओकरे पाछे भी होइ गएन, मुला
उ मार डावा गवा अउर ओकर सबहिं मनइयन एहर ओहर
छिटक गएन। ओकरे फल कछू नाहीं निकरा। 37ओकरे
पाछे जनगणना क समइ गलीली क बसइया यहूदा परगट
भवा। उ भी कछू मनइयन क आपन पाछे कइँती हैच
लिहेस। उ भी मारि डावा गवा। ओकर भी सबहिं एहर
ओहर होइ गएन। 38यह बरे अबहिं मइँ तू पचन्स कहत
हउँ, इ मनइयन स अलग रहा, एँनका अइसे ही अकेल्लै
छोरि द्या काहेकि एँनकइ इ चाल या काम मनई कइँती स
अहइ तउ खुद नास होइ जाइ। 39मुला जदि उ परमेस्सर स
अहइ तउ तू पचे ओनका रोक न पउब्या। अउर तब होइ
सकत ह तू आपन खुद क ही परमेस्सर क खिलाफ लड़त
भिड़त पउब्या!”

उ पचे जइसा गेमलिएल कहेस मान लिहेन। 40अउर
प्रेरितन क भितरे बोलाइके उ पचे कोड़ा लगवाएन अउर इ
आज्ञा दइके कि उ पचे ईसू क नाउँ क कउनो चर्चा न
करइँ, ओनका जाइ दिहेन। 41तउ उ पचे प्रेरितन इ बात क
मजा मारत भए कि ओनका ओकरे नाउँ बरे बेज्जत रहइ क
जोग्ग गना गवा ह, यहूदी महासभा स बाहिर चला गएन।

42फिन मन्दिर अउर घर-घर मँ हर रोज इ सुसमाचार कि
ईसू मसीह अहइ उपदेस देब अउर प्रचार करब उ पचे कबहुँ
नाहीं तजेन।

खास काम बरे सात मनइयन क चुना जाब

6 उ दिनन जबहिं चेलन क गनती बाढ़त रही, तउ यूनानी
बोलवइया अउर इब्रानी बोलवइया यहूदियन मँ एक
झगड़ा होइ गवा काहेकि रोजाना विधवावन क चीज बाँटइ
मँ ओनकइ सुधि नाहीं लीन्ह जात। 2तउ बारहुँ प्रेरिन क
समूची मण्डली क एक साथे बोलाइके कहेन, “हम सबइ
बरे परमेस्सर क बचन क सेवकइ तजिके खिलाने क
इन्तजाम करब नीक नाहीं अहइ। 3भाइयन, आपन मँ स सात
नामी मनइयन क पवित्तर आतिमा अउर सूझबूझ स भरा
भवा सात मनइयन क चुनिल्या। हम ओनका इ कामे क
हकदार बनइ देइ। 4अउर आपन आपका पराथना अउर
बचन क सेवा क कामे मँ जिअरा लगाइ क राखब।”

5इ सुझावे स समूचइ मण्डली बहोत खुस भइ। तउ उ
पचे बिसवास अउर पवित्तर आतिमा स भरा भवा स्तिफनुस
नाउँ क मनई क अउर फिलिप्पुस, प्रखुरूस, नीकानोर,
तिमोन, परमिनास अउर अन्ताकिया क निकुलाऊस क यहूदी
धरम क कबूले रहा, चुन लिहेस। 6अउर इ मनइयन क
फिन उ पचे प्रेरितन क समन्वा हाजिर कइ दिहन। प्रेरितन
पराथना किहेन अउर ओन पइ हाथ धरेन।

7इ तरह परमेस्सर क बचन संचरइ लाग अउर यरूसलेम
मँ चलेन क गनती बहोत बाढ़इ लाग। याजकन क एक
बहोत बड़ा गुट भी इ मत क मानइ लाग।

यहूदी स्तिफनुस क खिलाफ

8स्तिफनुस एक अइसा मनई रहा जउन अनुग्रह अउर
सामर्थ स भरपूर रहा। उ मनइयन क बीच बड़ा बड़ा अद्भुत
कारजन अउर अद्भुत चीन्हन परगट करत रहा। 9मुला
अजाद कीन्ह भवा अइसा कहवावत मनइयन मँ स कछू
लोग जउन कुरेनी अउर सिकन्दरिया, अउर किलिकिया
अउर एसिया स आवा भएन यहूदी रहेन, उ पचे ओनकइ
खिलाफ बहस करइ लागेन। 10मुला उ जउन बुद्धिमानी
अउर आतिमा स बोलत रहा, उ पचे ओकरे समन्वा नाहीं
टिक पाएन।

11फिन उ पचे कछू क लालच दइके कहवाएन, “हम
पचे मूसा अउर परमेस्सर क खिलाफ एँका बेज्जत स भरा
सबद कहत सुना ह।” 12इ तरह उ पचे जनता क बुजुर्ग
यहूदी नेतन क, अउर धरम सास्तिरियन लोगन्क हुस्काइ
दिहेन। फिन उ पचे ओका आइके धइ लिहेन अउर सबन स
सर्वोच्च यहूदी महासभा क समन्वा लइ आएन।

13उ पचे उ सब लबार गवाह हाजिर किहेन जउन
कहेन, “इ मनई इ पवित्तर ठउर अउर व्यवस्था क

खिलाफ बोलत बालत कबहुँ रुकत नाहीं बा। 14हम एँका
कहत सुना ह कि इ नासरी ईसू इ जगह क नास कइ देइ
अउर मूसा जउन रीति-रिवाज क हमका दिहे अहइ ओका
बदल देइ।" 15फिन सबन स सर्वोच्च यहूदी महासभा मँ
बइठा भए सबहिं मनइयन मँ ओका धियान स लखा तउ
पावा कि ओकर मुहँना कउनो सरगदूत क नाई देखाई देत
रहा।

स्तिफनुस क भाखन

7 फिन महायाजक कहेस, "का इ बात अइसे ही
अहइ?" 2उ जवाब दिहस, "भाइयो, अउर बाप क
समान बुजुर्गन, मोर बात सुना। हारान मँ बसइ स पहिले
अबहिं जब हमार बाप इब्राहीम मेसोपोटामिया मँ रहा, तउ
महिमा वाला परमेस्सर ओका दर्सन दिहेस 3अउर कहेस,
'आपन देस अउर आपन रिस्तेदारन क तजिके तू उ धरती प
चला जा, जेका तोहँका मइँ देखॉउब।'*

4"तउ उ कसदियन क धरती क तजिके हारान मँ बसि
गवा जहाँ ते ओकरे पिता क मउत क पाछे परमेस्सर ओका
इ देस मँ आवइ क न्योतेस जहाँ तू पचे अबहिं रहत बाट्या।
5परमेस्सर हियाँ ओका हेबानामा मँ कछू नाहीं दिहस, डग
भइ धरती भी नाहीं। तउ भी ओकरे कउनो पूत नाहीं रहा
फिन परमेस्सर ओसे प्रतिग्या किहेस इ देस उ ओका अउर
ओकरे बंसज क ओकरी दौलत क तरह देइ।

6"परमेस्सर ओसे इ भी कहेस, 'तोहार बंसज कहूँ विदेस
मँ परदेसी होइके रइहीं अउर चार सौ बरिस ताईं ओका
नउकर बनइके, ओनके संग बहोत बुरा बर्ताव कीन्ह जाइ।'
7परमेस्सर कहेस, 'दास बनइवइवाली उ राष्ट्र क मइँ सजा
देब अउर एँकरे पाछे उ पचे देस स बाहेर आइ जइहीं अउर
इ स्थान प मोर सेवा करिहीं।'*

8"परमेस्सर इब्राहीम क खतना क चीन्हा स करार
किहेस। अउर उ इ तरह इसहाक क पिता बना। ओकरे
जनम क पाछे अठएँ दिन उ ओकर खतना किहेस। फिन
इसहाक स याकूब अउर याकूब स बारहु कुल क पहिला
मनई पइदा भएन।

9"उ पचे पहिलउ मनइयन यूसुफ स जलन राखत रहेन।
तउ उ पचे ओका मिस्र मँ दास बनवइ बरे बेंच दिहेन। मुला
परमेस्सर ओनके संग रहा। 10अउर उ ओका सबहिं
मुसीबतन स बचाएस। परमेस्सर यूसुफ क गियान दिहेस अउर
ओका इ जोग्ग बनएस जेसे उ मिस्र क राजा फिरौन क
अनुग्रह पात्र बन जाइ। फिरौन ओका मिस्र क राज्यपाल
अउर आपन घर-बार क अधिकारी तैनात किहेस। 11फिन
समूचइ मिस्र अउर कनान देस मँ अकाल पड़ा अउर बड़ा
संकट छाइ गवा। हमार पूर्वजन खाइ क कछू नाहीं पाइ
सकेन।

12"जब याकूब सुनेस कि मिस्र मँ अनाज अहइ, तउ उ
हमरे पूर्वजन क हुवाँ पठएस इ पहिला मौका रहा।
13ओनकइ दूसर जात्रा क मौका पइ यूसुफ आपन भाइयन
क बारे मँ बताएस अउर तब्बइ फिरौन क भी यूसुफ क
परिवार क जानकारी मिली। 14तउ यूसुफ आपन पिता याकूब
अउर परिवार क सबहि लोगन्क, जउन कुल मिलाइके
पचहत्तर रहेन, बोलवाइ पठएस। 15तब याकूब मिस्र आइ
गवा अउर उ हुवाँ वइसे ही प्राण तजेस जइसेन हमार
पूर्वजन हुवाँ प्राण तजे रहेन। 16ओनकइ ल्हास हुवाँ स
सेकम लइ जावा गाएन जहाँ ओनका मकबरा मँ दफनाइ
दीन्ह गवा। इ उहइ मकबरा रहा जेका इब्राहीम हमोर क
बेटहनन स कछू चान्दी दइके खरीदे रहा।

17"जब परमेस्सर क इब्राहीम क जउन बचन दिहे रहा,
ओका पूरा होइ क समइ नगिचे आवा तउ मिस्र मँ हमरे
मनइयन क गनती बहोत जिआदा होइ गइ। 18आखिर मँ
मिस्र प एक अइसे राजा क राज्य भवा जउन यूसुफ क
नाहीं जानत रहा। 19उ हमरे मनइयन क छलेस अउर उ
हमरे पूर्वजन क निर्दय होइके मजबूर किहेस कि उ पचे
आपन गदेलन क बाहेर मरइ क छोरि देइँ जेहसे उ सबइ
जिन्दा न रहि पावइँ।

20"उहइ समइ मूसा क जन्म भवा। उ बहोत सुन्नर
लरिका रहा। उ तीन महीना भर आपन पिता क घर मँ
पलत भवा बाढ़त रहा। 21फिन जब ओका बाहेर छोरि दीन्ह
गवा तउ फिरौन क बिटिया ओका आपन बेटवा बनइके
उठाइ लइ गइ। उ आपन बेटवा क नाई ओका पालेस
पोसेस। 22मूसा क पूरंपूर मिस्रयन क ग्यान क सिच्छा दीन्ह
गइ। ओकर सामर्थ बोलइ अउर कामे मँ दुइनउँ मँ रहा।

23"जब उ चालीस बरिस क भवा तउ उ इस्राएल क
बंसज, आपन भाइयन क निअरे जाइके ठान लिहेस। 24तउ
जब उ एक दाई लखेस कि ओनमाँ स कउनो एक क संग
बुरा व्यवहार कीन्ह जात अहइ तउ उ ओका बचाएस अउर
मिस्री मनई क मारिके उ दलित मनई क कसर लिहेस।
25उ सोचेस कि ओकर भाई बंधु जान जइहीं कि ओनका
छोड़ावइ बरे परमेस्सर ओका बइपरत अहइ। मुला उ पचे
ओका नाहीं समझ पाएन।

26"दुसरे दिना ओहमाँ स (ओकरे आपन मनइयन मँ स)
जब कछू मनई झगड़त रहेन तउ उ ओनकइ निअरे पहोंचा
अउर इ कहत भवा ओनमाँ बीच-बचाव करइ लाग, 'तू पचे
आपुस मँ भाई-भाई अहा! एक दूसर क संग बुरा बर्ताव
काहे करत अहा?' 27मुला उ मनई जउन आपन पड़ोसी क
संग झगड़त रहा, मूसा क धकियावत भवा कहेस, 'तोहका
हमार राजा अउर न्यायाधीस के बनएस? 28जइसे काल्ह तू उ
मिस्रि क हत्या कइ दिहे रहा, का तू वइसे ही मोका मारि
डावा चाहत ह?* 29मूसा जब इ सुनेस तउ उ हुवाँ स चला
गवा अउर मिद्यान मँ एक पड़ोसी क रूप मँ रहइ लाग।
हुवाँ ओकरे दुइ बेटवा भएन।

30"चालीस बरिस बीते क पाछे सिनाई पहाड़े क लगे
रेगिस्तान मँ एक बरत भइ झाड़ी क लपट क बीच ओकरे
समन्वा एक सरगदूत परगट भवा। 31मूसा जब इ लखेस
तउ ओका अचरज भवा। जब अउर जिआदा नगिचे स
लखइ बरे उ ओकरे लगे गवा तउ ओका पर्भू क बाणी

'आपन … देखॉउब' उत्पत्ति 12:1

'तोहार … करिहीं' उत्पत्ति 15:13-14; निर्ग 3:12

'तोहका … ह' निर्ग 2:14

सुनई पड़ी। 32मइँ तोहरे पूर्वजन क परमेस्सर हउँ इब्राहीम,
इसहाक अउर याकूब क परमेस्सर हउँ।'* डर स कँपकँपात
भवा मूसा कछू निहारइ क हिम्मत नाहीं कइ पावत रहा।

33"तबहि पर्भू ओसे कहेस, 'आपन गोड़वा क पनही
उतार द्या काहेकि जउने ठउर प तू खड़ा अहा, उ पवित्तर
भुइँया अहइ। 34मइँ मिस्र मँ आपन मनइयन क संग दुर्दसा
क लखेउँ ह, परखेउँ ह। मइँ ओनका जोर स विलाप करत
भवा सुनेउँ ह। ओनका अजाद करइ बरे नीचे उतरेउँ ह।
आवा, अब मइँ तोहका मिस्र पठउब।'*

35"इ उहइ मूसा अहइ जेका उ पचे इ कहत भवा
नकारेन, 'तोहका राजा अउर न्यायकर्ता कउन बनाएस ह?' इ
उहइ अहइ जेका परमेस्सर उ सरगदूत क जरिये, जउन
ओकरे बरे झाड़ी मँ परगट भवा रहा, राजा अउर मुक्ति
देइवाला होइ बरे पठएस। 36उ ओनका मिस्र क भुइँया
अउर लाल सागर अउर रेगिस्ताने मँ चालीस बरिस ताई
बहुत अचरज कारजन करत भवा अउर अद्भुत चीन्हन
दखॉवत भवा बाहेर निकारी लइ आवा।

37"इ उहइ मूसा अहइ जउन इस्राएल क लोगन स कहे
रहा, 'तोहरे भाइयन मँ स ही तोहरे बरे परमेस्सर एक मोरे
जइसा नबी पठइ।'* 38इ उहइ अहइ जउन वीरान जगह मँ
सभा क बीच हमार पूर्वजन अउर उ सरगदूत क साथे
मौजूद रहा जउन सीनै पहाड़े प ओसे बात किहेस। मूसा
परमेस्सर स जीवित बचन पाएस जउन हमका जिन्नगी देत
हीं।

39"मुला हमार पूर्वजन ओका मानइ स इनकार कइ
दिहेन। एँतना ही नाहीं, उ पचे ओका नकार दिहन अउर
आपन मने मँ फिन उ पचे मिस्र लौटि गएन। 40उ पचे
हारून स कहे रहेन, 'हमरे बरे अइसे देवतन क बनावा
जउन हम पचन्क राह सोझॉवइ। इ मूसा क बारे मँ जउन
मिस्र स बाहेर निकारा गवा रहा, हम नाहीं जानित कि
ओकरे संग का कछू घटा।'* 41ओनही दिनन मँ उ पचे
बछवा क तरह एक ठु मूरत गढ़ेन। उ मूरत प उ सबइ
बलि चढ़ाएन। अउर जेका उ पचे आपन हाथे स चढ़ाएन,
ओह पइ आनन्द मनावइ लागेन। 42मुला परमेस्सर ओनसे
मुँहना मोड़ि लिहस। उ सबन्क अकासे क ग्रह-नछत्र क
आराधना करइ बरे छोड़ दीन्ह गवा। जइसा कि नबियन क
किताबे मँ लिखा अहइ:

'ओ इस्राएल क परिवारे क लोगो, का तू पसु बलि
अउर दूसर बलि वीरान मँ मोका नाहीं चढ़ावत रह्या?
चालीस बरिस तलक।

43तू पचे मोलेक क तम्बू अउर आपन देवता रिफान क
तारा भी आपन संग लइ गवा रहे। ओन मूरत क भी लइ
गवा रहे जेनका तू पचे आराधना करइ बरे बनए रह्या। यह
बरे मइँ तोहका बेबिलान स भी परे पठउब।' *आमोस 5:25-27*

44"पवित्तर क तम्बू भी उ वीरान मँ हमरे पूर्वजन क
संग रहा। इ तम्बू उहइ नमूने प भी बनवा ग रहा जइसा
कि मूसा लखे रहा अउर जइसा कि मूसा स बात करवइया
बनावइ बरे ओसे कहे रहा। 45हमार पूर्वजन ओका पाइके
तबहिं हुवाँ स आए रहेन जब यहोसू क अगुअइ मँ उ पचे
उ राष्ट्रन स धरती लइ लिहे रहेन जेनका हमरे पूर्वजन क
समन्वा परमेस्सर निकारिके खदेरे रहा। दाऊद क समइ
तलक हुवाँ उ रहा। 46दाऊद परमेस्सर क अनुग्रह क आनन्द
उठाएस। उ चाहत रहा कि उ याकूब क परमेस्सर बरे एक
ठु मंदिर बनवाइ सकइ। 47मुला उ सुलेमान ही रहा जउन
ओकरे बरे मंदिर बनवाएस।

48"कछू भी होइ परम परमेस्सर हथवा स बना भवन मँ
निवास नाहीं करत। जइसा कि नबी कहे अहइ:

49'प्रभू कहेस, सरग मोर सिंहासन अहइ धरती गोड़वा क
चौकी बनी अहइ। कउने तरह क तू बनउब्या मोर घर?
अहइ कहूँ अइसी जगह, जहाँ अराम पावउँ?

50का सबहिं कछू इ, मोर बनवा नाहीं रहा हाथे का?'"

यसायाह 66:1-2

51"अरे हठीले लोग बिना खतना क मन अउर कान
वाले जिद्दी मनइयन, तू पचे सदा पवित्तर आतिमा क
खिलाफत किहे ह। तू सबइ आपन पूर्वजन जइसा ही अहा!
52का कउनो भी अइसा नबी रहा, जेका तोहार पूर्वजन नाहीं
सताएन? उ पचे तउ ओनका मारि डाए रह्या। जउन बहोत
पहिले स ही उ धर्मी (मसीह) क अवाई क एलान कइ दिहे
रहेन, जेका अब तू धोखा दइके पकड़वाइ दिहा अउर मरवाइ
डाया। 53तू सबइ उहइ अहा जउन सरगदूतन क जरिये दीन्ह
गवा व्यवस्था क तउ पाइ लिहा मुला ओह पइ चल्या
नाहीं!"

स्तिफनुस क कतल

54जब उ सबइ इ सुनेन तउ उ पचे किरोध स पगलाइ
गएन अउर स्तिफनुस पर दाँत पीसइ लागेन। 55मुला पवित्तर
आतिमा स भरा स्तिफनुस सरगे कइँती लखत रहा। उ
निहारेस परमेस्सर क महिमा क अउर परमेस्सर क दाहिन
कइँती खड़ा भवा ईसू क। 56तउ उ कहेस, "लखा! मइँ
लखत हउँ कि सरग खुला भवा अहइ अउर मनई क पूत
परमेस्सर क दाहिन कइँती खड़ा बा!"

57एह पइ उ पचे चिचिआत भवा आपन कान ढाँपि
लिहेन अउर फिन उ सबइ एक संग टूट पड़ेन। 58उ सबइ
ओका घेर्रावत भए सहर स बाहेर लइ गएन अउर ओहँ पइ
पाथर बरसावइ लागेन। तबहिं गवाह लोग आपन ओढ़ना
उतारि के साऊल नाउँ क एक ठु जवान क गोड़े प धइ
दिहेन।

59स्तिफनुस प जब स उ पचे पाथर बरसाउब सुरू
किहेन, उ इ कहत भवा पराथना करत रहा, "पर्भू ईसू, मोर
आतिमा क ग्रहण करा।" 60फिन उ घुटना क बल भइराइ
गवाँ अउर ऊँचि अवाजे मँ चिल्लान, "पर्भू, इ पाप क
ओनकइ खिलाफ जिन ल्या!" एँतना कहिके उ हमेसा क
नींद मँ सोइ गवा।

'मइँ ... हउँ' निर्ग 3:6

'आपन ... पठउब' निर्ग 3:5-10

'तोहरे ... पठइ' व्यवस्था 18:15

'हमरे ... घटा' निर्ग 32:1

8 साऊल स्तिफनुस क कतल क ठीक बताएस। उहइ
दिना स यरूसलेम क कलीसिया प घोर अत्याचार
होब सुरु भवा प्रेरितन क तजिके उ पते सबहिं मनइयन
यहूदिया अउर सामरिया क गाउँ मँ तितराइ-बितराइके फैलि
गएन।

बिसवासियन प अत्याचार

2-3कछू भगत लोग स्तिफनुस क गाड़ दिहन अउर
ओकरे बरे बहोत दु:ख मनाएन। साऊल कलीसिया क
बरबाद करब सुरु कइ दिहेस। उ घर-घर जाइके स्त्रियन
अउर पुरुसन क घेर्रावत भवा जेल मँ धाँधइ लाग। 4ओहर
तितराए बितराए मनई हर ठउरे प जाइके नीक खबर क
सुसमाचार देइ लागेन।

सामरिया मँ फिलिप्पुस क उपदेस

5फिलिप्पुस सामरिया नगर क चला गवा अउर हुवाँ
मनइयन मँ मसीह क बारे मँ प्रचार करइ लाग। 6फिलिप्पुस
क मनइयन जब सुनेन अउर जउन अद्भुत चीन्हन क उ
परगट करत रहा, लखेस, तउ जउन बातन क उ बतावा
करत रहा, ओन पइ उ पचे एक चित्त लाइके धियान दिहेन।
7बहोत स मनइयन मँ स, जेनमाँ दुस्ट आतिमा समाई रहिन,
उ सबई ऊँच अवाजे मँ चिल्लात भइ बाहेर निकरि आइन।
बहोत स सुखाड़ी क बेरिमिया अउर अंग भंग नीक होत
रहेन। 8उ सहर मँ खुसी छाइ रही।
9हुवँइ समौन नाउँ क मनई रहत रहा। फिलिप्पुस क
अवाई स पहिले उ ढेर समइ स उ सहर मँ जादू टोटका
करत रहा। अउर सामरिया क मनइयन क अचरज मँ डाइ
देत रहा। उ महा पुरुख होइ क दावा करत रहा। 10नान्ह स
लइके बड़वारे तलक सबहिं मनइयन ओकरे बात प धियान
देतेन अउर कहत रहतेन, "इ मिला परमेस्सर क उहइ सक्ती
बा जउन 'महान सक्ती' कहवावत ह!" 11काहेकि उ ढेर
दिनन स ओन पचन्क आपन चमत्कारन क घनचक्कर मँ
नाइ देत रहा, यह बरे उ पचे ओह पइ धियान देत रहेन।
12मुला उ पचे जब फिलिप्पुस प पतिमानेन काहेकि उ
ओनका परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार अउर ईसू मसीह
क नाउँ बाँचत रहा, तउ उ पचे स्त्रियन अउर पुरुसन दुइनउँ
ही बपतिस्मा लेइ लागेन। 13अउर खुद समौन ही ओन पइ
पतियाइ लाग। अउर बपतिस्मा लेइ क पाछे फिलिप्पुस क
संग उ बड़े निचके स बसइ लाग। उ अद्भुत कारजन अउर
अद्भुत चीन्हन क जब उ लखेस, तब दंग रहि गवा।
14जब यरूसलेम मँ प्रेरितन इ सुनेन कि सामरिया क
मनइयन परमेस्सर क बचन क मान लिहे अहइँ तउ उ पचे
पतरस अउर यूहन्ना क ओनके लगे पठएन। 15जबहिं उ
पचे आएन, तब उ दुइनउँ सामरियन बरे पराथना किहेन कि
ओनका पवित्तर आतिमा मिलि जाइ। 16काहेकि अबहुँ
तलक पवित्तर आतिमा कउनो प नाहीं ओतरी, ओनका फिन
पर्भू ईसू क नाउँ प बपतिस्मा हि दीन्ह गवा रहा। 17तउ
पतरस अउर यूहन्ना ओन पइ आपन हाथ धरेस अउर
ओनका पवित्तर आतिमा मिलि गइ।
18जब समौन लखेस कि प्रेरितन क हाथ धरे भइ स
पवित्तर आतिमा मिलि गइ तउ ओनके समन्वा धन धरत
भवा कहेस, 19"इ सक्ती मोका दइ द्या काहेकि जेह पइ
मइँ हाथ धरउँ, ओका पवित्तर आतिमा मिलि जाइ।"
20पतरस ओसे कहेस, "तोहार अउर तोहरे धने क
सतियानास होइ! काहेकि तू इ बिचार्‌या ह कि तू धने स
परमेस्सर क बरदान क मोल लइ सकत ह। 21इ बारे मँ
तोहार हमार मेल नाहीं खात काहेकि परमेस्सर क समन्वा
तोहार हिरदय सही नाहीं बा। 22यह बरे आपन इ दुस्टता बरे
मनफिराव अउर आपन कुकरम प पछतावा करा अउर पर्भू
स पराथना करा। इ होइ सकत ह कि इ बिचार बरे तोहका
छमा कइ दीन्ह जाइ जउन तोहरे मने मँ रहा। 23मइँ लखत
हउँ कि तू परिहँसे स भरा अहा अउर पाप क पंजा मँ फँसा
बाट्या।"
24यह पइ समौन जवाब दिहेस, "तू पर्भू स मोरे बरे
पराथना करा काहेकि तू जउन कहया ह, ओहमाँ स कउनो
भी बात मोह प न आइ जाइ!"
25फिन प्रेरितन साच्छी दइके अउर पर्भू क बचन
सुनाइके, राहे मँ टेर क सामरी गाँवन मँ सुसमाचार क
उपदेस देत भएन यरूसलेम लौटि गएन।

इथियेपिया स आवा भएन मनइयन क फिलिप्पुस क उपदेस

26पर्भू क एक सरगदूत फिलिप्पुस क कहत भवा
बताएस, "तइयार होइ जा, अउर सरक प दक्खिन कइँती
जा, जउन सरक यरूसलेम स गाजा क जात ह। इ एक
निर्जन राह अहइ।"
27तउ उ तइयार भवा अउर निकरि गवा। सरक पइ
इथियोपिया क मनई क लखेस। उ हिजरा रहा। इथियोपियन
क रानी कंदाके क एक अधिकारी रहा जउन ओकरे सारा
खजाना क खजांची रहा। उ आराधना करइ यरूसलेम गवा
रहा। 28लउटत भवा उ आपन रथे मँ बैठिके नबी यसायाह
क पोथी बाँचत रहा।
29तबहिं उ आतिमा फिलिप्पुस स कहेस, "उ रथे क
निचके जा अउर हुवँइ ठहर जा।"
30फिलिप्पुस जब उ रथे क निचके दौड़िके गवा तउ उ
ओका यसायाह क पढ़त भवा लखेस। तउ उ कहेस, "का
तू जेका बाँचत अहा, ओका बूझत भी बाट्या?"
31उ कहेस, "मइँ भला कहाँ तलक समुझ बूझ सकत
हउँ? जब तलक कउनो मोका एकर अरथ न बतावइ?"
फिन उ फिलिप्पुस क रथे प आपन संग बइठाएस।
32पवित्तर सास्तर क जउन हींसा क उ बाँचत रहा, उ रहा:
"उ भेंड़ क नाई जप कइ दीन्ह बरे लइ जावा जात रहा
उ ओ मेम्ना क नाई चुप रहा जउन आपन उन क
कतरइवाला क समन्वा चुप रहत ह। ठीक वइसे ही उ
आपन मुँह खोलेस नाहीं।
33अब अइसी दीन दसा मँ ओका निआव स दुरिआवा
गवा। ओकरी पीढ़ी क कबहँ गाथा कउन गाई? काहेकि
धरती स तउओकर जिन्नगी लइ लीन्ह गइ।"

यसायाह 53:7-8

34उ अधिकारी फिलिप्पुस स कहेस, "अहुग्रह कइके बतावा कि इ नबी केकर बारे मँ कहत बाटइ? इ आपन बारे मँ या कउनो अउर क बारे मँ?" 35फिन फिलिप्पुस कहब सुरु किहेस अउर इ सास्तर स लइके ईसू क सुसमाचार तलक सब कछू ओका कहिके सुनाएस।

36रस्ता मँ आगे बढ़त भए उ सबइ पानी क निचके पहुँचेन। फिन उ अधिकारी कहेस, "लखा! हिआँ पानी बाटइ। अब मोका बपतिस्मा लेइ मँ का बियाधा अहइ?" 37* 38तब उ रथे क रोकइ बरे आग्या दिहेस। फिन फिलिप्पुस अउर उ अधिकारी दुइनउँ ही पानी मँ उतरि गएन अउर फिलिप्पुस ओका बपतिस्मा दिहेस। 39अउर फिन जब उ पचे पानी स बाहेर निकसेन तउ फिलिप्पुस क पर्भू क आतिमा छीन लइ गवा। अउर उ अधिकारी फिन ओका कबहुँ नाहीं लखेस। ओहर उ अधिकारी खुसी मनावत आपन राहे प चला गवा। 40ओह कइँती फिलिप्पुस खुद क असदोद मँ पाएस अउर कैसरिया पहोंच तलक उ सब नगरन मँ सुसमाचार प्रचार करत रहा।

साऊल क हिरदय बदलब

9 साऊल अबहुँ पर्भू क चेलन क मारि डावइ क धमकी देत रहा। उ महायाजक क लगे गवा। 2अउर उ दमिस्क क आराधनालय क नाउँ इ मंसा क चिट्ठी लिहेस कि जेहसे ओका हुवाँ अगर कउनो इ पंथ क चेलन मिलइ, फिन चाहे उ स्त्रियन होइ, चाहे पुरुसन, तउ उ ओका बंदी बनाइ सकइ अउर फिन वापिस यरूसलेम लइ आवइ। 3तउ जब चलत चलत उ दमिस्क क निचके पहोंचा, तउ एकाएक ओकरे चारिहुँ कइँती अकासे स रोसनी कउँधी 4अउर उ भुइँया प जाइ गिरा। उ एक अवाज अनकेस जउन ओसे कहत रही, "साऊल, अरे ओ साऊल! तू मोका काहे सतावत अहा?"

5साऊल कहेस, "पर्भू, तू कउन अहा?"

उ कहेस, "मइँ ईसू अहउँ जेका तू सतावत बाट्या। 6मुला अब तू खड़ा ह्वा अउर नगर मँ जा। हुवाँ तोहका बताइ दीन्ह जाइ कि तोहका का करइ चाही।"

7जउन मनई ओकरे संग जात्रा करत रहेन, उ पचे चुपचाप रहि गएन। उ पचे अवाज तउ अनकेन मुला कउनो क लखेन नाहीं। 8फिन साऊल भुइँया पइ स खड़ा भवा। मुला जब उ आपन आँखी खोलेस तउ उ कछू भी नाहीं निहारि सका। यह बरे उ पचे ओकर हाथ धइके दमिस्क लइ गएन। 9तीन दिना तलक उ न तउ कछू निहारि पाएस, अउर न ही कछू खाएस या पीएस।

10दमिस्क मँ हनन्याह नाउँ क ईसू क एक चेला रहा। पर्भू दर्सन दइके ओसे कहेस, "हनन्याह!"

तउ उ बोला, "पर्भू, मइँ इ हउँ।"

11पर्भू ओसे कहेस, "खड़ा ह्वा अउर उ गली मँ जेका सोझ कहवावइ वाली गली कहा जात ह। अउर हुवाँ यहूदी क घरे मँ जाइके तारसी क बसइया साऊल नाउँ क एक मनई क बारे मँ पूछताछ करा काहेकि उ पराथना करत बाटइ। 12उ एक दर्सन मँ लखेस ह कि हनन्याह नाउँ क एक मनई घरे मँ आइके ओह प हाथ रखेस ह ताकि उ फिन लखि सकइ।"

13हनन्याह जवाब दिहेस, "पर्भू, मइँ इ मनई क बारे मँ बहोतन स सुना ह। यरूसलेम मँ तोहरे संत लोगन क संग इ जउन बुरा काम किहेस ह, उ सब मइँ सुनेउँ ह। 14अउर हियाँ भी इ मुख्ययाजक स तोहरे नाउँ मँ सबहिं बिसवासी मनइयन क बंदी बनावइ क हुकुम लइ आवा ह।"

15मुला पर्भू ओसे कहेस, "तू जा काहेकि इ मनई क विधर्मी मनइयन, राजा लोगन अउर इस्राएल क मनइयन क समन्वा मोर नाउँ लेइ बरे, एक जरिया क रूप मँ मइँ चुनेउँ ह। 16मइँ खुद ओका उ सब कछू बताउब, जउन ओका मोरे नाउँ बरे सहइ क होइ।"

17तउ हनन्याह चला गवा अउर उ घरे क भितरे पहोंचा अउर साऊल प आपन हाथ रखि दिहेस अउर कहेस, "भाइ साऊल! पर्भू ईसू मोका पठएस ह जउन तोहरे राह मँ तोहरे समन्वा परगट भ रहा जेहसे तू फिन स लखि सका अउर पवित्तर आतिमा स भरि उठा।" 18फिन तुरतहि बोकला जइसी कउनो चीज ओकरी आँखिन स टेघरी अउर ओका फिन देखॉइ देइ लाग। उ खड़ा भवा अउर उ बपतिस्मा लिहेस। 19ओकरे पाछे फिन तनिक खइया खाए क बाद आपन ताकत पाइ गवा।

साऊल क दमिस्क मँ प्रचार काम

उ दमिस्क मँ चेलन क संग कछू समइ ठहरा। 20फिन इ सोझइ यहूदी आराधनालय मँ पहोंचा अउर ईसू क प्रचार करइ लाग। उ कहेस, "इ ईसू परमेस्सर क पूत अहइ।"

21जउन कउनो भी ओका सुनेन, चकित रहि गएन अउर बोलेन, "का इ उहइ नाहीं अहइ, जउन यरुसलेम मँ ईसू क नाउँ मँ बिसवास करइया मनइयन क नास करइ क जतन नाहीं किहेस। अउर का इ ओनका धरवावइ अउर मुख्ययाजक क समन्वा लइ जाइ नाहीं आवा रहा?"

22मुला साऊल जिआदा स जिआदा सक्तीसाली होत गवा अउर दमिस्क मँ बसइया यहूदियन क इ सिद्ध करत भवा कि इ ईसू ही मसीह अहइ, हरावइ लाग।

साऊल क यहूदियन स बच निकरब

23बहोत दिन बीति जाए क पाछे यहूदियन ओका मारि डावइ क षड़यन्त्र किहेन। 24मुला ओनकइ चाल क पता साऊल क होइ गवा। उ पचे सहर क दुआरन प घात लगाए रहत रहेन जेहसे ओका मारि डावइँ। 25मुला ओकर चेलन ओका राति मँ उठाइ लइ गएन अउर झउआ मँ बइठाइके सहर क चहरदीवार के छेदे स ओका खाले उतारि दिहेन।

यरूसलेम मँ साऊल क पहुँचब

26फिन जब उ यरूसलेम पहोंचा तउ उ चेलन क संग मिलइ क जतन करइ लाग। मुला उ पचे तउ ओसे ससान

पद 37 'प्रेरितन क काम' की कछू बाद की प्रतियन मँ पद 37 मिलत ह: "फिलिप्पुस जवाब दिहेस, 'जदि तू आपन पूरंपूर हिरदय स बिसवास करत ह तउ लइ सकत ह।' अधिकारी कहेस, 'हाँ! मइँ पतियात हउँ कि ईसू मसीह परमेस्सर क पूत अहइ।'"

रहेन। ओनका इ बिसवास नाहीं रहा कि उ भी ईसू का एक चेलन अहइ। 27मुला बरनाबास ओका आपन संग प्रेरितन क लगे लइ गवा अउर उ ओनका बताएस कि साऊल पर्भू क राहे मँ कउने तरह लखेस अउर पर्भू ओसे कइसे बतियान ह। अउर दमिस्क मँ कउने तरह उ बेडर होइके ईसू क नाउँ क प्रचार करइ लाग।

28फिन साऊल ओनके संग यरुसलेम मँ अजादी स आवइ जाइ लाग। उ बेडर होइके पर्भू क नाउँ क प्रबचन करत रहा। 29उ यूनानी भाखा क बोलवइया क साथ तहत्तुक अउर धरम चर्चा करत रहा मुला उ सबइ तउ ओका मारि डावा चाहत रहेन। 30मुला जब भाई लोगन्क इ बात क पता लाग तउ उ पचे ओका कैसरिया लइ गएन अउर फुन ओका तरसुस पहोंचाइ दिहेन। 31इ तरह समूचइ यहूदिया, गलील अउर सामरिया क कलीसिया क उ समइ सांति स बीति गवा। उ कलीसिया अउर जिआदा सक्तीसाली होइ लाग। काहेकि उ पर्भू स डेराइके आपन जिन्नगी काटत रही, अउर पवित्तर आतिमा ओका अउर जिआदा हिम्मत देत रही तउ ओकर गनती बाढ़इ लाग।

लुद्दा अउर याफा मँ पतरस

32फिन उ समूचइ पहँटा मँ टहरत घूमत पतरस लुद्दा क संत लोगन स भेंटइ पहोंचा। 33हुवाँ ओका एनियास नाउँ क एक मनई मिला जउन आठ बरिस स बिछउना प ओलरा रहा। ओका लकुआ मारि गवा रहा। 34पतरस ओसे कहेस, "एनियास, ईसू मसीह तोहका चंगा करत ह। खड़ा ह्वा अउर आपन बिछउना सोझ करा!" तउ उ तुरंत खड़ा होइ गवा। 35फिन लुद्दा अउर सारोन मँ बसइया सब मनइयन ओका लखेन अउर उ पचे पर्भू कइँती घूमि गएन। 36याफा मँ तबीता नाउँ क एक चेली रहत रही (जेकर यूनानी अनुवाद अहइ दोरकास अरथ अहइ "हिरनी"।) हमेसा नीक नीक काम करत अउर गरिबन क दान देत। 37ओनही दिनाँ उ बीमार भइ अउर मरि गइ। उ पचे ओकरे ल्हासे क नहवाइके सीढ़ी क ऊपर खोली मँ धइ दिहेन। 38लुद्दा याफा क लगे रहा, तउ चेलन जबहिं इ सुनेन कि पतरस लुद्दा मँ बाटइ तउ उ पचे ओकरे लगे दुइ मनई पठएन कि उ सबइ ओसे बिनती करइँ, "अनुग्रह कइके हाली स हाली हमरे लगे आइ जा!"

39तउ पतरस तइयार होइके ओनके संग चला गवा। जब पतरस हुवाँ पहोंचा तउ उ पचे ओका सीढ़ी क ऊपर खोली मँ लइ गएन। हुवाँ सबहिं बिधवावन छाती पीटिके रोवत भइन अउर उ सबइ कुर्ती अउर ओढ़ना क, जेनका दोरकास बनाए रहा; जबहिं उ पचे ओकरे संग रहिन देखॉवत भइन खड़ी होइ गइन। 40पतरस हर कउनो क बाहेर पठएस अउर घुटना क बल निहुरिके ओसे पराथना किहेस। फिन ल्हास कइँती घूमत भवा बोला, "तबीता-खड़ी होइजा!" उ आपन आँखिन उघारेस अउर पतरस क लखतन भइ उठिके बइठी। 41ओका आपन हाथ दइके पतरस खड़ा किहेस अउर फिन संत अउर बिधवावन क बोलवाइ के ओनका ओका जिन्दा सौंप दिहेस।

42समूचइ याफा मँ हर कउनो क इ बात क पता लग गवा अउर बहोत स मनइयन पर्भू मँ बिसवास किहेन। 43फिन याफा मँ समौन नाउँ क एक चमार क हियाँ पतरस बहोत दिनाँ तक रूका रहा।

पतरस अउर कुरनेलियुस

10 कुरनेलियुस नाउँ क एक मनई कैसरिया मँ रहा। उ फउज क उ दले क नायक रहा जेका इतालवी कहा जात रहा। 2उ परमेस्सर स डेराइवाला भगत रहा अउर वइसा ही ओकर परिवार भी रहा। उ गरीबन क मदद करइ बरे दिल खोलिके दान देत रहा अउर हमेसा ही परमेस्सर क पराथना करत रहत रहा। 3दिन क नवे* पहर क नगिचे उ एक दर्सन मँ साफ साफ लखेस कि परमेस्सर क एक सरगदूत ओकरे लगे आवा ह अउर ओसे कहत ह, "कुरनेलियुस।"

4तउ कुरनेलियुस डेरात भवा सरगदूत कइँती लखत भवा बोला, "हे पर्भू, इ का अहइ?"

सरगदूत ओसे कहेस, "तोहार पराथना अउर गरीब गुरबा क दिया भवा तोहार दान एक यादगार क रूप मँ तोहार याद दियावइ बरे परमेस्सर क लगे पहोंचा अहइँ। 5तउ कछू मनइयन क याफा पठवा अउर समौन नाउँ क एक मनई क, जउन पतरस कहा जात ह, हिआँ बोलॉइ ल्या। 6उ समौन नाउँ क एक चमार क हिआँ रहत ह। ओकर घर समुद्दर क किनारे बा।" 7उ सरगदूत जउन ओसे बात करत रहा, जब चला गवा तउ उ आपन दुइ नउकरन अउर आपन खुद क सहायक लोगन मँ स एक भक्त सिपाही क बोलाएस 8अउर जउन कछू भवा रहा, ओनका सब कछू बताइके याफा पठइ दिहेस।

9अगले दिन जब उ पचे चलतइ चलत सहर क निचके पहोंचइ क ही रहेन, पतरस दुपहरिया मँ पराथना करइ छत्ते प चढ़ा। 10ओका भूख लाग, तउ उ कछू खाइ चाहत रहा। उ पचे जब खइयाके तइया करत रहेन तउ ओकर समाधि लग गइ। 11अउर उ लखेस कि अकास खुलि गवा अहइ अउर एक बड़वार चद्दर जइसी चीज तरखाले उतरत बा। ओका चारिहुँ कइँती स धइके धरती प उतारा जात बा। 12ओह प हर तरह क पसु, धरती प रेंगइ वाला जीव-जंतु अउर अकासे क पंछी रहेन। 13फिन एक अवाज ओसे कहेस, "पतरस उठ, मार अउर खा।"

14पतरस कहेस, "पर्भू, फुरइ तउ नाहीं, काहेकि मइँ कबहुँ भी अपवित्तर या असुद्ध चीज क नाहीं खाएउँ ह।" 15एँह पइ ओनका दूसरी बार फिन अकासबाणी सुनाई दिहेस, "कउनो भी चीज क जेका परमेस्सर पवित्तर बनाए अहइ, ओनका तू 'अपवित्तर' न काह!" 16तीन दाई अइसा ही भवा अउर उ पूरी वस्तु फिन अकास मँ वापिस उठाइ लीन्ह गइ।

17पतरस जउने दर्सन जेका लखे रहा क अरथ क बारे मँ दुबिधा करत रहा, कुरनेलियुस क पठए भए लोग दुआरे प ठाड़ भवा पूछत रहेन, "समौन क घर कहाँ बा?" 18उ सबइ

नवे दिन क तीन बजे।

बाहेर गोहरावत भए पूछेन, “का पतरस कहा जाइवाला समौन मेहमान क रूप मँ हियँइँ रूका अहइ।?”

19पतरस अबहिं उ दर्सन क बारे मँ सोचत ही रहा कि आतिमा ओसे कहेस, “सुना! तोहका तीन मनई हेरत अहइँ। 20तउ खड़ा ह्वा, अउर तरखाले उतरिके बेझिझके चला जा, काहेकि ओनका मइँ ही पठएउँ ह।” 21इ तरह पतरस तरखाले उतरि आवा अउर ओन मनइयन स बोला, “मइँ उहइ अहउँ, जेका तू हेरत बाट्या। तू काहे आया ह?”

22उ पचे बोलेन, “हम सबनक फऊजीनायक कुरनेलियुस पठएस ह। उ अच्छा मनई अहइ अउर सच्चे परमेस्सर क आराधना करत ह। यहूदी मनइयन मँ ओकर बहोत सम्मान अहइ। पवित्तर सरगदूत ओसे तोहका आपन घरे नेउतइ बरे कहे अहइ अउर जउन कछू कहइ ओका सुनइ बरे कहे अहइ।” 23एँह पइ पतरस ओका भितरे बोलाइ लिहस अउर ठहरइ क जगह दिहेस।

फिन दूसर दिन तइयार होइके उ ओनके संग चला गवा। अउर याफा क निवासी कछू अउर बंधु भी ओकरे संग होइ गएन। 24दूसर दिन उ कैसरिया पहोंच गवा। हुवाँ आपन खास मित्र अउर नातेदार क बोलाइके कुरनेलियुस ओनका जोहत रहा। 25पतरस अब भीतर पहोंचा तउ कुरनेलियुस ओसे भेंटइ आवा। कुरनेलियुस श्रद्धा स ओकरे गोड़वा प गिरत भवा ओका प्रणाम किहेस। 26मुला ओका उठावत भवा पतरस बोला, “ठाड़ ह्वा! मइँ तउ खुद सिरिफ एक मनई हउँ।” 27फिन ओकरे संग बात करत करत उ भितरे चला गवा। अउर हुवाँ उ बहोत स मनइयन क बटोरेस।

28उ ओनसे कहेस, “तू सबइ जानत ह कि एक यहूदी बरे गैर यहूदी जाति क मनई क संग कउनो सम्बंध रखब या ओकरे हियाँ जाब विधान क खिलाफ अहइ मुला तउ भी परमेस्सर मोका देखाएस ह कि मइँ कउनो भी मनई क ‘असुद्ध’ या ‘अपवित्तर’ न कहउँ। 29यह बरे मोका जब बोलावा गवा तउ मइँ बिना कउनो एतराज क आइ गएउँ। यह बरे मइँ तोहसे पूछत हउँ कि तू मोका काहे बरे बोलाया ह।”

30एँह पइ कुरनेलियुस कहेस, “चार दिन पहिले इहइ समइ दिन क नवें पहर (तीन बजे) मइँ आपन घरे मँ पराथना करत रहेउँ। एकाएक चमचमात ओढ़ना मँ एक मनई मोरे समन्वा आइके खड़ा भवा। 31अउर बोला, ‘कुरनेलियुस! तोहार बिनती सुनि लीन्ह गइ अहइ अउर गरीब गुरबन क दीन्ह भवा तोहार दान परमेस्सर क समन्वा याद कीन्ह ग अहइँ। 32यह बरे याफा पठइके पतरस कहावावइवाला समौन क बोलवाइके पठवा। उ समुद्दर क किनारे चमार समौन क घरे रुका बा।’ 33यह बरे मइँ तुरंतहि तोहका बोलवावइ पठवा ह अउर हिआँ आवइ क कृपा कइके बहोत नीक किहा ह तउ अब पर्भू जउन कछू आग्या तोहका दिए अहइँ, उ सब कछू सुनइ बरे हम पचे हिआँ परमेस्सर क अगवा हाजिर अही।”

कुरनेलियुस क घरे पतरस क उपदेस

34फिन पतरस बोलइ लाग अउर कहेस, “फुरइ अब मइँ समुझ गवा हउँ कि परमेस्सर कउनो भेद-भाव नाहीं राखत 35बल्कि हर जाति क कउनो मनई जउन ओसे डेरात ह अउर नीक काम करत ह, उ ओका अपनावत ह। 36इहइ अहइ उ संदेसा जेका उ ईसू मसीह स सांति क सुसमाचार क उपदेस देत भवा इस्राएल क मनइयन क दिहे रहा। उ सबहिं का पर्भू अहइ।

37“तू पचे उ बड़की घटना क जानत ह, जउन समूचइ यहूदिया मँ भइ रही। गलील स सुरु होइके यूहन्ना क जरिए बपतिस्मा दीन्ह जाए क पाछे जेकर प्रचार कीन्ह गवा रहा। 38तू सबइ नासरी ईसू क बारे मँ जानत ह कि परमेस्सर पवित्तर आतिमा स अउर सक्ती स ओकर अभिसेक कइसे किहे रहा अउर उत्तिम कारज करत भवा अउर ओन सब क जउन सइतान क बस मँ रहेन, नीक करत भवा चारिहुँ कइँती उ कइसे घूमत रहा। काहेकि परमेस्सर ओकरे संग रहा।

39“अउर हम पचे ओन सब बातन क साच्छी अही जेनका उ यहूदियन क पहँटा अउर यरूसलेम मँ किहे रहा। उ पचे ओका ही एक ठु लकड़ी के सलीब प टाँगिके मारि डाएन। 40मुला परमेस्सर तीसरे दिना ओका फिन स जिन्दा कइ दिहेस अउर ओका परगट कराएस। 41सब मनइयन क समन्वा नाहीं मुला ओन साच्छियन क अगवा जउन परमेस्सर क हीला स पहिले ही चुन लीन्ह गएन। अरथ अहइ हमरे समन्वा जउन मर भएन मँ स जी जाए क पाछे ओकरे संग खाएन अउर पीएन।

42“उहइ हमका हुकुम दिहे अहइ कि हम लोगन क उपदेस देइँ अउर सिद्ध करइँ कि इ उहइ, अहइ जउन परमेस्सर क हीला स जिन्दा भएन अउर मरे भएन मँ स निआव करइवाला मुकर्रर कीन्ह गवा अहइ। 43सब नबी लोग ओकरे बारे मँ साच्छी दिहे अहइँ कि ओहमा बिसवास करइवाला हर मनई ओकरे नाउँ क हीला स पापन्क छमा पावत ह।”

गैर यहूदियन प पवित्तर आतिमा क उतरब

44पतरस अबहिं इ बातन क करत ही रहा कि ओन सब प पवित्तर आतिमा उतरि आइ जउन सुसमाचार सुने रहेन। 45काहेकि पवित्तर आतिमा क बरदान गैर यहूदी प उड़ेरा जात रहा, तउ पतरस क संग आए भए यहूदी अचरज मँ पड़ि गएन। 46उ पचे किसिम किसिम क भाखा बोलत रहेन अउर परमेस्सर क स्तुति करत भए अनकत रहेन। तब पतरस बोला, 47“का कउनो इ मनइयन क बपतिस्मा देइ बरे, जल आसानी स देइ बरे मना कइ सकत ह? एँनका भी वइसे ही पवित्तर आतिमा मिलि गवा ह, जइसेन हम पचन क।” 48इ तरह उ ईसू मसीह क नाउँ मँ ओनका बपतिस्मा देइ क हुकुम दिहेस। फिन पतरस स उ पचे पराथना किहेन कि कछू दिन ओनकइ संग ठहरइ।

पतरस क यरूसलेम लौटब

11 समूचइ यहूदिया मँ भाइयन अउर प्रेरितन सुनेन कि परमेस्सर क बचन गैर यहूदी भी मान लिहे अहइँ। 2तउ जब पतरस यरूसलेम पहोंचा तउ उ पचे जउन खतना क चाहत रहेन, ओकर नुक्ताचीनी किहेन। 3उ सबइ कहेन, “तू खतना क बिना मनइयन क घरे गवा अहा अउर तू ओनकइ संग खइया क खाया ह!”

4ऍह पइ पतरस सच जउन भवा रहा, ओका सुनावइ
समुझावइ लाग। 5"मइँ याफा सहर मँ पराथना करत भवा
समाधि मँ एक दर्सन कीन्ह। मइँ निहारेउँ कि एक बड़की
चद्दर जइसी कउनो चीज खाले उतरत बा, ओका चारिहुँ
कोना स धइके अकासे स धरती प उतारा जात अहइ। फिन
उ उतरिके मोरे लगे आइ गइ। 6मइँ ओका धियान स लखेउँ
कि ओहमाँ धरती क चौपाया जीव-जतुं, जंगली पसु रेंगइ
वाला जीव अउर अकासे क पंछी रहेन। 7फिन मइँ एक
अवाज सुनेउँ, जउन मोसे कहत रही, 'पतरस उठा, मारा अउर
खाइ ल्या।'

8"मुला मइँ कहेउँ, 'पर्भू, निहचय रूप स तउ नाहीं,
काहेकि मइँ कबहुँ भी कउनो तुच्छा या समइ क अनुसार
कउनो बे पवित्तर अहार क नाहीं खाएउँ ह।'

9"अकास स दूसर दाई उ अवाज फिन कहेस, 'जेका
परमेस्सर पवित्तर बनएस ह, ओका तू अपवित्तर जिन
समुझा।'

10"तीन दाई अइसा ही भवा। फिन उ सब अकास मँ
वापिस उठाइ लीन्ह गवा। 11उहइ समइ जहाँ मइँ ठहरा रहेउँ,
उ घरे मँ तीन मनई आइ गएन। उ पचे मोरे लगे कैसरिया स
पठवा ग रहेन। 12आतिमा मोका ओनकइ संग बेझिझके
चला जाइ बरे कहेस। इ छ: भाई भी मोरे संग गएन। अउर
हम पचे उ मनई क घरे मँ चला गए। 13उ हमका बताएस
कि एक सरगदूत क आपन घरे मँ ठाड़ उ कइसे लखेस।
जउन कहत रहा, 'याफा पठइके पतरस कहावावइवाला समौन
क बोलवाइ ल्या। 14उ तोहका बचन सुनाई जेहॅसे तोहार
परिवार क उद्धार होइ।'

15"जब मइँ प्रबचन सुरु कीन्ह तब पवित्तर आतिमा ओन
पइ उतरि आइ। ठीक वइसेन जइसे सुरु मँ हम पइ उतरी
रही। 16फिन मोका पर्भू क कहा भवा बचन याद होइ गवा,
'यूहन्ना पानी स बपतिस्मा देत रहा मुला तोहका पवित्तर
आतिमा स बपतिस्मा दीन्ह जाइ।' 17इ तरह जदि परमेस्सर
ओनका ही उहइ बरदान दिहेस जेका उ जब हम पचे पर्भू ईसू
मसीह मँ बिसवास कीन्ह, तब्बइ हमका दिहे रहा, तउ
खिलाफत करइवाला मइँ कउन होत हउँ?"

18बिसवासी मनइयन जब इ सुनेन तउ उ पचे प्रस्न करब
बंद कइ दिहेन। उ पचे परमेस्सर क महिमा करत भए कहइ
लागेन, "अच्छा, तउ परमेस्सर गैर यहूदी मनइयन तलक क
मनफिराववइ बरे उ औसर दिहेस ह, जउन जिन्नगी कइँती
लइ जात ह।"

अन्ताकिया मँ सुसमाचार क अवाई

19उ पचे जउन स्तिफनुस क समइ मँ दीन्ह जात सबइ
यातना क कारण तितराइ बितराइ ग रहेन, दूर-दूर तलक
फीनीक, साइप्रस अउर अन्ताकिया तलक चलाग रहेन। इ
पचे यहूदियन क तजिके कउनो अउर क सुसमाचार नाहीं
सुनावत रहेन। 20एनही बिसवासी मनइयन मँ स कछू साइप्रस
क अउर कुरेनी क रहेन। तउ जब उ पचे अन्ताकिया
आएन तउ यूनानियन क भी प्रबचन देत भए पर्भू ईसू क
सुसमाचार सुनावइ लागेन। 21पर्भू क सक्ती ओनकइ संग
रही। तउ एक बड़ा मनइयन क मजमा बिसवास धइके पर्भू
कइँती मुड़ि गवा।

22ऍकर खबर जब यरूसलेम मँ कलीसिया क काने तलक
पहुँची तउ उ पचे बरनाबास क अन्ताकिया जाइके पठएन।
23जब बरनाबास हुँवा पहोंचिके परमेस्सर क अनुग्रह क
सकारथ होत लखेस तउ उ बहोत खुस भवा अउर उ ओन
सबहिं क पर्भू बरे भक्ति भरा हिरदय स बिसवासी बनइ बरे
हिम्मत देवॉएस। 24काहेकि उ पवित्तर आतिमा अउर बिसवास
स भरा भवा एक भरपूर उत्तिम मनई रहा। फिन पर्भू क संग
एक बड़वार मनइयन क मजमा जुड़ गवा।

25बरनाबास साऊल क हेरइ तरसुस क चला गवा।
26फिन उ ओका हेरिके अन्ताकिया लइ आवा। पूरे साल भइ
उ पचे कलीसिया स मिलत जुलत अउर बड़का मनइयन क
मजमा क उपदेस देत रहेन। अन्ताकिया मँ सबन त पहिले
ऍनही चेलन क "मसीही" कहा गवा।

27इहइ समइ यरूसलेम स कछू नबी अन्ताकिया आएन।
28ओनमाँ स अगबुस नाउँ क एक नबी खड़ा होइके पवित्तर
आतिमा क जरिये इ भविस्सबाणी किहेस कि सारी दुनिया मँ
एक खउफनाक अकाल पड़ी (क्लौदियुस क समइ इ अकाल
पड़ा रहा।) 29तब हर चेलन आपन ताकत देखिके यहूदिया क
बसइयन बंधु क मदद बरे कछू पठवइ क ठान लिहेन। 30तउ
उ पचे अइसा ही किहेन अउर उ पचे बरनाबास अउर साऊल
क हाथ स यहूदिया मँ आपन बुजुर्गन क लगे उपहार पठएन।

हेरोदेस क कलीसिया प जुल्म

12 उहइ समइया क लगभग राजा हेरोदेस कलीसिया
क कछू निअंबर क सताउब सुरु किहेस। 2उ
यूहन्ना क भाई याकूब क तरवार स कतल कराइ दिहेस। 3उ
जब इ लखेस कि इ बात स यहूदी खुस होत हीं तउ उ
पतरस क भी गिरफतार करइ बरे सोचेस (इ बे खमीरे क
रोटी क उत्सव क दिनन क बात अहइ) 4हेरोदेस पतरस क
धइके जेलि मँ धाँध दिहेस। ओका चार चार सिपाहियन क
कतार क पहरा लगाइ दीन्ह गवा। मतलब इ रहा कि ओह
प मुकदमा चलावइ बरे फसह क त्यौहार पाछे ओका
मनइयन क समन्वा बाहेर लइ आवा जाइ। 5तउ पतरस क
जेल मँ रोक दीन्ह गवा। ओहर कलीसिया हिरदय स ओकरे
बरे परमेस्सर स पराथना करत रही।

जेल स पतरस क छूटब

6जब हरोदेस मुकदमा चलावइ बरे ओका बाहेर लोगन क
सामने लइ आवइ क रहा, उ रात पतरस दुइ सिपाहियन क
बीच सोवा रहा। उ दुइ जंजीरे स बँधा रहा अउर दुआर प
पहरुआ जेल क रखवारी करत रहेन। 7एकाएक पर्भू क
सरगदूत हुँवा आइके खड़ा भवा, जेल क खोली रोसनी स
जगमगाइ उठी। उ पतरस क बगली थपथपाएस अउर ओका
जगावत भवा कहेस, "हाली, खड़ा ह्वा!" जंजीर ओकरे हाथ
मँ खुलके गिरि गइ। 8तबहिं सरगदूत ओका कहेस, "तइयार
ह्वा अउर आपन चप्पल पहिरा।" तउ पतरस वइसा ही

किहेस। सरगदूत ओका फिन कहेस, “आपन चोगा पहिरा
अउर मोरे पाछे चला आवा।”
9फिन ओकरे पाछे-पाछे पतरस बाहेर निकरि आवा। उ
समुझ नाहीं पाएस कि सरगदूत जउन कछू करत रहा, उ
फुरइ रहा। उ बिचारेस कि उ कउनो दर्सन लखत अहइ।
10पहिले अउर दूसर पहरे क छोड़िके आगे बढ़त भवा उ पचे
लोहा क उ फाटक प आइ गएन जउन सहर कइँति जात
रहा। उ फाटक ओनकइ बरे खुद ही खुलि गवा। अउर उ
पचे बाहेर निकरि गएन। उ पचे अबहिं गली क पार किहेन
कि उ सरगदूत एकाएक ओका छोड़ि गवा। 11फिन पतरस
क जइसे होस आवा, उ बोला, “अब मोरी समझ मँ आवा ह
कि असल मँ फुरइ अहइ कि पर्भू आपन सरगदूत क पठइके
हेरोदेस क पंजा स मोका छुटकारा दियाएस ह। यहूदी लोग
मोह प जउन कछू बुरा होइ क सोचत रहेन, ओहसे उहइ
मोका बचाएस ह।”
12जब उ इ समझ गवा तउ उ यूहन्ना क महतारी मरियम
क घर चला गवा। (यूहन्ना जउन मरकुस भी कहवावत ह।)
हुँवा ढेर मिला बटुरा रहेन अउर पराथना करत रहेन। 13पतरस
दुआरे क बाहेर स खटखटाएस। ओका लखइ रुदे नाउँ क
एक दासी हुँवा आइ। 14पतरस क अवाज क पहिचान के
खुसी क मारे ओकरे बरे फाटक बगैर खोले भए उ उलटिके
भीतर दउड़ आइ अउर उ बताएस कि पतरस दुआरे प खड़ा
अहइ। 15उ पचे ओसे बोलेन, “तू पागल होइ गइ अहा।”
मुला उ जोर दइके कहतइ रही कि इ अइसा ही अहइ। एँह
पँइ उ पचे कहेन, “उ ओकर सरगदूत होइ।”
16ओहर पतरस दुआर खटखटावत ही रहा। फिन उ पचे
जब दुआर खोलेन तउ उ पचे अचरज मँ पड़ि गएन।
17ओनकइ हाथे स चुप रहइ क इसारा करत भए उ खोलिके
बताएस कि पर्भू ओका जेलि स कइसे बाहेर निकारेस ह। उ
कहेस, “याकूब अउर दूसर भइयन क इ बारे मँ बताइ दिहा।”
अउर तब उ ठहर क तजिके कउनो दूसर स्थान प चला
गवा।
18जब भोर भवा तउ पहरुअन मँ बड़ी खलबली मचि
गइ। उ पचे अचरज मँ पड़ा सोचत रहेन कि पतरस क संग
का भवा होइ। 19एँकरे पाछे हेरोदेस जब ओकर छानबीन कइ
चुका अउर उ ओका नाहीं मिला तउ उ आपन पहरुअन स
पूछताछ किहेस अउर ओनका मारि डावइ क हुकुम दिहेस।

हेरोदेस क मउत

हेरोदेस फिन यहूदिया स जाइके कैसरिया मँ रहइ लाग।
हुँवा उ कछू समइ बिताएस। 20उ सूर अउर सैदा क मनइयन
स बहोत कोहान रहत रहा। उ पचे एक झुण्ड बनइके ओसे
भेंटइ आइ रहेन। राजा क खुद क सेवक बलास्तुस क मान
मनउवल कइके उ पचे हरोदेस स सांति क पराथना किहेन
काहेकि ओनकइ देस क राजा क देस स खाइक मिलत रहा।
21एक निहचत दिन हेरोदेस आपन राजसी वेस-भूसा पहिरिके
आपन सिंहासन प बइठा अउर मनइयन क बियाख्यान देइ
लाग। 22लोग चिचियाने, “इ तउ कउनो देवता क बानी
अहइ, मनई क नाहीं।” 23काहेकि हेरोदेस परमेस्सर क महिमा
नाहीं दिहेस, यह बरे फउरन पर्भू क एक दूत ओका बीमार
कइ दिहेस। अउर ओहमाँ किरवा परि गएन जउन खाइ
लागेन अउर उ मरि गवा।
24मुला परमेस्सर क बचन क प्रचार होत रहा अउर उ
फइलत जात रहा अउर बिसवासियन की संख्यि बढ़त जात
रही। 25बरनाबस अउर साऊल आपन काम पूरा कइके
मरकुस कहवावइवाला यूहन्ना का भी संग लइके अन्ताकिया
लौटि आएन।

बरनाबास अउर साऊल क चुना जाब

13 अन्ताकिया क कलीसिया मँ कछू नबी अउर बरनाबास,
समौन (नीगर) कहा जाइवाला समौन कुरेनी क
लूकियुस, देस क चउथाई हींसा क राजा हेरोदेस क संग
पालितयोसित मनाहेम अउर साऊल जइसे कछू सिच्छक
रहेन। 2उ पचे जब उपवास करत भए पर्भू क आराधना मँ
लाग रहेन, तबहिं पवित्तर आतिमा कहेस, “बरनाबास अउर
साऊल क जउने काम बरे मइँ बोलाएउँ ह, ओका करइ बरे
मोरे निस्बत, ओनका अलगाइ द्या।”
3तउ जब सिच्छक अउर नबी आपन उपवास अउर
पराथना पूरी कइ चुकेन तउ उ पचे बरनाबास अउर साऊल
प आपन हाथ धरेन अउर ओनका बिदा कइ दिहेन।

बरनाबास अउर साऊल क साइप्रस जात्रा

4पवित्तर आतिमा क जरिए पठए भए उ सबइ सिलूकिया
गएन जहाँ स जहान मँ बइठिके उ पचे साइप्रस पहोंचेन।
5फिन जब उ पचे सलमीस पहोंचेन तउ उ पचे यहूदियन क
आराधनालय मँ परमेस्सर क बचन क प्रचार किहेन यूहन्ना
सहायक क रूप मँ ओनकइ संग रहा।
6उ समूचइ द्वीप क जात्रा करत करत उ पचे पाफुस ताईं
जाइ पहोंचेन। हुवाँ ओनका एक जादूगर मिला, उ झूठा नबी
रहा। उ यहूदी क नाउँ रहा बार-ईसू। 7उ एक बहोत
बुद्धिमान पुरुस राज्यपाल सिरगियुस पौलुस क दोस्त रहा
जउन फिन परमेस्सर क बचन सुनइ बरे बरनाबास अउर
साऊल क बोलवाएस। 8मुला इलीमास जादूगर ओनकइ
खिलाफत किहेस (इ बार-ईसू क अनुवाद क नाउँ बा।) उ
नगर-पति क बिसवास डुगावइ क जतन किहेस।
9फिन साऊल जेका पौलुस भी कहा जात रहा, पवित्तर
आतिमा स भरपूर होइके इलीमास प पैनी निगाह डारत भवा
कहेस, 10“सबहिं तरह क छल अउर धूर्तताई स भरा, अरे
सइतान क बेटहना, तू हर नेकी क दुस्मन अहा। का तू पर्भू
क सोझ सच्चे राह क तोड़ब मरोड़ब न तजब्या? 11अब
लखा पर्भू क हाथन तोह प आइ पड़ा बा। तू आँधर होइ
जाब्या अउर कछू समइ बरे सूरज तक भी नाहीं लख
पउब्या।”
तुरंतहि एक धूँध अउर अँधियारा होइ पइ छाइ गवा अउर
एहर-ओहर टोवइ लाग कि कउनो हथवा धइके ओका
चलावइ। 12तउ राज्यपाल, जउन कछू भवा रहा, जब ओका
लखेस तउ उ बिसवास धरेस। उ पर्भू क बाबत उपदेसन स
बहोत होइ गवा।

पौलुस अउर बरनाबास क साइप्रस स जाब

13फिन पौलुस अउर ओकर संगी पाफुस स नाउ क
जरिये पंफूलिया क पिरगा मँ आइ गएन। मुला यूहन्ना
ओनका हुँवइ छोड़िके यरूसलेम लौटि आवा। 14ओहर उ
पचे आपन जात्रा प बढ़त भए पिरगा स पिसिदिया क
नजदीक नगर अन्ताकिया मँ आइ गएन। फिन सबित क
दिना यहूदी आराधनालय मँ जाइके बइठि गएन। 15मूसा क
व्यवस्था क मुताबिक अउर नबियन क पोथी क पाठ कइ
चुके क पाछे यहूदी आराधनालय क अधिकारियन ओनकइ
लगे इ संदेसा कहवाइ पठएन, "भाइयो, मनइयन क उपदेसन
देइ बरे तोहरे लगे कहइ क प्रोत्साहन क कउनो अउर बचन
अहइ जउन ओका सुनावा।"

16ऍह पइ पौलुस खड़ा भवा अउर आपन हाथ हिलावत
भवा बोलइ लाग, "हे इस्राएल क मनइयो अउर परमेस्सर स
डेराइवाले गैर यहूदियो, सुना: 17इ इस्राएल क मनइयन क
परमेस्सर हमरे पूर्वजन क चुने रहा अउर जब हमार लोग
मिस्र मँ ठहरा रहेन, उ ओनका महान बनाए रहा अउर
आपन महान सक्ति स उ ओनका उ धरती स बाहेर निकारि
लइ आवा रहा। 18अउर लगभग चालीस बरिस तलक उ
जंगल मँ ओनकइ मदद करत रहा। 19अउर कनान देस क
सात जातियन क नास कइके उ धरती इस्राएल क मनइयन
क वसीयत क रूप मँ दइ दिहेस। 20इ सब कछू मँ लगभग
साढ़े चार सौ बरिस लगेन।

"ऍकरे पाछे समूएल नबी क समइ तलक उ ओनका
अनेक निआव क न्यायकर्ता दिहेस। 21फिन उ पचे एक
राजा क निवेदन किहेन, तउ परमेस्सर बिन्यामीन क गोत क
एक मनई कीस क बेटवा साऊल क चालीस बरिस बरे
ओनका दइ दिहेस। 22फिन साऊल क हटाइके उ ओनकइ
राजा दाऊद क बनाएस जेकरे बारे मँ उ इ साच्छी दिहेस,
'मइँ यिसै क बेटवा दाऊद क एक अइसे मनई क रूप मँ
मिला ह, जउन मोरे मन क मुताबिक अहइ। जउन कछू मइँ
ओसे करावइ चाहत हउँ, उ उ सब कछू क करी।'

23"इ ही मनई क एक बंसज क आपन प्रण क
मुताबिक इस्राएल मँ उद्धार करइया ईसू क रूप मँ लाइ
चुका अहइ। 24ओकरे आवइ स पहिले यूहन्ना इस्राएल क
सबहिं मनइयन मँ मनफिराव स बपतिस्मा क प्रचार करत
अहइ। 25यूहन्ना जब आपन काम क पूरा करइ क रहा, तउ
उ कहेस रहा, 'तू मोका जउन समुझत ह, मइँ उ नाहीं हउँ।
मुला एक अइसा अहइ जउन मोरे पाछे आवत अहइ। मइँ
जेकर पनही क फीतास खोलइ लायक भी नाहीं अहउँ।'

26"भाइयो, इब्राहीम क सन्तानो अउर सच्चे परमेस्सर क
आराधक गैर यहूदियो, उद्धार क इ सुसमाचार हमरे बरे ही
पठवा ग अहइ। 27यरूसलेम मँ बसइयन अउर ओनकइ
राजा लोगन ईसू क नाहीं पहिचानेन। अउर ओका दोखा
ठहराइ दिहेन। इ तरह उ पचे नबी लोगन क उ बचन क
पूरा किहन जेनकइ सबित क दिन पाठ कीन्ह जात ह।
28अउर जदि अपि ओनका ओकरे मउत क राजा क कउनो
सबूत नाहीं मिला, तउ भी उ पचे पलातुस स ओका मरवाइ
डावइ क माँग किहेन।

29"ओकरे बारे मँ जउन कछू लिखा रहा, जब उ पचे
सब कछू क पूरा कइ चुकेन ओका क्रूस प स खाले
उतारेन अउर एक कब्र मँ धइ दिहन। 30मुला परमेस्सर
ओका मरइ क पाछे फिन जीवित कइ दिहस। 31अउर फिन
जउन लोग गलील स यरूसलेम तलक ओकरे संग गएन,
उ ओनकइ अगवा कइउ दिना ताईं परगट होत रहा। इ
सबइ अब मनइयन बरे ओकर साच्छी अहइँ।

32"हम तोहका उ प्रण क बारे मँ सुसमाचार सुनावत
अही जउन हमरे पूर्वजन क संग कीन्ह गइ रही। 33ईसू क,
मरि जाए क पाछे फिन जीवित कइके, ओनकइ संताने क
बरे परमेस्सर उहइ सपथ क हमरे बरे पूरा किहेस ह। जइसा
कि दूसर भजन संहिता मँ लिखा भी अहइ:

'तु मोर पूत अहा, मइँ तोहका आजु ही जनम दिहेउँ ह।'
भजन संहिता 2:7

34अउर उ ओका मरे भएन मँ जिआइ के उठाएस जेहॅसे
नास होइ स पहिले ओका फिन स लौटब न होइ। उ इ
तरह कहे रहा:

'मइँ तोहका उ सबइ पवित्तर अउर न टरइ क असीस
देब जेनका देइ क बचन मइँ दाऊद क दिहेउँ।'
यसायाह 55:3

35इ तरह एक दूसर भजन मँ उ कहत ह:
'तू आपन पवित्तर जने क नास क अनुभव नाहीं होइ
दिहा।' *भजन संहिता 16:10*

36फिन दाऊद आपन जुग मँ परमेस्सर क प्रयोजन क
मुताबिक आपन सेवा-काम पूरा कइके मर गवा, ओका
ओकरे पूर्वजन क संग दफनाइ दीन्ह गवा अउर ओकर छय
भवा। 37मुला जेका परमेस्सर मरे भएन क बीच क जीवित
कइके उठाएस, ओकर छय नाहीं भवा। 38-39तउ भाइयो, तू
सबन्क जान जाइ चाही कि ईसू क जरिए ही पाप क छमा
क उपदेस तोहका दीन्ह गवा ह। अउर इहइ क जरिए हर
कउनो जउन बिसवासी अहइ, ओन पापन्स छुटकारा पाइ
सकत ह, जेनसे मूसा क व्यवस्था छुटकारा नाहीं दियाइ
सकत रही। 40तउ होसियार रहा, कहूँ नबियन जउन कछू
कहे बाटेन, तू सबन प न घटइ:

41'निन्दा करइया लोगो, लखा, होइके भउचक्का मरि
जाब्या, काहेकि तोहरे जुग मँ एक कारज अइसा करत हउँ,
जेकर चर्चा तलक प तोहका कबहुँ ह बिसवास होई।'"
हबक्कूक 1:5

42पौलुस अउर बरनाबास जब हुवाँ स जात रहेन मनइयन
ओनसे अगले सबित क दिन अइसी ही अउर बातन बतावइ
बरे पराथना किहेन। 43जब सभा खतम भइ तउ बहोत स
यहूदियन अउर बहुत गैर यहूदी भक्तन पौलुस अउर बरनाबास
क पाछा किहेन। पौलुस अउर बरनाबास ओनसे बातचीत

करत भए बिनती किहेन कि उ सबइ परमेस्सर क अनुग्रह मँ बन रहइँ।

44अगले सबित क दिन तउ लगभग समूचा सहर ही पर्भू क बचन सुनइ बरे उमड़ि आवा। 45इ बड़का मनइयन क मजमा क जब यहूदियन लखेन तउ उ पचे बहोत जरि भुनि गएन अउर भद्दा सब्द क बइपरत भए पौलुस जउन कछु कहे रहा, ओकर खिलाफत करइ लागेन। 46मुला पौलुस अउर बरनाबास निडर होइके, "इ जरूरी रहा कि परमेस्सर क बचन पहिले तोका पढ़ावा जात मुला काहेकि तू पचे ओका नकारत अहा अउर तू सबइ आपन खुद क अनन्त जिन्नगी क जोग्ग नाहीं ठहरउत्या, तउ हम पचे अब गैर यहूदी लोग कइँती मुड़ि जात अही। 47काहेकि पर्भू हमका अइसि ही आग्या दिहे अहइ:

'मइँ जोति बनाएउँ तोहका, ओनकइ बरे जउन नाहीं यहूदी, ताकि संसार के सब लोगन का उद्धार करइँ।'"

यसायाह 49:6

48गैर यहूदियन जब इ सुनेन तउ उ पचे बहोत खुस भएन अउर उ पचे पर्भू क बचन क सम्मान किहेन। फिन उ सबइ, जेनका अनन्त जिन्नगी पावइ बरे ठहरावा ग रहा, बिसवास धारण कइ लिहेन।

49इ रतह समूचइ पहँटा मँ पर्भू क बचन क प्रचार होत रहा। 50ओहर यहूदी लोग ऊँच कुले क धार्मिक स्त्रियन अउर सहर क मुड्ढ मनइयन क उसकाएन अउर पौलुस अउर बरनाबास क खिलाफ अत्याचार करब सुरु कइ दिहेन अउर दबाव डाइके ओनका आपन पहँटा स बाहेर निकरिवाइ दिहेन। 51फिन पौलुस अउर बरनाबास ओनकइ खिलाफ आपन गोड़े क धूरि झारिके इकुनियुम क चला गएन। 52मुला अतीक मँ ओनकइ चेलन आनंद अउर पवित्तर आतिमा स भरपूर होत रहेन।

इकुनियुम मँ पौलुस अउर बरनाबास

14 इहइ तरह पौलुस अउर बरनाबास इकुनियुम मँ यहूदी आराधनालय मँ गएन। हुवाँ उ पचे इ तरीका स बियाख्यान दिहेन कि यहूदियन क एक बड़का मनइयन क मजमा बिसवास कइ लिहेस। 2मुला उ यहूदियन जउन नाहीं पातियानेन, गैर यहूदियन क उसकाएन अउर भाई बहनन क खिलाफ दुस्मनी पइदा कइ दिहेन।

3तउ पौलुस अउर बरनाबास हुवाँ बहोत दिनाँ तलक ठहरा रहेन अउर पर्भू क बारे मँ बेडर होइके प्रबचन देत रहेन। ओनकइ हीला स पर्भू अद्भुत कारजन अउर अचरज कारजन करवावत भव आपन द्या क संदेसा क मान करावत रहा। 4ओहर सहर क मनइयन मँ फूट पड़ि गइ। कछू मिला प्रेरितन कइँती अउर कछू मिला यहूदियन कइँती होइ गएन।

5फिन जब गैर यहूदी लोग अउर यहूदी लोग आपन आपन नेता स मिलिके ओनके संग बुरा बेवहार करइ लागेन (गरियाव) अउर ओन प पाथर लोकावइ क बात चली, 6तउ पौलुस अउर बरनाबास क एँकर पता लग गवा अउर पचे लुकाउनिया अउर लुस्त्रा अउर दिरबे जइसे सहरन अउर सासपास क पहँटा मँ परानेन। 7उ पचे हुवाँ भी सुसमाचार क प्रचार करत रहेन।

लुस्त्रा अउर दिरबे मँ पौलुस

8लुस्त्रा मँ एक मनई बइठा भवा रहा। उ आपन गोड़वा स अंपग रहा। उ जन्मत ही लँगड़ा रहा, चल फिन तउ कबहुँ नाहीं पाएस। 9इ मनई पौलुस क बोलत भए सुने रहा। पौलुस ओह पइ निगाह गड़ाएस अउर लखेस कि चंगा होइ क बिसवास ओहमाँ बा। 10तउ पौलुस ऊँची अवाज मँ कहेस, "अपने गोड़वा प सोझ खड़ा ह्वा।" तउ उ ऊपर उछरा अउर चलइ-फिरइ लाग। 11पौलुस जउन कछू किहे रहा, जब भिड़िया ओका लखेस तउ मनइयन लुकाउनिया क भाखा मँ गोहार लगाइके कहइ लागेन, "हमरे बीच मनई क रूप धइके, देवता उतरि आवा अहइँ।" 12उ पचे बरनाबास क "जेअस"* अउर पौलुस क "हिरमेस"* कहइ लागेन। (पौलुस क हिरमेस यह बरे कहा गवा काहेकि उ प्रमुख बोलवइया रहा।) 13सहर क सोझइ बाहेर बना जेअस क यहूदियन क मंदिर क पूजारी सहर क दुआरे साँड़ अउर माल लइके आइ पहोंचा। उ भीड़ क संग पौलुस अउर बरनाबास बरे बलि चढ़ावइ चाहत रहा।

14मुला जब प्रेरितन बरनाबास अउर पौलुस इ सुनेन तउ उ पचे आपन ओढ़ना फाड़ि डाएन अउर उ पचे ऊँची अवाज मँ इ कहत भए भीड़ मँ घुसि गएन, 15"अरे मनइयन, तू पचे इ काहे करत बाट्या? हम पचे भी वइसे मनई अही, जइसे तू पचे अहा। हिआँ हम सबइ तू सबन्क सुसमाचार सुनावइ आइ अही ताकि तू पचे बेकार क बातन स मुँह मोड़िके उ सजीव परमेस्सर कइँती लउटा जउन अकास धरती, समुद्दर अउर एनमाँ स जउन कछू अहइ, ओकर रचना किहेस ह। 16बीत गए काल मँ उ सबहिं जातियन क आपन आपन राहे प चलइ दिहेस। 17मुला तोहका उ खुद आपन साच्छी दिए बगैर नाहीं तजेस। काहेकि उ तोहरे संग भलाई किहेस। उ तू पचन्क अकास स बर्खा दिहेस अउर रितु क मुताबिक फसल दिहेस। उहइ तोहका खइया क देत ह अउर तोहरे मन क आनंद स भरि देत ह।"

18इ बचन क पाछे भी उ पचे भिड़िया क ओनकइ बरे बलि चढ़ावइ स अक्सर नाहीं रोक सकेन।

19फिन अन्ताकिया अउर इकुनियुस स आए भए यहूदी लोग भीड़ क अपने पच्छ मँ कइके पौलुस प पाथर लोकाएन अउर ओका मरा जानिके सहर क बाहेर घेराइ लइ गएन। 20फिन जब ओकर चेलन ओकरे चारिहुँ कइँती बटुरेन, तउ उ उठा अउर सहर मँ चला आवा अउर फिन अगले दिन बरनाबास क संग उ दिरबे बरे चल पड़ा।

जेअस यूनानी बहोत देवता मँ बिसवास करत हीं। जेअस ओनकइ एक बहोत महत्व क देवता रहा।

हिरमेस एक अउर दूसर यूनानी देवता। यूनानियन क बिसवास क मुताबिक हिरमेस दूसर देवता क हरकारा (संदेसा लइ जाइवाला)।

सीरिया क अन्ताकिया क लउटब

21उ सहर मँ उ पचे सुसमाचार क प्रचार कइके बहोत स
चेलन बनएन। उ सबइ लुस्त्रा, इकुनियुम अउर अन्ताकिया
लउटि आएन। 22अउर मनवइयन क आतिमन क स्थिर
कइके बिसवास मँ रहइ बरे ओनका कहि क हिम्मत
बढ़ाएन, "हमका बड़ा घोर दुख झेलिके परमेस्सर क राज्य मँ
घुसइ क अहइ।" 23हर कलीसिया मँ उ पचे ओनका नुयुक्त
किहेन उ पर्भू क सौप दिहेन जेहमाँ उ पचे बिसवास करत
रहेन। 24एकरे पाछे पिसिदिया स होत भए उ पचे पंफूलिया
आइ गएन। 25अउर पिरगा मँ जब सुसमाचार सुनाइ चुकेन
तउ इटली मँ आइ गएन। 26हुवाँ स उ पचे अन्ताकिया क
जहाज स गएन जहाँ जउने काम क अबहिं उ पचे पूरा
किहेन। उ काम बरे उ सबइ परमेस्सर क अनुग्रह प
न्यौछावर होइ गएन।

27अइसे जब उ पचे पहोंचेन तउ उ पचे कलीसिया क
मनइयन क बटोरेन अउर परमेस्सर ओनके द्वारा जउन कछू
किहेस, ओकर वृत्तांत कहिके सुनाएन। अउर उ पचे एलान
किहेन कि परमेस्सर दूसरे देसन क मनइयन बरे बिसवास क
दुआर खोले अहइ। 28फिन चेलन क संग हुवा बहोत दिनाँ
तलक ठहरेन।

यरूसलेम मँ एक सभा

15 फिन कछू लोग यहूदिया स आएन अउर भाई
लोगन क सिच्छा देइ लागेन, "जदि मूसा क
व्यवस्था क मुताबिक तोहार खतना नाहीं भवा अहइ तउ
तोहार उद्धार नाहीं होइ सकत।" 2पौलुस अउर बरनाबास क
बिचार मेल नाहीं खात रहा, तउ ओनमाँ एक बड़ा मत भेद
पइदा होइ गवा। यह बरे पौलुस अउर बरनाबास अउर
ओनके कछू अउर संगी इ समस्या क हल निकारइ बरे
प्रेरितन अउर मुखियन क लगे यरूसलेम पठवइ क ठान
लिहेन।

3उ पचे कलीसियन क जरिए पठवा गाएन अउर फीनीके
अउर सामरिया होत भए अधर्मियन क हिरदय बदलत भए
भाई बहिनियन क समाचार सुनाइके खुस करत रहेन। 4फिन
जब उ पचे यरूसलेम पहोंचेन तउ कलिसिया, प्रेरितन अउर
बुजुर्ग लोगन अगवानी किहेन। अउर उ पचे ओनके संग
परमेस्सर जउन किहे रहा, उ सब कछू ओनका कहिके
सुनाएन। 5एँह पइ फरीसियन क दल क कछू बिसवासि खड़ा
भएन अउर बोलेन, "ओनकइ खतना जरुर कीन्ह जाइ चाही
अउर ओनका हुकुम देइ चाही कि उ पचे मूसा क व्यवस्था
क पालन करइँ।"

6तउ इ सवाल प बिचार करइ बरे प्रेरितन अउर बुजुर्गन
आपुस मँ बटुर गएन। 7एक लम्बी चौड़ी तहत्तुक पाछे
पतरस खड़ा भवा अउर ओनसे बोला, "भाइयो, तू पचे
जानत ह कि बहोत दिना पहिले तोहमाँ स परमेस्सर एक
चुनाव किहे रहा कि मोरे हीला स गैर यहूदियन लोग
सुसमाचार क संदेसा सुनइहीं अउर बिसवास करिहीं। 8अउर
अन्तर्यामी परमेस्सर हमरे ही तरह ओनका भी पवित्तर
आतिमा क बरदान दइके, ओकरे बारे मँ आपन समर्थन
देखाए रहा। 9बिसवास क जरिए ओनकइ हिरदय क पवित्तर
कइके हमरे अउर ओनके बेच उ कउनो भेद-भाव नाहीं
किहेस। 10तउ अब चेलन क गटइया प एक अइसा जुआ
लादिके जेका न हम उठाइ सकित अही अउर न हमार
पूर्वज तू पचे परमेस्सर क गुस्सा करावइ चाहत ह? 11मुला
हमार तउ इ बिसवास अहइ कि पर्भू ईसू क अनुग्रह स
जइसे हमार उद्धार भवा ह, वइसे ही हमका भरोसा अहइ
कि ओनकइ भी बचाव जाई!"

12एँह पइ समूचा दल सन्न मारि गवा अउर बरनाबास
अउर पौलुस क बोलब सुनई लागेन। उ पचे, गैर यहूदियन
क बीच परमेस्सर ओनकइ हीला स दुइ अद्भुत कारजन
परगट किहे रहा, अउर अचरज कारजन किहे रहा, ओकरे
बाबत बतावत रहेन। 13उ पचे जब बोल चुकेन तउ याकूब
कहइ लाग, "भाइयो, मोरउ सुना।

14समौन बताए रहा कि परमेस्सर गैर यहूदियन मँ स कछू
लोगन्क आपन नाउँ बरे चुनिके सबन ते पहिले कइसे पिरेम
परगट किहे रहा। 15नबी लोगन्क बचन भी इ बात क
समर्थन करत हीं। जइसा कि लिखा बाटइ:

16अउर जाबइ मइँ एकरे पाछे, फिन स दाऊद क उ घरे
क खड़ा करब जउन गिर चुका ह। फिन स ओकर खण्डहर
क सँवारब, फिन स पुराने क उद्धार करब।
17काहेकि जउन बचा अहइँ उ सबइ गैर यहूदी सबहिं
जउन अब मोर कहवावत हीं, पर्भू क हेरइँ।

आमोस 9:11-12

18उहइ पर्भू इ बात क कहत ह, जउन जुग-जुग स इ
बातन क परगट करत रहा।'

19"इ तरह मोर इ निर्णय अहइ कि हमका ओन मनइयन
क, जउन गैर यहूदी होत भए परमेस्सर कइँती घूमा अहइँ,
सतावइ नाहीं चाही। 20मुला हमका तउ ओनके लगे
लिखिके पठवइ चाहीं। हमका ओनका इ बातन क बतावइ
चाही:

मूरत क चढ़ावा भवा खइया क जिन खा (एँहसे
खइया क अपवित्तर होत ह।) कउनो तरह क व्यभिचार
जिन करा लहू क कबहुँ जिन चखा। गटइ घोटिके
मारा गवा गोरु क मांस जिन खा।

21ओन पचन्क क इ बात न करइ चाही, काहेकि हर
सहर मँ मनइयन (यहूदी) बाटेन जउन मूसा क व्यवस्था
सिखावत हीं। हर सबित क दिन मूसा क व्यवस्था क
तरीका स पाठ आराधनालय मँ बरिसन स होत आवत ह।"

गैर यहूदी बिसवासियन क नाउँ चिट्ठी

22फिन प्रेरितन अउर बुजुर्गन समूचइ कलीसिया क संग
इ निहचय किहेन कि ओनमाँ स कछू लोगन क चुनिके
पौलुस अउर बरनाबास क संग अन्ताकिया पठवा जाइ। तउ
उ पचे बरसब्बा कहा जाइवाला यहूदा अउर सीलास क चुन
लिहेन। उ सबइ भाइयन मँ यरूसलेम मँ मान्य रहेन। 23उ
पचे ओनकइ हाथे स इ चिट्ठी पठएन:

तोहरे बंधु, बुजुर्ग अउर प्रेरितन कइँती स अन्ताकिया,
सीरिया अउर किलिकिया क गैर यहूदी भाइयन क
नमस्ते पहुँचइ मोरे भाइयन,

24हम पचे जब त इ सुना ह कि हम स कउनो
आदेस पाए बिना ही, हम पचन मँ स कछू मनइयन
जाइके आपन सब्दन स तोहार जिअर दुखी किहेन हे,
अउर तोहरे मन क नाहीं थिरइ दिहेन। 25हम पचे
आपुस मँ एक मत होइके इ निहचय कीन्ह ह हम
सबइ आपन मँ स कछू मनई चुनी अउर आपन पिआरा
बरनाबास अउर पौलुस क संग ओनका तोहरे लगे
पठई। 26इ सबइ उ पचे ही लोग अहइँ जउन हमरे
पर्भू ईसू मसीह क नाउँ बरे आपन प्राण क बाजी
लगाइ दिहे रहे। 27हम पचे यहूदा अउर सीलास क
पठावत अही। उ सबइ तोहका आपन मुँह स इ सब
बातन क बतइहीं। 28पवित्तर आतिमा क अउर हमका
इ नीक जान पड़ा कि तू सबन प इ जरूरी बात क
अलावा क अउर कउनो बात क बोझा न डावा जाइ:

29मूरतिन प चढ़ावा गवा भोजन तोहका नाहीं ग्रहण
करइ चाही। खून, गटइ घोटिके बधा गवा पसु अउर
व्यभिचार स बचा रहा।

जदि तू आपन आप क इ बातन स बचाए रखब्या
तउ तोहार कल्याण होइ।

अच्छा बिदा।

30इ तरह ओनका बिदा कइ दीन्ह गवा अउर उ सबइ
अन्ताकिया पहोंचेन। हुवाँ उ पचे बिसवासियन क धरम सभा
क बोलाएन अउर ओनका उ चिट्ठी दइ दिहेन। 31चिट्ठी
बाँचिके जउन उछाह ओनका मिला ओह पइ उ पचे आनंद
मनाएन। 32यहूदा अउर सीलास, जउन खुद ही दुइनउँ नबी
रहेन, आइयन क समन्वा ओनकइ हिम्मत बँधावत भए अउर
मजबूती देत भए, एक लम्बा प्रबचन दिहेन। 33हुवाँ कछू
समइ बिताए क पाछे, भाई लोग ओनका सांति क साथ
ओनही क लगे लौटि जाइ बरे बिदा किहेन जउन ओनका
पठए रहेन। 34*

35पौलुस अउर बरनाबास अन्ताकिया मँ कछू समइ
बिताएन। बहोत स दूसर मनइयन क संग उ पचे पर्भू क
बचन क उपदेस देत भए मनइयन मँ सुसमाचार क प्रचार
किहेन।

पौलुस अउर बरनाबास क अलग होव

36कछू दिनन क बाद बरनाबास स पौलुस कहेस, "आवा,
जउन जउन नगरन मँ हम पचे पर्भू क बचन क प्रचार
कीन्ह ह, हुवाँ आपन भाई लोगन क लगे बापिस लौटिके
इ लखी कि उ पचे का कछू करत बाटेन।" 37बरनाबास
चाहत रहा कि मरकुस कहवावइवाला यूहन्ना क भी उ पचे
संग लइ चलइँ। 38मुला पौलुस इहइ ठीक समझेस कि उ
पचे ओका आपन संग न लेइँ जउन पंफूलिया मँ ओनकइ
संग छोड़ दिहे रहा अउर (पर्भू क) काम मँ जउन ओनकइ
साथ नाहीं दिहेस। 39एँह पइ उ दुइनउँ मँ घोर खिलाफत
जन्मी। नतीजा इ भवा कि उ पचे आपुस मँ एक दूसर स
अलगाइ गएन। बरनाबास मरकुस क लइके पानी क जहाजे
स साइप्रस गवा। 40पौलुस सीलास क चुनिके हुवाँ स चला
गवा अउर भाइयन ओका पर्भू क छत्रछाया मँ सौंपेन। 41तउ
पौलुस सीरिया अउर किलिकिया क जात्रा करत भवा हुवाँ
क कलीसियन क मजबूत करत रहा।

तीमुथियुस क पौलुस अउर सीलास क संग जाब

16 पौलुस दिरबे अउर लुस्त्रा मँ भी आवा। हुवँइ
तीमुथियुस नाउँ क एक चेला रहा। उ कउनो
बिसवासी यहूदी स्त्री क बेटवा रहा मुला ओकर बाप यूनानी
रहा। 2लुस्त्रा अउर इकुनियुम क सहर क भाइयन क संग
ओकर अच्छा उठब बैठब रहा। 3पौलुस तीमुथियुस क जात्रा
प लइ जावा चाहत रहा। तउ उ ओका आपन संग लइ
लिहेस अउर स्थानन प बसइया यहूदियन क कारण ओकर
खतना किहेस; काहेकि उ पचे सबहिं जानत रहेन कि ओकर
बाप एक यूनानी रहा। 4सहरन स जात्रा करत भवा उ पचे
हुवाँ क मनइयन क ओन नियम क बारे मँ बताएन जेनका
यरूसलेम मँ प्रेरितन अउर बुजुर्गन तय कइ दिहे रहेन। 5इ
तरह हुवाँ क कलीसिया क बिसवास अउर मजबूत होत
गोवा अउर रोज हर ओनकइ गनती बाढ़त गइ।

पौलुस क एसिया स बाहेर बोलावा जाब

6तउ उ पचे फ्रूगिया अउर गलातिया क पहँटा स होइके
निकरेन काहेकि पवित्तर आतिमा ओनका एसिया मँ पवित्तर
बचन क प्रचार क मना कइ दिहे रही। 7फिन उ पचे जब
मूसिया क सरहदे प पहोंचन तउ उ पचे बितूनिया मँ प्रवेस
किहेन। मुला ईसू क आतिमा ओनका हुवाँ भी जाइ नाहीं
दिहेस। 8तउ उ पचे मूसिया होत भए त्रोआस पहोंचेन। 9राति
क समइ पौलुस दिब्य दर्सन मँ निहारेस कि मैसीडोनिया क
मनई ओसे पराथना करत भवा कहत अहइ, "मैसीडोनिया मँ
आवा अउर हमार मदद करा!" 10इ दिब्य दर्सन क लखे क
पाछे तुरंतहि इ नतीजा निकारत भए कि परमेस्सर ओन
मनइयन क बीच सुसमाचार क प्रचार करइ हमका बोलाए
अहइ हम पचे मैसीडोनिया जाइ बरे ठान लीन्ह।

लुदिया क हिरदय बदलाव

11इ तरह हम त्रोआस स जल मार्ग क जरिए जाइ बरे
आपन नाउ खोलि दीन्ह अउर सोझइ समोथ्राके जाइ पहोंचेन।
फिन अगले दिन नियापुलिस चला गएन। 12हुवाँ स हम पचे
एक रोमी उपनिवेस फिलिप्पी पहुँचेन जउ मैसीडोनिया क उ
पहँटा क एक प्रमुख सहर रहा। इ सहर मँ हम कछू दिन
बितावा।

13फिन सबित क दिन इ बिचारत भए कि पराथना करइ
बरे हुवाँ कउनो स्थान होइ हम सहर-दुआरे नदि क तीरे
गए। हम पचे हुवाँ बइठे अउर बटुरी भइ स्त्रियन स
बातचीत करइ लागे। 14हुवँई लुदिया नाउँ क एक स्त्री रही।
उ बैगनी रंग क ओढ़ना क बिक्री करत रही। उ परमेस्सर
क आराधिका रही। उ बड़ा धियान स हमार बातन क सुनत
रही। पर्भू ओकरे हिरदय क दुआर खोल दिहस ताकि, जउन

पद 34 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 34 जोड़ी गइ अहइ: "मुला
सिलास हुवँइ ठहरइ क निस्चय किहस।"

कछू पौलुस कहत रहा, उ ओन बातन प धियान देइ सकइ।
15आपन समूचइ परिवार क संग बपतिस्मा लेए क पाछे उ
हम सबन स इ कहत भए बिनती किहेस, "जदि तू पचे
मोका पर्भू ईसू क सच्चा भगत मानत ह तउ मोरे घरे
आवा।" तउ उ हम पचन क जाइ बरे तइयार किहेस।

पौलुस अउर सीलास क बंदी बनावा जाब

16फिन अइसा भवा कि जब हम पचे पराथना ठउर
कइँति जात रहे, हम पचन क एक दासी मिली जेहमाँ एक
सगुन वतावइ वाली आतिमा क सवारी रहीं। उ मनइयन क
भाग्ग बताइके आपन मालिकन क ढेर धन कमाइके देत
रही। 17उ हमरे पौलुस क पाछे इ चिचियात भइ होइ गइ
"इ पचे परम परमेस्सर क सेवक अहइँ। इ पचे तोहका
मुक्ति क रस्ता क संदेसा सुनावत अहइँ।" 18उ बहोत दिनाँ
तलक अइसा ही करत रहाइ तउ पौलुस परेसान होइ गवा।
उ मुड़िके उ आतिमा स कहेस, "मइँ ईसू मसीह क नाउँ प
तोहका आदेस देत हउँ, 'इ बिटिया मँ स बाहेर निकरि
आवा।'" तउ उ फउरन ओहमाँ स बाहेर निकरि गइ।

19फिन ओकर स्वामी लोगन जब लखेन कि ओनकइ
कमाई क आसा स मन टूटि गवा अहइ तउ उ पचे पौलुस
अउर सिलास क धइ दहबोचेन अउर ओनका घेर्रावत भए
बजार क बीच नगर क अधिकारियन क समन्वा लइ गएन।
20फिन न्यायकर्ता क लगे ओनका लइ जाइके बोलेन, "इ
सबइ यहूदियन अहइँ अउर हमरे सहर मँ गड़बड़ी फइलावत
बाटेन। 21इ पचे अइसी रीति रिवाज क दोहाई देत हीं जेनका
अपनाउब या जेन पइ चलब हम रोमी मनइयन बरे निआव
क मुताबिक नाहीं बा।" 22भीड़ भी खिलाफत मँ मनइयन क
संग होइके हमला करइ आइ। दण्डनायक भी ओनकइ
ओढ़ना फाड़िके उतरवाइ दिहेन अउर आग्या दिहेन कि
ओनकइ कुटुम्मस होइ। 23ओन पइ बहोत मारि पड़ चुकइ
क पाछे उ पचे ओनका जेल मँ डाइ दिहेन अउर जेल क
अधिकारि क आदेस दिहेन कि ओनके बरे कर्रा पहरा
बइठाइ दीन्ह जाइ। 24अइसा आदेस पाइके उ ओनका जेल
क भितरी खोली मँ धाँध दिहेन। उ ओनकइ गोड़वा मँ
कठघरा जड़ दिहेन।

25लगभग आधी राति बीते प पौलुस अउर सीलस
परमेस्सर क भजन गावत भएन पराथना करत रहेन अउर
दूसर कैदी ओनका अनकत रहेन। 26तब्बइ हुवाँ अचानक
एक अइसा खौफनाक भूचाल आवा कि जेल क नींव हल
गइ। अउर फउरन जेल क फटक्का खुल गवा। हर कउनो
क बेड़ी ढ़ीली होइके फिसल गइ। 27जेलि क अधिकारी
जागिके जब लखेस कि जेलि क फटक्का खुलि गवा अहइँ
तउ उ आपन तरवार हींच लिहेस अउर इ सोचत भए कैदी
पराइ गएन बाटेन। उ खुद क मार डावइ वाला रहा तबहिं
28पौलुस ऊँची अवाज मँ चिल्लाइके कहेस, "आपन क
नस्कान जिन पहोंचावा काहेकि हम सब हियँइ अही।"

29एँह पइ जेल क अधिकारी मसाल मँगवाएस अउर
हल्बुली मँ भितरे गवा। अउर डर स काँपत भवा पौलुस
अउर सीलास क समन्वा भहराइ पड़ा। 30फिन उ ओनका
बाहेर लइ जाइके बोला, "साहेब लोगो, उद्धार पावइ बरे
मोका का करइ चाही?"

31उ पचे जवाब दिहेन, "पर्भू ईसू प बिसवास करा। एँहसे
तोहार उद्धार होइ-तोहार अउर तोहरे परिवार क।" 32फिन
ओकरे सारे परिवार क संग उ सबइ ओका पर्भू क बचन
सुनाएन। 33ओकरे पाछे जेल क अधिकारी उहइ रात अउर
उहइ घड़ी ओनका हुवाँ स लइ गवा। उ ओकर घाव धोएस
अउर आपन सारे परिवार क संग बपतिस्मा लिहेस। 34फिन
उ पौलुस अउर सीलास क आपन घर लइ गवा अउर
ओनका खइया क खिलाएस। परमेस्सर मँ बिसवास क
कारण उ आपन समूचइ परिवार क संग आनन्द मनाएस।

35जब भोर भवा तउ हाकिम इ कहइ बरे पिआदा क
हुवाँ पठएन कि ओन पचन क छोड़ दीन्ह जाइ। 36फिन
जेलि क अधिकारी इ बतियाँ पौलुस क बखानेस' "दण्डधिकारी
तू पचन क छोड़ि देइ क कहवाइ पठएन ह। यह बरे अब तू
बाहेर आवा अउर सांति क साथ चला जा।"

37मुला पौलुस ओन सिपाहियन स कहेस, "जद्यपि हम
रोमी नागरिक अही, मुला उ पचे हमका बिना अपराधी होए
बिना सब मनइयन क समन्वा मारेन पीटेन ह अउर जेलि मँ
धाँध दिहेन। अउर अब चुप्पे चुप्पे उ पचे हमका बाहेर पठइ
देत चाहत हीं, निहचय ही अइसी नाहीं होइ। होइ तउ इ
चाही कि उ पचे खुद ही आइके हम पचन क बाहेर
खदेरइँ।"

38सिपाही लोग न्याहाधीस क इ सब्द जाइके सुनाएन।
न्यायाधीस क जब इ पता लाग कि पौलुस अउर सीलास
रोमी आहइँ तउ उ सबइ बहोत ससाइ गएन। 39तउ उ पचे
हुवाँ आएन अउर ओनसे छमा माँगिके ओनका बाहेर लइ
गएन अउर ओनसे सहर क तजि देइ क कहेन। 40पौलुस
अउर सीलास जेल स बाहेर निकरिके लुदिया क घर
पहोंचेन। धर्म बंधुअन स मिलत भए उ पचे ओनकइ हौसला
बढ़ाएन अउर फिन हुवाँ स चलि दिहेन।

पौलुस अउर सीलास थिस्सलुनीके मँ

17 फिर अम्फिपुलिस अउर अपुल्लोनिया क सफर पूरा
कइके उ पचे थिस्सलुनीके पहोंच गएन। हुवाँ
यहूदियन क एक आराधनालय रहा। 2आपन साधारण सुभाव
क अनुसार पौलुस ओनके लगे गवा अउर तीन सबित क
दिन तलक ओनकइ संग सास्तरन प बिचार क लेन-देन
करत रहा। 3अउर सास्तरन स लइके ओनका समझावत
भवा इ सिद्ध करत रहा कि मसीह क यातनाइँ झेलइ क
रहा अउर फिन ओका मरा भवन मँ स जी उठब रहा। उ
कहत, "इ ईसू ही, जेकर मइँ तोहार बीच प्रचार करत हउँ,
मसीह अहइ।" 4ओहमाँ स कछू जउन ओकरे मते स मेल
खाएन, पौलुस अउर सीलास क मत मँ सामिल होइ गएन।
परमेस्सर स डेराइवालन अगिनती यूनानी भी ओहमाँ मिलि
गहन। एहमाँ ढेर खास खास स्त्रियन भी मिलि गएन।

5मुला यहूदी तउ डाह मँ जरत भूँजत रहेन। उ पचे कछू
बाजारु जुण्डन क बटोरेन अउर एक मजमा बनइके सहर मँ
दंगा कराइ दिहेन। उ पचे यासोन क घर मँ धावा बोल
दिहेन। अउर इ जतन करइ लागेन कि कउनो तरह पौलुस

अउर सीलास क मनइयन क समन्वा लइ आवइँ। **6**मुला
जब उ पचे ओनका नाहीं पाइ सकेन तउ यासोन क अउर
कछू दूसर भाइयन क सहर क अधिकारी क समन्वा घेर्राइ
के लइ आएन। उ पचे चिचियानेन, "इ मनइयन जउन सारी
दुनिया मँ उथर पुथर मचाए बाटेन अब उ पचे हियाँ आइ
अहइँ। **7**अउर यासोन सम्मान क संग ओनका आपन घरवा
मँ ठहराए बा। अउर उ पचे सबहिं कैसर क आदेसन क
खिलाप काम करत बाटेन। अउर कहत हीं एक राजा अउर
अहइ जेकर नाउँ अहइ ईसू।" **8**जब भीड़ अउर सहर क
अधिकारी इ सुनेन तउ उ पचे भड़केन। **9**अउर इ तरह उ
पचे यासोन अउर दूसर मनइयन क जमानती मुचलका लइके
छोड़ दिहेन।

पौलुस अउर सीलास बिरीया मँ

10फिन तुरंतहि रातउ रात पौलुस अउर सीलास क बिरीया
पठइ दिहेन। हुवाँ पहुँचिके उ सबइ यहूदी, आराधनालय मँ
गएन। **11**इ पचे थिस्सलुनीके क मनइयन स जिआदा नीक
रहेन। इ मनइयन पूरा चित्त लगाइके बचन क सुनेन अउर
हर दिन सास्तरन क उलटत पलटत भएन जाँच करत रहेन
कि पौलुस जउन बातन क बताएस ह, का उ बातन फुर
अहइँ। **12**एकरे कारण बहोत स यहूदी लोग अउर खास
खास यूनानी स्त्री-पुरुसन भी बिसवास धरेन। **13**मुला जब
थिस्सलुनिके क यहूदियन क इ पता लाग कि पौलुस बिरीया
मँ भी परमेस्सर क बचन क प्रचार करत बाटइ तउ उ पचे
हुवँई आइ धमकेन। अउर हुवाँ भी गल्बा करइ अउर
मनइयन क हुस्कावइ सुरु कइ दिहन। **14**यह बरे तबहिं
भाइयन तुरंत पौलुस क समुद्दर क किनारे जाइ क पठएन।
मुला सीलास अउर तीमुथियुस हुवइँ ठहरा रहेन। **15**पौलुस क
लइ जाइवालन मनइयन ओका एथेंस पहुँचाइ दिहेन अउर
सीलास अउर तीमुथियुस बरे इ हुकुम दइके कि उ पचे
हाली स ओकरे लगे आइ जाइँ, हुवाँ स चल दिहेन।

पौलुस एथेंस मँ

16पौलुस एथेंस मँ तीमुथियुस अउर सीलास क जोहत भए
सहर क मूरत स भरा भवा लखिके मन ही मने मँ
तिलमिलात रहा। **17**यह बरे हर रोज आराधनालय मँ यहूदियन
अउर यूनानी भगतन जउन असली भगवान का पूजत रहेन
स बहस- मुबाहसा करत रहा। हुवाँ बजार- हाट मँ जउन
कउनो होत उ ओहसे भी हर रोज तर्क करत रहत। **18**कछू
इपीकूरी अउर स्तोईकी दर्सन क ग्यानी भी ओसे सास्तार्थ
करइ लागेन।

ओहमाँ स कछू कहेन, "इ अंटसंट बोलवइया कहब क
चाहत ह?" दूसर लोग कहेन, "इ तउ बिदेसी देवतन क
प्रचारक जान पड़त ह।" उ पचे इ यह बरे कहे रहेन कि उ
ईसू क बारे मँ उपदेस देत रहा अउर ओकरे फिन स जी
उठइ क प्रचार करत रहा। **19**उ पचे ओका धइके अरियुपगुस
क सभा मँ आपन संग लइ गएन अउर बोलेन, "का हम
जान सक्ति ह कि तू जउन मनइयन क समन्वा रखत बाट्या,
उ नई सिच्छा का अहइ? **20**तू कछू अजूबी बात हमरे काने
मँ डावत अहा, तउ हम पचे जानइ चाहित ह कि इ बातन
का अरथ का अहइ?"

21हुवाँ रहत भए एथेंस क सबहिं मनइयन अउर परदेसि
सिरिफ बिल्कुल नवा सुनइ या ओनही बातन क चर्चा क
अलावा कउनो भी अउर बातन मँ आपन समइ न लागावत
रहेन।

22तब पौलुस अरियुपगुस क समन्वा खड़ा होइके कहेस,
"हे एथेंस क मनइयन, मइँ लखत हउँ कि तू पचे हर तरह
स धार्मिक अहा। **23**टहरत फिरत तोहार आराधना क चीजन
क लखिके मोका एक अइसी वेदी भी मिली जेह पइ लिखा
रहा, 'अनबूझ परमेस्सर बरे' तउ तू पचे बेजानिके जेकर
आराधना करत बाट्या मइँ तोहका उहइ बचन क सुनावत
हउँ।

24"परमेस्सर, जउन इ जगत क अउर इ जगत भितरे
जउन कछू बा, ओकर रचना किहेस, उहइ धरती अउर
अकास क पर्भू अहइ। उ हथवा स बनावा गवा मंदिर मँ
नाहीं रहत। **25**ओकरे लगे कउनो चीजे क कमी नाहीं बा।
एँहसे मनई क हथवा स ओकर सेवा नाहीं होइ सकत। उहइ
सबन क जिन्नगी, साँस अउर दूसर सब कछू देत रहत ह।

26"एक ही मनई स उ मनई क सबहिं जातिन क बनएस
ताकि उ पसे समूचइ धरती प बसि जाइँ अउर उहइ मनइयन
क समइ निस्चय कइ दिहेस अउर उ ठउर क जहाँ उ पचे
रहइँ, चउहद्दी बाँधि दिहेस। **27**ओकर मतलब इ रहा कि
मनई परमेस्सर क हेरइँ। होइ सकत ह कि उ पचे ओका
ओकरे ताई पहोंचिक पाई सकइँ। एँतना होए प भी हम
सबन मँ कउनो स भी उ दूर नाहीं बा:

28'काहेकि उहइ मँ हम पचे रहित ह, उहइ मँ हमारा
चलब फिरब बा अउर उहइ मँ हमार थिर रहब बा!'
इहइ तरह खुद तोहरे ही कछू लिखवइया भी कहेन ह:
'काहेकि हम पचे ओकर बचवा अही।'

29अउर काहेकि हम परमेस्सर क संतान अही। यह बरे
हमका इ कबहुँ नाहीं सोचइ चाही कि उ देउता सोना या
चाँदी या पाथर क बनी भइ मानुस कल्पना या कारीगरी स
बनी भइ कउनो मूरत जइसी अहइ। **30**अइसे अगियान क
जुग क परमेस्सर धियान नाहीं दिहेस अउर अब हर कतहुँ
क मनई क मनफिराव क आदेस देत बाटइ। **31**उ एक दिन
तय किहेस ह जब उ आपन एक मनई क जरिए जेका उ
मुकईर किहेस ह निआव स दुनिया क निआव करी। मरे
भएन मँ स ओका जिआइके उ हर कउनो क इ बात क
परमान दिहेस ह!"

32जब उ पचे मरे भएन मँ स जी उठइ का बात सुनेन
तउ ओहमाँ स कछू तउ ओकर हँसी हसारत करइ लागेन
मुला कछू कहेन, "हम सबइ इ विसय प फिन कबहुँ तोहार
प्रबचन सुनब।" **33**तब पौलुस ओनका तजिके चल दिहेस।
34कछू मनइयन बिसवास कइ लिहेन अउर ओकरे संग होइ
गएन। एहमाँ अरियुपगुस* क निअम्बर दियुनुसियुस अउर
दमरिस नाउँ क स्त्री अउर ओकरे संगे क अउर मिला भी
रहेन।

अरियुपगी एथेंस क खास खास मनइयन क दल। ये पचे न्यायाधीस
क लाईं होत रहेन।

पौलुस कुरिन्थुस मँ

18 एकरे पाछे पौलुस एथेंस तजिके कुरिन्थुस चला
गवा। 2हुवाँ उ जउ पुन्तुस मा पइदा भवा रहा
अक्विला नाउँ क एक यहूदी स मिला। जउन हाल मँ ही
आपन पत्नी प्रिस्किला क संग इटली स आवा रहा उ पचे
इटली यह बरे तजेन कि क्लौदियुस सबहिं यहूदियन क रोम
स निकरि जाइ क हुकुम दिहे रहा तउ पौलुस ओनसे भेंटइ
आवा। 3अउर काहेकि ओनकइ धन्धा एक ही रहा तउ उ
ओनही क संग ठहरा अउर काम करइ लाग। बइपार स उ
पचे तम्बू बनावइवाला रहेन। 4हर सबित क दिन उ
आराधनालय मँ बाद बिवाद कइके यहूदियन अउर यूनानियन
क समुझावइ बुझावइ क जतन करत।

5जब उ सबइ मैसीडोनिया स सीलास अउर तीमुथियुस
आएन तब पौलुस आपन सारा समइ बचन क प्रचार करइ मँ
लगाए रहा। यहूदियन क इ परमान देइ चाहत रहा कि ईसू
ही मसीह अहइ। 6तउ जब्बहिं उ पचे ओकर खिलाफत
किहेन अउर ओसे फूहर पातर कहेन तउ उ ओनकइ
खिलाफ ओढ़ना झारत भवा ओनसे कहेस, “तोहार रकत
तोहारे मूँड़े प पड़इ। ओकर मोसे कउनो मतलब नाहीं बा।
अबहिं स अगवा मइँ गैर यहूदियन क लगे चला जाबा”

7इ तरह पौलुस हुवाँ स चला गवा अउर तीतुस यूस्तुस
नाउँ क एक मनई क घरे गवा। उ परमेस्सर क आराधक
रहा। ओकर घर आराधनालय स सटा रहा। 8क्रिसपुस, जउन
आराधनालय क प्रधान रहा, आपन समूचइ घराना क संग
सत्य पर्भू मँ बिसवास धारण किहेस। साथ ही बहोत स
कुरिन्थुस जउन पौलुस क प्रबचन सुने रहेन, बिसवास ग्रहण
कइके बपतिस्मा लिहेस।

9एक राति सपना मँ पर्भू पौलुस स कहेस, “डेरा जिन,
बोलत रहा अउर चुप जिन हवा। 10काहेकि मइँ तोहरे संग
हउँ। तउ तोहरे प हमला कइके कउनो भी तोहका नस्कान
नाहीं पहुँचाइ काहेकि इ सहर मँ मोर ढेर मिला बाटइँ।”

11तउ पौलुस, हुवाँ डेढ़ बरिस तलक परमेस्सर क बचन
क ओनकइ बीच मँ सिच्छा देत भवा, ठहरा रहा।

पौलुस गल्लियन क समन्वा लइ आवा जाब

12जब अखाया क राज्यपाल गल्लियो रहा तबहिं यहूदी
लोग एक एक अउरटिके पौलुस प धावा बोलि दिहेन अउर
ओका धइके कचहरी लइ आएन। 13अउर बोलेन, “इ मनई
परमेस्सर क आराधना अइसे तरीका स करइ बरे हुस्कावत
अहइ हउन व्यवस्था क विधान क खिलाफ बा।”

14पौलुस अबहिं आपन मुँहना खोलइ क ही रहा कि
गल्लियन यहूदियन स कहेन, “अरे यहूदियो, जदि इ कछू
कउनो अनिआव या गहिर अपराध क होत तउ तोहार बात
सुनब मोरे बरे निआव क मुताबिक होत 15मुला काहेकि इ
विसय सब्दन, नाउँ अउर तोहार आपन व्यवस्था क सवाल
स जुड़ा अहइ, यह बरे एँका तू सबइ खुद ही सुलझावा।
अइसी बातन क बारे मँ मइँ न्यायाधीस नाहीं बनइ चाहत
हउँ।” 16अउर फिन उ ओनका कचहरी स बाहेर निकाल
दिहिस।

17तउ उ पचे आराधनालय क नेता सोस्थिनेस क धइ
दहबोचेन अउर अदालत क समन्वा ही ओका पीटइ लागेन।
मुला गल्लियन इ बातन प तनिकउ भी धियान नाहीं दिहेन।

अन्ताकिया क पौलुस क वापसी

18बहोत दिनाँ तलक पौलुस हुवाँ ठहरा रहा। फिन भाइयन
स बिदा होइके उ नाउ क मारग स सीरिया क चला गवा।
ओकरे संग प्रिस्किल्ला अउर अक्विला भी रहेन। पौलुस
किंखिया मँ आपन बार कटवाएस काहेकि उ एक ठु मन्नत
माने रहा। 19फिन उ पचे इफिसुस पहोंचेन अउर पौलुस
प्रिस्किल्ला अउर अक्विला क हुवँइ छोर दिहेन। अउर खुद
आराधनालय मँ जाइके यहूदियन क संग बहस करइ लाग।
20जब हुवाँ क मनइयन ओसे कछू दिन अउर रुक जाइके
निवेदन किहेन तउ उ इन्कार कइ दिहेस। 21मुला जात भए
समइ मँ उ कहेस, “अगर परमेस्सर क इच्छा भइ तउ मइँ
तोहरे लगे फिन अउबइ।” फिन उ इफिसुस स नइया स
जात्रा किहेस।

22फिन कैसरिया पहोंचिके उ यरूसलेम गवा अउर हुवाँ
कलीसिया क मनइयन स भेंटेस। फिन उ अन्ताकिया कइँती
चला गवा। 23हुवाँ कछू समइ बिताए क पाछे उ बिदाई
लिहेस अउर गलातिया अउर फ्रूगिया क पहँटा मँ एक ठउर
स दूसर ठउर क जात्रा करत भवा सबहि चेलन क बिसवास
बढ़ावइ लाग।

इफिसुस अउर आखाया मँ अपुल्लोस

24हुवँइ अपुल्लोस नाउँ क यहूदी रहत रहा। उ सिकुन्दरिया
मँ पइदा भवा रहा। उ बिद्वान बोलवइया रहा। उ इफिसुस मँ
आवा। सास्तर क ओका पूरा पूरा ज्ञान रहा। 25ओका पर्भू
क मारग क दीच्छा भी मिली रही। उ हिरदय मँ उमंग
भरिके प्रबचन करत अउर ईसू क बारे मँ बड़ी हुसियारी स
उपदेस देत रहा। तउ भी ओका यूहन्ना क बपतिस्मा क
गियान रहा। 26आराधनालय मँ उ निडर होइके बोलइ लाग।
जब प्रिस्किल्ला अउर अक्विला ओका बोलत सुनेन तउ उ
पचे ओका एक कइँती लइ गएन अउर जिआदा बारीकी स
ओका परमेस्सर क मारग क बियाख्या समझाएन। 27तउ
जब उ अखाया क जाइ चाहेस तउ भाइयन ओकर हिम्मत
बढ़ाएन अउर हुवाँ क चेलन क ओकर सुआगत करइ बरे
लिखिके पठएन। जब उ हुवाँ पहोंचा तउ ओनकइ बरे
बड़कवा सहायक सिद्ध होइ गवा जउन पहमेस्सर क
अनुग्रह स बिसवास ग्रहण किहेन। 28काहेकि सास्तरन स इ
परमान देत भए कि ईसू ही मसीह अहइ, उ यहूदी लोगन
क मजमा मँ जोरदार सब्दन स ललकारत भवा सास्तरन मँ
पछारे रहा।

पौलुस इफिसुस मँ

19 अइसा भवा कि जब अपुल्लोस कुरिन्थुस मँ रहा
तबहि पौलुस भीतर क पहँटा स जात्रा करत भवा
इफिसुस मँ आइ पहोंचा। हुवाँ ओका कछू चेलन मिलेन।
2अउर उ ओनसे कहेस, “का जब तू पचे बिसवास धारण
किहे रहा तब पवित्तर आतिमा क ग्रहण किहे रहा?”

उ सबइ जवाब दिहेन, “हम पचे तउ सुना तलक नाहीं कि कउनो पवित्तर आतिमा बाटइ भी!” **3**तउ उ कहेस, “तउ तू पचे कइसा बपतिस्मा लिहे अहा!” उ सबइ कहेन, “यूहन्ना क बपतिस्मा।”

4फिन पौलुस कहेस, “यूहन्ना क बपतिस्मा तउ मनफिरावइ क बपतिस्मा रहा। उ मनइयन स कहे रहा कि जउन मोरे पाछे आवत अहइ, ओह पइ अरथ अहइ ईसू प बिसवास धरा।”

5इ सुनिके उ हचे पर्भू ईसू क नाउँ क बपतिस्मा लइ लिहेन। **6**फिन जब पौलुस ओन प हाथ धरेस तउ ओन पइ पवित्तर आतिमा उतरि आइ। अउर उ सबइ अलग अलग भाखा बोलइ अउर भविस्सबाणी करइ लागेन। **7**कुल जोरिके उ पचे कउनो बारह मनई रहेन।

8फिन पौलुस यहूदी आराधनालय मँ चला गवा अउर तीन महीना निडर होइके बोलत रहा। उ यहूदी लोगन क साथ बहस करत भवा ओनका परमेस्सर क राज्य क बारे मँ समझावत रहत रहा। **9**मुला ओहमाँ स कछू लोग बहोत जिद्दी रहेन। उ पचे बिसवास ग्रहण करइ स इन्कार कइ दिहेन अउर मनइयन क समन्वा भला बुरा कहत रहेन। तउ उ आपन चेलन क संग लइके ओनका तजिके चला गवा। अउर तरन्नुस क पाठसाला मँ हर रोज बिचार करत रहा। **10**दुइ बरिस तलक अइसा ही होत रहा। एकर नतीजा इ भवा कि सबइ एसिया क बसइया अउर यहूदियन अउर गैर यहूदियन पर्भू क बचन सुनि लिहेन।

स्किबा क बेटवन

11परमेस्सर पौलुस क हथवा चमत्कार करम करावत रहा। **12**हिआँ तलक की ओकर छुआ रूमाल अउर अँगरखा क बेरामियन क लगे लइ जावा जात तउ ओनकइ बेरामी जरटुट होइ जातिन अउर दुस्ट आतिमा ओहमाँ म पराइ जातिन। **13-14**कछू यहूदी लोग, जउन दुस्ट आतिमा क उतारत भए एहर ओहर टहरत डोलत रहेन, जिन मनइयन मँ दुस्ट आतिमन क सवारी होतिन, ओन पइ पर्भू ईसू क नाउँ क बइपरइ क जतन करतेन अउर कहतेन, “मइँ तोहका उ ईसू क नाउँ प जेकर प्रचार पौलुस करत वा, आदेस देत हउँ!” एक स्किबा नाउँ क यहूदी महा याजक क सात ठु बेटवन जब अइसा करत रहेन। **15**तउ दुस्ट आतिमा (एक दाँई) ओनसे कहेस, “मइँ ईसू क पहिचानत हउँ अउर पौलुस क बारे मँ भी जानत हउँ, मुला तू पचे कउन अहा?”

16फिन उ मनई जेह पइ दुस्ट आतिमा सवार रही, ओन प कूदि पड़ी। उ ओन पइ काबू पाइके अउर ओनकर कपरा फाड़ दिहेस। उ ओनका खूबइ पीटेस अउर ओनकइ ओढ़ना फाड़ि डाएस। एहसे उ पचे बेबस्तर होइके अउर चोटाइके परानेन। **17**इफिसुस मँ बसइया लोग सबहिं यहूदियन अउर यूनानी लोगन क इ बाते क पता लग गवा। उ सबइ लोग बहोतइ डेराइ गएन। इ तरह पर्भू ईसू क नाउँ क आदर अउर जिआदा बाढ़त गवा। **18**ओहमाँ स बहोत स जउन बिसवास ग्रहण किहे रहेन, आपन स कीन्ह गवा कुकरम क सबन क समन्वा कबूलत भए हुवाँ आएन। **19**जादूगर अउर टोनहन मँ स बहोतन आपन-आपन पोथी लइके हुवाँ बटोरि दिहेन अउर सब मनइयन क अगवा बारि दिहेन। ओन पोथिन क कीमत 50,000 चाँदी क सिक्का क बराबर कूता गवा। **20**इ तरइ पर्भू क बचन जिआदा असरदार होत भवा दूर दूर ताई फइल गवा।

पौलुस क जात्रा क जोजना

21इ सब घटित होए क पाछे पौलुस आपन मने मँ मैसीडोनिया अउर अखाया होत भवा यरूसलेम जाइ क निहचय किहेस। उ कहेस, “हुवाँ जाए क पाछे मोका रोम भी लखइ चाही।” **22**तउ उ आपन तीमुथियुस अउर इरास्तुस नाउँ क दुइ सहायक लोगन क मैसीडोनिया पठएस अउर एसिया मँ तनिक समइ अउर बिताएस।

इफिसुस मँ उपद्रव

23उ दिनन मँ परमेस्सर के रस्ता का लइके हुवाँ खुब उपद्रप भवा। **24**हुवाँ देमेत्रियुस नाउँ क एक ठु चाँदी क बनवइया सोनार रहा। उ चाँदी क मन्दिर मूरति देवी अरतिमिस* क बनवत रहा। जेहसे कारीगर लोगन क रोजी मिलत रही। **25**उ ओनका इ धंधा मँ लगा भएन दूसर कारीगरन क बटोरेस अउर कहेस, “लखा मनइयो, तू पचे जानत ह कि काम स हमका एक बढ़िया आमदनी होत ह। **26**तू सब लखि सकत ह अउर सुनि सकत ह कि इ पौलुस न सिरिफ इफिसुस मँ मुला करीब करीब एसिया क समूचइ पहँटा मँ मनइयन क अपनी सिच्छा क जरिये बदल दिहे बा। उ कहत बा कि मनई क हथवा क बनावा सच देवता नाहीं अहइँ। **27**एहसे न सिरिफ इ बात क डर अहइ कि हमार बइपार क नामूसी होइ मुला महान देवी अरतिमिस क मँदिर क इज्जत खोइ जाइ क भी डर बाटइ। अउर जउन देवी क आराधना समूचइ एसिया अउर दुनिया स कीन्ह जात बाटइ, ओकर गरिमा छीन लइ जाइ डर अहइ।”

28जब उ पचे इ सुनेन तउ उ पचे बहोत कोहाइ गएन अउर चिचिआइ चिचिआइ क कहइ लागेन, “इफिसियो क देवी अरतिमिस महान बा!”

29ओहार सारे सहर मँ गड़बड़ी फैलि गइ। तउ मनइयन मैसीडोनिया स आएन अउर पौलुस क संग जात्रा करत भएन गयुस अउर अरिस्तरखुस क धइ दहबोचेन अउर रंग साला मँ लइ भागेन। **30**पौलुस मनइयन क समन्वा जाब चाहत रहा मुला चेलन ओका नाहीं जाइ दिहन।

31कछू प्रांत क अधिकारी जउन ओकर मीत रहेन, ओसे कहवाइ पठइएन कि उ हुवाँ रंगसाला मँ आवइ क दुस्साहस जिन करइ। **32**लोगन मँ स कछू चिचियात बा, अउर कउनो कछू, काहेकि समूचइ सभा मँ हल्बुली फइली बाटइ। ओहमाँ मू जिआदा स जिआदा इ नाहीं जानत रहेन कि उ पचे हुवाँ बटुरा काहे बाटेन। **33**यहूदियन सिकन्दर क जेकज नाउँ भीड़ मँ स उ पचे सुझाए रहेन, अगवा ठाड़ कइ रखे रहेन। सिकन्दर आपन हथवा क हिलाइ हिलाइके मनइयन क समन्वा सफाई क बयान देत रहा। **34**मुला जब

अरतिमिस यूनानी देवी जेकर आराधना एसिया माइनर क निवासी करत रहेन।

ओनका इ पता लाग कु उ एक यहूदी अहइ तउ उ सबइ
एक अउटके कछू दुइ घण्टा तलक एक सुर मँ चिचियात
भवा कहत रहेन, "इफिसियन क देवी अरतिमिस महान बा।"
35फिन सहर क बाबू भीड़ क सान्त करत भवा कहेस,
"हे इफिसुस क मनइयो, का दुनिया मँ अइसा कउनो मनई
बा जउन इ नाहीं जानत कि इफिसियन सहर महान देवी
अरतिमिस अउर सरग स गिरी भइ पवित्तर सिला क
रखवारा अहइ? 36काहेकि इ बातन स इन्कार नाहीं होइ
सकता एँह बरे तोहका सान्त रहइ चाही। 37तू पचे इ
मनइयन क धइके हियाँ लाया ह जदि अपि उ सबइ न तउ
कउनो मंदिर क लुटेन ह अउर न ही हमरी देवि क बेज्जत
किहेन ह। 38अगर देमेत्रियुस अउर संगी कारीगरन क
कउनो क खिलाफ कउनो सिकाइत अहइ तउ अदालत
खुली बाटइँ अउर हुवाँ निरनायकन अहइँ। हुवाँ आपुस मँ
एक दूसर प नालिस करइँ। 39मुला जदि तू एहसे कछू
जिआदा जानइ चाहत ह तउ ओकर फैसला नेम स
चलइवाली सभा मँ कीन्ह जाइ। 40जउन कछू अहइ ओकरे
मुताबिक हमका इ बाते क डर हइ कि आज क दंगा क
कारण हम प दोख न लगावा जाइ। इ दंगा बरे हमरे लगे
कउनो भी कारण नाहीं बाटइ जेहसे हम सबइ एँका ठीक
ठहराइ सकी।" 41एँतना कहे क पाछे उ सभा क विसर्जित
कइ दिहस।

पौलुस क मैसीडोनिया अउर यूनान जाब

20 फिन जब हुल्लड क सांत होइ गवा, एकरे पाछे
पौलुस ईसू क चेलन क बोलाएस अउर ओनकइ
हिम्मत बढ़ाइ दिहे क पाछे ओनसे बिदा लिहेस अउर
मैसीडोनिया क चला गवा। 2उ पहँटा स होइके उ जात्रा
किहेस अउर हुवाँ क मनइयन क उछाह क बचन बोलेस।
फिन उ यूनान आइ गवा।
3उ हुवाँ तीन महीना रुका अउर काहेकि यहूदी लोग
ओकरे खिलाफ एक षडयन्त्र रचे रहेन जब उ पानी क
मारग स सीरिया क जाइवाला रहा कि उ निस्चय किहेस
कि उ मैसीडोनिया क लौटि जाइ। 4बिरीया क पुर्रुस क
बेटवा, थिस्सलूनीकिया क बसइया लोग अरिस्तर्खुस अउर
सिकुन्दुस, दिरबे क निवासि गयूस अउर तिमुथियुस अउर
एसिया क पहँटा क तुखिकुस अउर त्रुफिमुस ओकर साथ
रहेन। 5इ पचे पहिले चला गवा रहेन अउर त्रोआस मँ
हमका जोहत रहेन। 6बे खमीर क रोटी क दिनन क पाछे
हम पचे फिलिप्पी स नाउ स चेलन अउर पाँच दिना क
पाछे त्रोआस मँ ओनसे जाइ भेंटेन। हुवाँ हम सात दिना तक
ठहरेन।

त्रोआस क पौलुस क आखिरी जात्रा

7हपता क पहिले दिना जब हम पचे रोटी क तोड़इ बरे
आपुस मँ बटुरेन तउ पौलुस ओनसइ बतियाइ लाग। ओका
भियान ही चला जाइ क रहा तउ उ आधी राति तलक
बातचीत करत रहा। 8सीढ़ी क ऊपर क खोली मँ जहाँ हम
पचे बटुरा रहेन, हुवाँ ढेर क दिया धरा रहेन। 9हुवँइ यूतुखुस
नाउँ क एक नौजवान खिड़की प बइठा रहा। ओका गहिर
नींद चाँपे रही। काहेकि पौलुस ढेर बेला स बोलतइ चला
जात रहा तउ ओका गहिर नींद आइ गइ। एँहसे उ तीसरी
मंजिल स तरखाले भहराइ पड़ा अउर जब ओका उठावा
गवा तउ उ गुजर चुका रहा। 10पौलुस तरखाले उतरा अउर
ओह पइ निहुरा। ओका आपन कोरा मँ लइके उ कहेस,
"जिन घबराअ काहेकि ओकर प्राण उहइ मँ बा।"
11फिन उ ऊपर चला गवा अउर उ रोटी क तोरिके
बाँटेस अउर खाएस। उ ओनकइ ढेर देर तलक, भिन्सारे
ताईं बतियात रहा। फिन उ ओनसे बिदा लिहेस। 12उ जिअत
मनई क उ पचे घरे लइ आएन। एँहसे ओनका बहोत चइन
मिला।

त्रोस स मिलेतुस क जात्रा

13हम जहाजे प पहिले पहोंचेन अउर अस्सुस कइँती चल
दिहेन। हुवाँ पौलुस क हम पचेन क जहाज बइठावइ क
रहा। उ अइसी ही योजना बनए रहा। उ खुन पैदर आवइ
चाहत रहा। 14उ जब अस्सुस मँ हम पचन स भेंटा तउ हम
पचा ओका जहाजे प बइठावा अउर हम सबइ मितुलेने
कइँती चल पड़ेन। 15दूसर दिन हम हुवाँ स चलिके खियुस
क समन्वा जाइ पहोंचेन। अउर दूसर दिन ओह पार सामोस
आइ गएन। फिन ओकरे एक दिन पाछे हम मिलेतुस आइ
पहोंचेन। 16काहेकि पौलुस जहाँ तलक होइ सका पिन्तेकुस्त
क दिन तलक यरुसलेम पहुँच जाइ क हाली करत रहा, तउ
उ ठान लिहेस कि उ इफिसुस मँ बे रुके भए अगवा चला
जाइ जेहँसे ओका एसिया मँ समइ जिआदा न बितावइ पड़इ।

पौलुस क इफिसुस क पूर्वजन स बात-चीत

17उ मिलेतुस स इफिसुस क बुजुर्ग अउर कलीसिया क
संदेसा पठइके आपन लगे बोलाएस। 18ओनकइ आए प
पौलुस ओनसे कहेस, "इ तू सबइ जानत ह कि एसिया
पहुँचइ क बाद पहिले दिन स ही हर समइ मइँ तोहरे संग
कइसे रहत हउँ। 19अउर बड़ा दीन होइके आँसू टपकाइ
टपकाइके यहूदी लोगन्क कुचाल क कारण मोह प कइउ
परीच्छा मँ भी मइँ दीनता पूर्वक पर्भू क सेवा करत रहेउँ।
20तू पचे जानत बाट्या कि मइँ तोहका तोहरे भलाई क
कउनो बाते स बतावइ मँ कबहुँ हिचकिचाएउँ नाहीं। अउर
मैं तोहका ओन बातन क सबहिं मनइयन क बीच अउर घरे
घरे जाइके उपदेस देइ मँ कबहुँ नाहीं झिझक्यों। 21यहूदियन
अउर यूनानियन क मइँ बराबर क भाव स मनफिराव बरे,
परमेस्सर कइँती मोड़इ बरे मँ कहत रहेउँ ह अउर हमार पर्भू
ईसू मँ बिसवास बरे ओनका चिताउनी दिहेउँ ह। 22अउर
अब पवित्तर आतिमा क अधीन मँ मइँ यरूसलेम जात
अहउँ मइँ नाहीं जानत हउँ हुआँ मोरे संग का कछू घटी।
23मइँ तउ सिरिफ एँतना जानत हउँ कि हर सहर मँ पवित्तर
आतिमा इ कहत भइ मोका चउकन्ना करत रहत ही कि
जेल अउर घोर संकट मोका जोहात बाटेन। 24मुला मोरे बरे
प्राण क कउनो कीमत नाहीं बा। मइँ तउ बस उ दौड़ धूप
अउर उ सेवा क पूरा करइ चाहत हउँ जेका मइँ पर्भू ईसू

स ग्रहण करेउँ ह-परमेस्सर क अनुग्रह क सुसमाचार क
साच्छी देब।
25“अउर अब मइँ जानत हउँ कि तोहमाँ स कउनो भी,
जेनकइ मँ मइँ परमेस्सर क राज्य क प्रचार करत घूमेउँ ह,
मोर मुँह अगवा कबहुँ न लखि पाइ। 26यह बरे आजु मइँ
तोहरे समन्वा गोहराइ के कहत हउँ कि तू सबन मँ स
कउनो मँ स कोइ खोवाय जाइ त ओकर दोखी मइँ नाहीं
अहउँ। 27काहेकि मइँ परमेस्सर क पूरी इच्छा क तोहका
बतावइ क मँ मइ कबहुँ हिचकिचाएउँ नाहीं। 28आपन अउर
आपन जात बिरादरी क देख भाल करत रहा। पवित्तर
आतिमा ओहमाँ स तोहका ओन प चउकसी करइ बरे
बनएस ह जेहसे तू परमेस्सर क कलीसिया क धियान राखा
जेहसे उ आपन रकत क बदले बेसहे रहा। 29मइँ जानत हउँ
कि मोरे बिदा होइ जाए क पाछे सिकारी बिगवा तोहरे बीच
अइही अउर उ पचे इ भोला भाला झुंड क न छोरिहीं।
30हिआँ तलक कि तोहरे आपन बीच मँ स ही अइसेन मनई
भी उठि जइहीं, जउन चेलन क पाछे लगाइ लेइ बरे बात
क घुमाइ फिराइ क कइहीं। 31यह बरे होसियार रह्या। याद
राखा कि मइँ तिन बरिस तलक एक एक क दिन रात रोइ
रोइ क चिताउनी देब नाहीं तज्यों रहे।
32“अब मइँ तोहका परमेस्सर अउर ओकर सुसमाचार क
अनुग्रह क हाथे अर्पण करत हउँ। उहइ तोहका बनइ सकत
ह् अउर ओन मनइयन क संग जेनका पवित्तर कीन्ह गवा
अहइ, तोहका बारिस बनइ सकत ह। 33मइँ कबहुँ कउनो
क सोना-चाँदी या ओढ़ना क नाहीं ललचाएउँ ह। 34तू सबइ
ही जानत ह मोर इ हथवन ही मोर अउर मोरे संगिन की
जरूरत क पूरा किहेस ह। 35मइँ आपन हर करम स तोहका
इ देखॉवा ह कि कर्री मेहनत करत भए हमका निर्बल क
मदद कउने तरह करइ चाही अउर हमका पर्भू ईसू क बचन
याद रखइ चाही जेहसे उ खुद कहे रहा, ‘लेइ स देइ मँ
जिआदा सुख बा।’”
36इ कहि चुके क पाछे ओन सबन क संग उ घुटना
क बल निहुरा अउर उ पराथना किहेस। 37हर कउनो
भोंकारा मारिके रोवत रहा। मिलना मिलत भए उ पचे ओका
चूमत रहेन। 38उ जउन इ कहे रहा कि पचे ओकर मुँहना
फिन कबहुँ न लखिहीं, ऍहसे मनई जिआदा दुःखी रहेन।
फिन उ पचे ओकर रच्छा करत भए जहाजे तलक पहोंचाइ
दिहेन।

पौलुस क यरूसलेम जाब

21 फिन ओनसे बिदाइ लइके समुद्दर मँ हम पचे
आपन नइया खेइ दीन्ह अउर सोझ राहे म कास
पहोंच गएन अउर भियान रोदुस। फिन हुवाँ स हम पतरा
चला गएन। 2हुवाँ हम एक ठु जहाज लीन्ह जउन फिनीके
जात रहा। 3जब साइप्रस लखइ क आइ गवा तउ हम पचे
ओका बाई कइँती छोड़िके सीरिया कइँती मुड़ि गएन काहेकि
जहाज क सूर मँ माल उतारइ क रहा तउ हम पचे भी
हुवँई उतरि गएन। 4हुवाँ हम पचन क अनुयायी मिलेन
जेनके संग हम सात दिनाँ ताई ठहरेन। उ पचे आतिमा क
असर स पौलुस क यरूसलेम जाइ स रोक दिहेन। 5फिन
हुवाँ ठहरइ क आपन समइ बिताइके हम पचे बिदा भएन
आपन जात्रा पर निकरि गएन। आपन स्त्रियन अउर बचवन
क संग उ पचे सहर क बाहेर तलक हमरे संग आएन।
फिन हुवाँ समुद्दर क किनारे हम पचे घुटना क बल
निहुरिके पराथना कीन्ह। 6अउर एक दूसर स बिदा होइके
हम पचे जहाजे प चढ़ि गएन। अउर उ पचे आपन-आपन
घरन क लौटि आएन। 7सूर स पानी क रस्ता क जरिए
जात्रा करत भए हम पतुलिमयिस मँ उतरेन। हुवाँ भाई लोगन
क सुआगत सत्कार करत भए हम पचे ओनकइ संग एक
दिन ठहरेन।
8दूसर दिन ओनका छोरिके हम कैसरिया आइ गएन।
अउर सुसमाचार क प्रचारक फिलिप्पुस, जउन चुना भवा
सात सेवकन मँ एक रहा, घर जाइके ओनके संग ठहरेन।
9ओकरे चार ठु कुँवारी बिटिया रहिन जउन भविस्सबाणी
करत रहिन। 10हुवाँ हमरे कछू दिनन ठहरे रहइ क पाछे
यहूदिया स अगबुस नाउँ क एक नबी आवा। 11हमरे निअरे
आवत भवा उ पौलुस क करिहाउँ बाँधिके उठाइके ओसे
अपनइ ही गोड़ अउर हाथ बँधवाइ लिहेस अउर बोला, “इ
अहइ जउन पवित्तर आतिमा कहत बा, ‘यानी यरूसलेम मँ
यहूदियन, जेकर इ कमर बँध अहइ, ओका अइसे ही
बाँधिके गैर यहूदियन क हाथे सौंपि देइहीं।’”
12हम पचे जब इ सुनेन तउ हम हुवाँ क मनइयन ओसे
यरूसलेम न आवइ क पराथना किहेन। 13यह पइ पौलुस
जवाब दिहेस, “इ तरह रोइ रोइके मोर हिरदय तोड़त भए इ
तू पचे का करत बाट्या? मइँ तउ यरूसलेम मँ न सिरिफ
बाँधा जाइ बरे बल्कि पर्भू ईसू मसीह क नाउँ प मरइ तलक
सन्नध अही!”
14काहेकि हम ओका मना नाहीं कइ पाएन। तउ बस
ऍतना कहिके चुप्पी साधि गएन “जइसी पर्भू क इच्छा।”
15इ दिनन क पाछे फिन हम तइयारी कइके यरूसलेम
चला गएन। 16कैसरिया स कछू चेलन भी हमरे संग होइ
गएन। उ पचे हमका साइप्रस क मनासोन नाउँ क एक मनई
क हियाँ लइ गएन जउन ईसू का पहिला चेला रहा। हमका
उहइ क संग ठहरइ क रहा।

पौलुस क याकूब स भेंट

17यरूसलेम पहुँचे प भाई लोगन बड़ा उछाइ स हमार
सुआगत सत्कार किहेन। 18दूसर दिन पौलुस हमरे संग
याकूब स भेंटइ गवा। हुवाँ सबहिं कलीसिया क अगुआ
हाजिर रहेन। 19पौलुस ओनकइ सुआगत सत्कार किहेस
अउर ओन सब कामे क बारे मँ जउन परमेस्सर ओकरे
हीला स गैर यहूदियन क बीच करवाए रहा, एक एक
कइके कहि सुनाएस। 20तउ उ पचे परमेस्सर क स्तुति करत
भए बोलेन, “बंधु तू पचे तउ लखत ही अहा हियाँ केतॅना
ही हजार यहूदी अइसा अहइँ जउन बिसवास ग्रहण लिहे
बाटेन। मुला उ पचे सोचत ही मूसा का व्यवस्था क मानब
बहुत जरूरी अहइ। 21तोहरे बारे मँ ओनसे कहा गवा बाटइ
कि तू पचे गैर यहूदियन क बीच रहइवाला सबहिं यहूदी
लोगन क मूसा क सिच्छा क तजइ क सीख देत बाट्या।
अउर ओनसे कहत ह कि उ पचे न तउ आपन गदेलन क

खतना करावइँ अउर न ही यहूदी रीति रिवाजे प चलइँ।
22तउ का कीन्ह जाइ? उ पचे इ तउ जरुरी ही सुनिहीं कि
तू आवा अहा। 23यह बरे तू उहइ करा जउन तोहसे हम
कहत अही। हमरे संग चार ठु अइसे मनई बाटेन जउन
कउनो मन्नत मानेन ह। 24इ मनइयन क लइ जा अउर
ओनकइ संग सुद्ध होइ क जलसा मँ सामिल होइ जा।
ओनकइ खर्जा दइ द्या उ पचे आपन मूँड़ मुड़वाइ लइ लेइँ।
एँहसे सब लोग जान लेइहीं कि उ पचे तोहरे बारे मँ जउन
सुने अहइँ, ओहमाँ स कउनो सच नाहीं बाटइ मुला तू तउ
खुद ही हमरे व्यवस्था क मुताबिक जिन्नगी देत ह। 25हियाँ
तलक बिसवास ग्रहण करइवाले गैर यहूदियन क सवाल बा,
हम पचे ओनका एक ठु चिट्ठि मँ लिखिके पठएन ह:

'उ पचे मूरतियन प चढ़ावा प्रसाद, रकत क भोजन,
गटई घोंटि के मारे भएन गोरुअन अउर व्यभिचार स
आपने को खुद क दूर राखइँ।'"

पौलुस बन्दी बनवा गवा

26इ तरह पौलुस ओन मनइयन क आपन संगे लिहस
अउर ओन मनइयन क संग आपन खुद क अगले दिन
सुद्ध कइ दिहस। फिन उ मंदिर मँ गवा जहाँ उ गोहराइके
कहेस कि सुद्ध होइके दिन कब पूर होइहीं अउर हम पचन
मँ स हर एक बरे चढ़ावा कब चढ़ाइ जाइ।

27जब उ सात दिना पूर होइवाला रहा, एसिया स आए
कछू यहूदी लोग ओका मंदिर मँ लखेन। उ पचे भीड़ मँ
सबहिं मनइयन क हुस्काइ दिहेन अउर पौलुस क धइ
लिहन। 28फिन उ पचे नरियाइके बोलेन, "इस्राएल क
मनइयो मदद करा। इ उहइ मनई अहइ जउन हर कहूँ हमार
जनता क, मूसा क व्यवस्था क खिलाफ मनइयन क
सिखावत बहकावत बा। अउर अब तउ इ गैर यहूदियन क
मंदिर मँ लइ आवा अहइ। अउर इ इ तरह इ पवित्तर
स्थान क भरभण्ड कइ दिहे अहइ।" 29(उ पचे अइसा यह
बरे कहे रहेन कि त्रुफिमुस नाउँ क एक इफिसी क सहर मँ
उ पचे ओकर संग लखिके अइसा सोचेन कि पौलुस ओका
मँदिर मँ लइ गवा अहइ।)

30तउ सारा सहर खिलाफ उठि खड़ा भवा। मनई भागि
भागिके चढ़ बइठेन अउर पौलुस क धइ लिहेन। फिन उ
पचे ओका घिसीटते भए मंदिर स बाहेर लइ गएन अउर
फउरन फाटक बन्द कइ दिहेन। 31उ पचे ओका मारइ क
जतन करत ही रहेन कि रोमी फऊज क टुकड़ी क नायक
क लगे इ सूचना पहोंची कि समूचइ यरूसलेम मँ खलबली
मची बा। 32उ सेनानायक कछू सिपाहियन अउर फउज क
अधिकारी क आपन संग लिहेस अउर पौलुस प हमला
करइवाले यहूदियन कइँती बढ़ा। यहूदियन जब सेना नायक
अउर सिपाही लोगन क लखेन तउ उ पचे पौलुस क पीटब
बंद किहेन। 33तब उ सेना नायक पौलस क लगे गवा अउर
ओका बंदी बनाइ लिहेस। उ ओका दुइ जंजीरे मँ बाँध लेइ
क आदेस दिहेस। फिन उ पूछेस, "उ कउन अहइ अउर उ
का किहेस ह?" 34भिड़िया मँ स कछू मनइयन एक बात
कहेन तउ दूसर लोग दूसर बात। इ हो-हल्लड़ मँ काहेकि उ
इ नाहीं जान पाएस कु सच्चाई का अहइ, यह बरे उ हुकुम
दिहेस कि ओका छावनी मँ लइ चला जाइ।

35-36पौलुस जब सीढ़िन क लगे पहोंचा तउ भिड़िया मँ
फइली हिंसा स सिपाहियन क ओका आपन सुरच्छा मँ लइ
जाइ पड़ा। काहेकि ओकरे पाछे मनइयन क एक भारी भीड़
इ चिचियात भइ चलत रही, "एँका मारि डावा!"

37जब उ छावनी क भीतर लइ जावा जाइवाला रहा कि
पौलुस सेनानायक स कहेस, "का मइँ तोहसे कछू कहि
सकत हउँ?"

सेनानायक बोला, "का तू यूनानी बोलत अहा? 38तउ तू
उ मिस्र क मनई तउ नाहीं अहा न जउन पहिले दंगा सुरु
कराए रहा अउर जउन हियाँ रेगिस्तान मँ चार हजार
आतंकवादी लोगन क अगुअई करत रहा?"

39पौलुस कहेस, "मइँ किलिकिया क तरसुस सहर क
एक यहूदी मनई हउँ। अउर एक मसहूर सहर क नागरिक
हउँ। मइँ तोहसे चाहत हउँ कि तू मोका इ मनइयन क बीच
बोलाइ द्या।"

40ओसे आग्या पाइके पौलुस सीढ़ी प खड़ा होइके
मनइयन कइँती हाथ हिलावत भवा ओनका सांत होइ क
कहेस। जब सब सांत होइ गवा तउ पौलुस इब्रानी भाखा मँ
मनइयन स कहइ लाग।

पौलुस क भासण

22 पौलुस कहेस, "भाई लोगन अउर बाप क नाई
भले मनइयन, मोका आपन बचाव मँ अब जउन
कछू कहइ क बाटइ, ओका सुना।" 2उ पचे जब ओका
इब्रानी भाखा मँ बोलत भए सुनेन तउ उ पचे जिआदा सांत
होइ गएन। फिन पौलुस बोला, 3"मइँ एक यहूदी मनई हउँ।
सिलिकिया क तरसुस सहर मँ जनम भवा रहा अउर मइँ
इहइ सहर मँ पाला पोसा जाइके बाढ़ गएउँ रहा ह।
गमलिएल* क गोड़वा प बइठिके हमरे पूर्वजन क व्यवस्था
क मुताबिक बड़ी कड़ाई स मोर सिच्छा भइ। परमेस्सर बरे
मइँ जिआदा धुन लगावत रहेंउँ। फुरे वइसे ही जइसे आज तू
पचे अहा। 4इ ईसू के पंथ क मनइयन क मइँ एँतना
सताएँउ ह कि ओनकइ परान तलक उड़ि गएन। मइँ पुरुसन
अउर स्त्रियन क बंदी बनएउँ ह अउर जेलिया मँ धाँध
दिहेउँ। 5खुद महायाजक अउ बुजुर्ग यहूदी नेतन क समूचइ
सभा एँका सिद्ध कइ सकत ह। मइँ दमिस्क मँ एँनकइ
भाइयन क नाउँ चिट्ठी भी लिहेउँ ह अउर इ पंथ क हुवाँ
रहइ वालन क धइके बंदी क रूप मँ यरूसलेम लइ आवइ
बरे मइँ गवा भी रहे रहा ताकि ओनका सजा दीन्ह जाइ
सकइ।

पौलुस क मन कइसे बदल गवा

6"फिन अइसा भवा कि मइँ जब जात्रा करत करत
दमिस्क क लगे पहोंचा तउ लग भग दुपहरिया क समइ
अकास स एकाएक एक जोर क प्रकास चारिहुँ कइँती
फइला। 7मइँ भुइयाँ प भहराइ गवा। तबहिं मइँ एक अवाज

गमलिएल यहूदी लोगन्क एक धरम क खास फरीसी लोगन्क एक ठु खास धरम-गरु। (प्रेरित 5:34)

सुनेउँ जउन मोसे कहत रही, 'साउल' ओ साउल! तू मोका
काहे सतावत अहा?' 8तब मइँ जवाबे मँ कहेउँ, 'पर्भू, तू
कउन अहा?' उ मोसे कहेस, 'मइँ अहइ नासरी ईसू अहउँ
जेका तू सतावत बाट्या।' 9जउन मोरे संग रहेन, उ सबइ भी
उ प्रकास निहारेन मुला उ बाणी क जउन मोका गोहराए
रहा, उ पचे समुझि नाहीं पाएन। 10मइँ पूछेउँ, 'पर्भू, मइँ का
करउँ?' एह पइ पर्भू मोसे कहेस, 'खड़ाहुवा, अउर दमिस्क
क चला जा। हुवाँ तोहका सब कछू बताइ दीन्ह जाइ, जेका
करइ बरे तोहका मुकर्रर कीन्ह गवा बा।' 11काहेकि मइँ उ
जोरदार प्रकास स कछू लखि नाहीं पाएउँ रहा, तउ मोर
संगी मोर हथवा धइके मोका लइ चलेन अउर मइँ दमिस्क
पहोंचि गएउँ।

12“हुवाँ हनन्याह नाउँ क एक मनई रहा। उ व्यवस्था क
पालन करइवाला भगत रहा। हुवाँ क बसइया सबहिं
यहूदियन क संग ओकर मेलजोल रहा। 13उ मोरे लगे आवा
अअउ मोरे नगिचे खड़ा होइके बोला, 'भाई साऊल, फिन
स लखइ लगा!' अउर उहइ छिन मइँ ओका लखइ क
जोग्य होइ गवा। 14उ कहेस, 'हमरे पूर्वजन क परमेस्सर
तोहका चुनि लिहे अहइ कि तू ओकर इच्छा क परखा,
ओकरे धरम क सरूप क लखा अउर ओकर बाणी सुना।
15काहेकि तू जउन लख्या ह अउर जउन सुन्या ह, ओकरे
बरे सबहिं मनइयन क समन्वा तू ओकर साच्छी होब्या।
16यह बरे अब तू केकर बाट जोहत बाट्या, खड़ा होइ जा
बपतिस्मा ग्रहण करा अउर ओकर नाउँ क गोहरावत भए
आपन पाप क धोइ डावा।'

17“फिन अइसा भवा कि जब मइँ यरूसलेम लौटिके
मंदिर मँ पराथना करत रहेउँ तबहिं मोर समाधि लग गइ
18अउर मइँ लखेउँ कि ईसू मोसे कहत अहइ, 'हाली! करा
अउर फउरन यरूसलेम स बाहेर जा काहेकि मोरे बारे मँ उ
पचे तोहार साच्छी न मनिहीं।' 19तउ मइँ कहेउँ, 'पर्भू इ
लोग तउ जानत हीं, कि तोह प बिसवास करइया मनइयन
क बंदी बनवत भए अउर पीटत भए मइँ यहूदी आराधनालय
मँ टहरत फिरा हउँ। 20अउर तउ अउर जब तोहार साच्छी
स्तिफनुस क रकत बहावा जात रहा, तब भी मइँ आपन
समर्थन देत भए हुवँइ खड़ा रहेउ। जउन ओकर कतल किहे
रहेन, मइँ ओनकइ ओढ़ना क रखवाली करत रहेउँ।' 21फिन
उ मोसे बोला, 'तू जा, काहेकि गैर यहूदियन क बीच दूर-दूर
ताई पठउब।'”

22इ बात तलक उ पचे सुनत रहेन फिन ऊँच अवाजे मँ
चिल्लाइ उठेन, “अइसे मनइयन क धरती स अजाद करा। इ
जिअइ क जोग्य नाहीं बा।” 23उ पचे जब चिचियात रहेन
अउर आपन ओढ़ना क उतारि उतारिके लोकावत रहेन अउर
अकासे मँ धूरि उछारत रहेन, 24तबहिं सेनानायक आदेस
दिहेस कि पौलुस क जेले मँ लइ जावा जाइ। उ कहेस कि
कोड़ा स मारि मारिके ओसे बकरवावा जाइ ताकि मनइयन
क पता लागि कि ओह पइ मनइयन क चिचियाइ क कारण
का बाटइ। 25मुला जब उ पचे ओका कोड़ा मारइ बरे बाँधत
रहेन तबहिं हुवा खड़ा भवा फऊजीनायक स पौलु स कहेस,
“कउनो रोमी नागरिक क, जउन अपराधी न पावा गवा होइ,
कोड़ा लगाउब का ओका नीक बा?”

26फऊजीनायक इ सुनिके सेनानायक क निअरे गवा
अउर बोला, “इ आप का करत अहइँ?” काहेकि इ तउ
रोमी नागरिक अहइ!”

27“एँह पइ सेनानायक ओकरे लगे आइके पूछेस, “मोका
बतावा, का तू रोमी नागरिक अहा?”

पौलुस जवाब दिहेस, “हाँ।”

28एँह पइ सेनानायक जवाब दिहेस, “इ नागरिकता पावइ
बरे मोका तउ ढेर का धन खर्च करइ पड़ा रहा।”

पौलुस कहेस, “मुला मइँ तउ जनम स रोमी नागरिक
हउँ।”

29तउ उ पचे जउन ओसे पुछताछ करत रहेन, तुरंत पाछे
हटि गएन अउर सेनापति भी इ समुझिके कि उ एक रोमी
नागरिक अहइ अउर उ ओका बंदी बनाए अहइ, बहोत
डेराइ गवा।

यहूदी नेता क समन्वा पौलुस क भासण

30काहेकि उ सेनानायक इ बात क ठीकठीक पता
लगावइ चाहत रहा कि यहूदियन पौलुस प जुर्म काहे
लगाएन, यह बरे उ दूसर दिन बंधन खोल दिहेस। फिन
मुख्ययाजक अउर सबन त सर्वोच्च यहूदी महासभा क
बोलाइ पठएन अउर पौलुस क ओनकइ समन्वा लाइके खड़ा
कइ दिहेस। पौलुस यहूदी महासभा प टकटकी लगाइके
निहारत।

23 भवा कहेस, “मोर भाइयो, मइँ परमेस्सर क
समन्वा आजु तलक अन्त: मन स जिन्नगी
बिताएउँ ह।” 2एह पँइ महायाजक हनन्याह पौलुस क निअरे
खड़ा भए मनइयन क आदेस दिहेस कि उ पचे ओकरे मुँहे
प थप्पड़ मारइँ। 3तब पौलुस ओसे कहेस, “हे सफेदी स
पोती भइ दीवार! परमेस्सर क मार तोह पइ पड़ी। तू हिआँ
व्यवस्था क मुताबिक कइसा निआब करइ बइठा अहा कि
तू व्यवस्था क खिलाफ मोका थप्पऽड मारइ आदेस देत
अहा।”

4पौलुस क लगे खड़ा भए मनइयन कहेन, “परमेस्सर क
महायाजक क बेज्जत करइ क हिम्मत तोहका भवा कइसे!”

5पौलुस जवाब दिहेस, “मोका तउ पता नाहीं कि इ
महायाजक अहइ। काहेकि लिखा अहइ, 'तोहका आपन प्रजा
क राजा बरे कुभाख बोलइ नाहीं चाहीं।'*”

6फिन जब पौलुस क पता चला कि ओहमाँ स आधा
मनई सदूकी अहइँ अउर आधा फरीसी तउ महासभा क
बीच उँच अवाज मँ कहेस, “भाइ लोगो, मइँ फरीसी हउँ
एक फरीसी क बेटवा हउँ। मरइ क पाछे फिन स जी उठइ
बरे मोरी मान्नता क कारण मोह प मुकदमा चलावा जात
अहइ!”

7ओकरे अइसा कहइ प फरीसियन अउर सदूकियन मँ
एक तहत्तुक उठा अउर सभा क बीच फूटि पड़ गइ।

तोहका ... चाही निर्ग 22:28

8सदूकियन क कहब अहइ कि पुनरुत्थान नाहीं होत न
सरगदूत होत हीं अउर न ही आतिमा। मुला फरीसियन क
ऍनके होइ मँ बिसवास करत हीं। 9हुवाँ बहोत सोरगुल भवा।
फरीसियन क दल मँ स कछू धरम सास्तरी उठेन अउर खरी
बहस करत भए कहइ लोगन, "इ मनई मँ हम पचे कउनो
खोट नाहीं पावत अही। जदि कउनो आतिमा या कउनो
सरगदूत ऍहसे बात किहेन ह तउ ऍहसे का?"

10काहेकि इ तहत्तुक हिंसा क रूप लइ चुका रहा, ऍहसे
उ सेनानायक डेराइ गवा कि कहूँ उ पचे पौलुस क बोटी
बोटी न कइ डावइँ। तउ उ सिपहियन क आदेस दिहेस कि
उ पचे खाले जाइके पौलुस क ओनसे अलगाइके छावनी मँ
लइ जाइँ।

11अगली राति पर्भू पौलुस क नगिचे खड़ा होइके, ओसे
कहेस, "हिम्मत राखा काहेकि तू जइसे मजबूती क संग
यरूसलेम मँ मोर साच्छी दिहा ह, वइसे ही रोम मँ तोहका
मोर साच्छी देइ क अहइ!"

कछु यहूदियन क पौलुस क मारइ क जोजना

12फिन दिन निकरा। यहूदी लोगन एक कुचाल चलेन। उ
पचे किरिया खाएन कि जब तलक उ पचे पौलुस क मार
नाहीं डइहीं, न कछू खइहीं, न पिइहीं। 13ओनमाँ स चालीस
स भी जियादा मनइयन इ कुचाल चलेन 14उ पचे मुख्ययाजकन
अउर बुजुर्गन क लगे गएन अउर बोलेन, "हम पचे किरिया
खावा ह कि हम पचे जब तलक पौलुस क मारि नाहीं
डाइत, तब तलक न हम कछू खाब न पिअब। 15तउ अब
तू अउर यहूदी महासभा, सेनानायक स बिनती करइ चाहत ह
कि उ ओका तोहरे लगे लइ आवइ इ बहाना बनावत भए
कि तू ओकरे बारे मँ अउर बारीकी स छानबीन करइ चाहत
बाट्या। ऍहसे पहिले कि उ हिआँ पहुँचइ, हम पचे ओका
मारि डावइ क तइयार अही।"

16मुला पौलुस क भैने क इ कुचाल क भनक लग
गइ तउ उ छावरी मँ जाइ पहोंचा अउर पौलुस क सब
कछू बताइ दिहस। 17ऍह पइ पौलुस कउनो एक फऊजीनायक
क बोलाइके ओसे कहेस, "इ जवान क सेनानायक क
लगे लइ आवा काहेकि ऍहसे कछू कहइ क अहइ।"
18तउ उ ओका सेनानायक क लगे लइ गवा अउर बोला,
"बंदी पौलुस मोका बोलाएस अउर मोसे उ जवान क तोहरे
लगे पहोंचावइ क कहेस काहेकि इ तोहसे कछू कहइ
चाहत ह।"

19सेनानायक ओकर हथवा धरेस अउर ओका एक
कइँती लइ जाइके पूछेस, "बतावा तू मोसे का चाहत
बाट्या?"

20जवान बोला, "यहूदी इ बात प एक अउट ग अहइँ
कि उ पचे पौलुस स अउर बारीकी स पूछताछ करइ क
बहाना महासभा मँ ओका लइ जाइ बरे तोहसे पराथना
करइँ। 21यह बरे ओनकइ जिन सुन्या। कहेकि चालिस स
भी जियादा लोग घात लगाइके ओका जोहत अहइँ। उ पचे
इ किरिया खाए अहइँ कि जब तलक उ पचे ओका मारि न
डावइँ, ओनका न कछू खाब अहइ, न पिअब। बस अब
तोहरे आदेस क जोहत उ पचे तइयार बइठा अहइँ।"

22फिन सेनानायक जवान क इ आदेस दइके पठएस, "तू
इ कउनो क जिन बतावा कि तू मोका एकर खबर दइ दिहे
अहा।"

पौलुस क कैसरिया पठवा जाब

23फिन सेनानायक आपन दुइ फऊजीनायकन क बोलवाइ
क कहेस, "दुइ सौ सिपाही, सत्तर घुड़सवार दुइ सौ
भालावालन क कैसरिया जाइके तइयार राखा। राति क नउ
बजे चलइ बरे तइयार रहा। 24पौलुस क सवारी बरे घोड़न
क बन्दोबस्त राखा अउर ओका सुरच्छा स राज्यपाल
फेलिक्स क लगे लइ जा।" 25उ एक ठु चिट्ठि लिखेस
जेकर विसय रहा:

26महामहीम राज्यपाल फेलिक्स क क्लौदियुस लूसियास
क नमस्ते पहोंचइ।

27इ मनई क यहूदी लोगन धइ लिहेन अउर उ पचे
ऍकर कतल करइ क रहेन कि मइँ इ जानिके कि इ
एक रोमी नागरिक अहइ, आपन सिपाहियन क संग
जाइके एका बचाइ लिहेउँ। 28मइँ काहेकि उ कारण क
जानइ चाहत रहेउँ जेहँसे उ पचे ओह पइ दोख लगावत
रहेन, ओका ओनकइ महा आराधनालय मँ लइ जावा
गवा। 29मोका पता लाग कि ओनकइ व्यवस्था स जुड़ा
भए सवाल क कारण ओह पइ दोख लगावा ग रहा।
मुला ओह प कउनो अइसा जुर्म नाहीं रहा जउन ओका
मउत क सजा क जोग्ग या बंदी बनावइ जोग्ग साबित
होइ। 30फिन जब मोका इत्तला मिली कि हुवाँ इ मनई
क खिलाफ कउनो षडयन्त्र रचा गवा अहइ तउ मइँ
एका तुरंतहि तोहरे लगे पठइ दीन्ह ह। अउर ऍह प
जुर्म लगावाइ वालन क इ आदेस दइ दीन्ह ग ह कि
एकरे खिलाफ लगावा गवा जुर्म तोहरे अगवा धरइँ।

31तउ सिपाहिन इ आग्या क पूरा किहेन अउर उ पचे
राति मँ ही पौलुस क अन्तिपत्रिस क लगे लइ गएन।
32फिन अगले दिना घुड़-सवारन क ओकरे संग अगवा जाइ
बरे छोड़िके उ पचे छावनी लौटि आएन। 33जब उ पचे
कैसरिया पहुँचेन तउ उ पचे राज्यपाल क उ चिट्ठी देत भए
पौलुस क ओका सौंपि दिहेन। 34राज्यपाल चिट्ठी बाँचेस
अउर पौलुस स पूछेस कि उ कउने पहँटा क रहवइया बा।
जबहिं ओका पता लाग कि उ किलकिया क बसइया अहइ
35तउ उ ओसे कहेस, "तोह पइ जुर्म लगावइ वालन जब
आइ जइहीं, मइँ तबहिं तोर सुनवाइ करब।" उ आग्या दिहेस
कि पौलुस क पहरा क भीतर हेरोदेस क महल मँ रख दीन्ह
जाइ।

यहूदियन क जरिए पौलुस प मुकदमा

24 पाँच दिना पाछे महायाजक हनन्याह कछू बुजुर्ग
यहूदी नेतन अउर तिरतुल्लुस नाउँ क एक वकील
संग लइके कैसरिया आवा। उ पचे राज्यपाल क समन्वा
पौलुस प जुर्म सिद्ध करइ आइ रहेन। 2फेलिक्स क समन्वा

पौलुस क पेसी होए पइ मुकदमा क सुनवाई सुरु करत
भवा।
तिरतुल्लुस बोला, "महासय, तोहरे कारण हम सांति स
रहत अही तोहार दूरंदेस होइ स देस मँ बहोत जिआदा सूधार
भएन ह। 3हे महामहिम फेलिक्स। हम बड़े एहसान क साथ
ऍका हर तरह स हर कहूँ अंगीकार करित ह। 4तोहार अउर
जिआदा समइ न लेत भए, मोर पराथना अहइ कि कृपा
कइके आप थोड़े मँ हमका सुन लेइँ। 5बात इ अहइ कि इ
मनई क हम एक उत्पाती क रूप मँ पाएउँ ह। सारी दुनिया
क यहूदियन मँ इ दंगा भड़काएस ह। इ नासरी लोगन क
पंथ क नेता अहइ। 6-8इ मंदिर क अपवित्तर करइ क
जतन किहेस ह। हम पचे ऍका यह बरे धरा ह। हम यह पइ
जउन आरोप लगावत अही, ओन सबन क आप खुद ऍसे
पूछि पछोरिके जान सकत ह।"* 9इ जुर्म मँ यहूदी भी
सामिल होइ गएन। उ पचे जोर दइके कहत रहेन कि इ सब
तथ्य फुरि अहइँ!"

पौलुस राज्यपाल फेलिक्स क सामन्वा

10फिन राज्यपाल जब पौलुस क बोलइ क इसारा किहेस
तउ उ जवाब देत भवा कहेस, "तू बहोत दिना स इ देस क
न्यायाधीस अहा। इ जानत भए मइँ खुसी क साथ आपन
बचाव रखत अहउँ। 11तू खुद इ जान सकत ह कि अबहिं
आराधना बरे मोका यरूसलेम गए भए बस बारह दिन बीता
बाटेन। 12हुवाँ मंदिर मँ मोका न तउ कउनो क संग बहस
करत भए पावा गवा अहइ अउर न ही आराधनालय या
सहर मँ कतहूँ अउर मनइयन क दंगा बरे भड़कावत भवा
13अउर तोहरे समन्वा जउन जुर्म क इ सबइ मोह प
लगावत अहइ ओनका सिद्ध नाहीं कइ सकत बाटेन।
14मुला मइँ तोहरे समन्वा इ बात क अंगीकार करत हउँ
कि मइँ आपन पूर्वजन क परमेस्सर क आराधना ईसू के पंथ
क मुताबिक करत हउँ, जेका इ पचे एक पंथ कहत हीं।
मइँ हर उ बात मँ बिसवास करत हउँ जेका व्यवस्था
बतावत ह अउर जउन नबी लोगन क किताबे मँ लिखी
बाटइ। 15अउर मइँ परमेस्सर मँ वइसेन ही भरोसा राखत हउँ
जइसे खुद ई लोग धरत हीं कि धर्मी अउर विधर्मी दुइनउँ
क ही फिन उत्थान होइ। 16यह बरे मइँ भी परमेस्सर अउर
मनइयन क समन्वा हमेसा आपन अन्तारात्मा क सुद्ध बनाए
भए बरे जतन करत रहत हउँ।
17"कइउ बरिस तलक यरूसलेम स दूर रहे क पाछे मइँ
आपन रास्ट्र बरे उपहार लइके अपने मंदिर पर भेंट चढावइ
बरे आएउँ ह। 18जब मइँ इ करत ही रहेउँ रहा उ पचे
मोका मंदिर मँ पाएन, तब मँ बिधि क मुताबिक सुद्ध रहेउँ
रहा न तउ हुवाँ भीड़ रही अउर न कउनो असांति। 19एसिया
स आए कछू यहूदी हुवाँ मौजूद रहेन। अगर मोरे खिलाफ
ओनके लगे कछू अहइ तउ उ पचे तोहरे समन्वा हाजिर
होइके मोह प जुर्म लगावइ चाही। 20या इ लोग जउन हियाँ
अहइँ उ सबइ बतावइँ कि जब मइँ यहूदी हमासभा क
समन्वा खड़ा रहा, तब उ पचे मोहे मँ का खोट पाएन
21सिवाय ऍकरे कि जब मइँ ओनकइ बीच मँ खड़ा रहा तब
मइँ ऊँची अवाज मँ कहे रहा, 'मरे भएन मँ स जी जाइ क
बारे मँ आजु तोहरे जरिए मोर निआव कीन्ह जात अहइ।'"
22फिन फेलिक्स, जउन इ ईसू के पंथ क पूरी जानकारी
रखत रहा, मुकदमा क सुनवाई क आगे टारत भवा बोला,
"जब सेनानायक लुसियास आइ, मइँ तबहिं तोहरे इ मुकदमे
प आपन फैसला देब। 23फिन उ फऊजी नायक क आदेस
दिहेस कि तनिक छूट दइके पौलुस क पहरा क भीतर धरा
जाइ अउर ओकरे मीतन क ओकर जरूजत पूरा करइ स न
रोका जाइ।

पौलुस क फेलिक्स अउर ओकर स्त्रियन स बातचीत

24कछू दिना पाछे फेलिक्द आपन पतनी द्रुसिल्ला क संग
हुवाँ आवा। उ एक यहूदी स्त्री रही। फेलिक्स पौलुस क
बोलवावइ पठएस अउर मसीह ईसू मँ बिसवास क बारे मँ
ओसे सुनेस। 25मुला जब पौलुस नेकी, खुद क संयम मँ
राखइ अउर आवइवाला निआव क बारे मँ बोलत रहा तउ
फेलिक्स डेराइ गवा अउर बोला, "इ समइ तू चला जा,
मौका मिले प मइँ तोहका फिन बोलवाउब।" 26अहइ
समइया ओका इ आसा भी रहाई कि पौलुस ओका कछू
धन देइ। यह बरे फेलिक्स पौलुस क बातचीत बरे अक्सर
बोलवावइ बरे पठवत रहा।
27दुइ बरिस अइसे ही बीति जाए क पाछे फेलिक्स क
जगइ पुरखिउस फेस्तुस ग्रहण कइ लिहस। अउर काहेकि,
फेलिक्स यहूदियन क खुस रखइ चाहत रहा, यह बरे उ
पौलुस क जेल मँ ही रहइ दिहेस।

पौलुस कैसर स निआव चाहत ह

25 फेस्तुस जब उ प्रदेस मॅ राज्यपाल होइ गवा अउर
तीन दिना पाछे उ कैसरिया स यरूसलेम क रवाना
होइ गवा। 2हुवाँ मुख्ययाजकन अउर यहूदियन क मुखिया
लोग पौलुस क खिलाफ लगावा गवा जुर्म ओकरे समन्वा
रखेन अउर ओसे पराथना किहेन 3कि उ पौलुस क
यरूसलेम पठवाइके ओनकइ पच्छ लेइ। (उ पचे रस्त मँ ही
ओका मारि डावइ क कुचाल बनाए रहेन।) 4फेस्तुस जवाब
दिहेस कि "पौलुस कैसरिया मँ बंदि अहइ अउर उ जल्दी ही
हुवाँ पहोंचइवाला बाटइ।" उ कहेस, 5"तू आपन कछू
मुखिया लोगन क मोरे संग पठइ द्या अउर जदि उ मनई
अपराध किहे बा तउ उ पचे हुवाँ मोह प जुर्म लगावइ।"
6ओनके संग कछू आठ दस दिन बाताइके फेस्तुस
कैसरिया चला गवा। अगले ही दिन अदालत मँ निआव क
आसन प बैठिके उ आदेस दिहेस कि पौलुस क पेस कीन्ह
जाइ। 7जब उ पेस भवा तउ यरूसलेम स आए भएन
यहहूदी लोग ओका घेरिके खड़ा होइ गएन। उ पचे ओह प
बहुतेरे भारी दोख लगाएन मुला उ पचे ओके सिद्ध नाहीं
कइ सकेन। 8पौलुस खुद आपन बचाव करत भवा कहेस,

पद 6-8 कछू यूनानी प्रतियन पद छ: क आखिरी भाग मँ 7 अउ 8 क सुरु क भाग भी जोड़ा गवा अहइ: "हम आपन व्यवस्था क मुताबिक ऍकर निआव करा चाहित ही। 7 मुला सेनानायक लिसिआस जबरन ओका हमसे झपट लिहेस 8 अउ आपन मनइयन क हुकुम दिहेस कि उ सबइ ऍहँ पर जुर्म लगावइ बरे तोहरे समन्वा लइ आवइँ।"

“मइँ न तउ यहूदियन क व्यवस्था क खिलाफ कउनो करम
किहेउँ ह, न ही मंदिर क खिलाफ अउर न ही कैसर क
खिलाफ।”
9मुला काहेकि फेस्तुस यहूदी लोगन क खुस करइ चाहत
रहा, जवाब मँ उ पौलुस स कहेस, “तउ का तू यरूसलेम
जाइ चाहत ह ताकि मइँ हुवाँ तोह पइ लगावा गवा जुर्म क
निआवा कइ सकउँ?”
10पौलुस कहेस, “इ समइ मइँ कैसर क अदालत क
समन्वा खड़ा हउँ। मोर निआव हिअँइ कीन्ह जाइ चाही। मइँ
यहूदियन क संग कछू बुराई नाहीं किहे अही, एँका तू भी
बहोत अच्छी तरह जानत ह। 11यदि मइँ कउनो अपराधे क
दोखी अहउँ अउर मइँ कछू अइसा स किहे हउँ, जेकर
सजा मउत अहइ, तउ मइँ मरइ स बचब न चाहब, मुला
जउन लोग मोह प जउन जुर्म लगावत अहइँ, ओहमाँ स
कउनो सच नाहीं बा। तउ मोका कउनो भी एँनका नाहीं
सौंपिर सकत। इहइ कैसर स मोर पराथना अहइ।”
12आपन परिसद स राय लिहे क पाछे फेस्तुस ओका
जवाब दिहेस, “तू कैसर स फिन बिचार बरे पराथना किहा
ह, यह बरे तोहका कैसर क समन्वा ही लइ लीन्ह जाइ।”

पौलुस क हेरोदेस अग्रिप्पा क समन्वा पेसी

13कछू दिन पाछे राजा अग्रिपा अउर बिरनीके फेस्तुस क
सुआगत करइ कैसरिया आएन। 14जब उ पचे हुवाँ कई दिन
बिताइ चुकेन तउ फेस्तुस राजा क समन्वा मुकदमा क इ
तरह समझाएस, “हिआँ एक अइसा मनई अहइ जेका
फेलिक्स बंदी क रूप मँ छोड़ गवा रहा। 15जब मइँ
यरूसलेम मँ रहेउँ, मुख्ययाजक अउर बुजुर्ग यहहूदी नेतन
ओकरे खिलाफ मुकदमा दर्ज किहेन अउर माँग किहे रहेन
कि ओका समा दीन्ह जाइ। 16मइँ ओनसे कहे रहेउँ, ‘रोमी
मनइयन मँ अइसी रीति नाहीं कि कउनो मनइ क, जब
तलक वादी प्रतिवादी क आमना समन्वा न कइ दीन्ह जाइ,
अउर ओह प लगावा भएन जुर्म स ओका बचावइ क
मौका न दइ दीन्ह जाइ। ओका सजा बरे, सौपा जाइ।’ 17तउ
उ सबइ मनइयन जब मोरे संग हिआँ आएन तउ मइँ बिना
देर लगाए भए अगले दिना निआव क आसन पबइठिके उ
मनई क पेस कीन्ह जाइके हुकुम दिहेस।
18“जब ओह पइ दोख लगावइ वालन बोलइ खड़ा भएन
तउ उ पचे ओह पइ अइसा कउनो दोख नाहीं लगाएन
जइसा कि मइँ सोचत रहेउँ। 19बल्कि ओनकइ आपन धरम
क कछू बातन पर भी अउर ईसू नाउँ क एक मनई प
जउन मर चुका बा, ओनमाँ कछू बिचार मँ अलगौझा रहा।
तउ भी पौलुस क दावा अहइ कि उ जिअत अहइ। 20मइँ
समुझ नाहीं पावत हउँ की इ बिसयन क छानबीन कइसे
कीन्ह जाइ, यह बरे मइँ ओसे पूछेउँ कि का उ आपन इ
जुर्मन क निआव करावइ बरे यरूसलेम जाइ क तइयार
अहइ? 21मुला पौलुस जब पराथना किहेस कि ओका सम्राट
क बरे ही हुवाँ रखा जाइ, तउ मइँ हुकुम दिहेउँ, कि मइँ
जब तलक ओका कैसर क लगे न पठइ देउँ, ओका हिअँइ
रखा जाइ।”
22एँह पइ अग्रिप्पा फेस्तुस स कहेस, “इ मनई क
सुनवाई मइँ खुद कहइ चाहत हउँ।”
फेस्तुस कहेस, “तू ओका भियान सुन लिहा।”
23तउ भियान भए प राजा अग्रिप्पा अउर बिरनीके बड़ा
सजधज क साथ आएन अउर उ पचे फऊजीनायकन अउर
सहर क प्रमुख मनइयन क संग सभाभवन मँ घुसा। फेस्तुस
हुकुम दिहेस अउर पौलुस क हुवाँ लइ आवा गया। 24फिन
फेस्तुस बोला, “महाराजा अग्रिप्पा अउर सज्जन लोगो जउन
हिआँ अहा! तू पचे इ मनई क निहारत अहा जेकरे बारे मँ
समूचा यहूदी समाज, यरूसलेम मँ अउर हिआँ, मोसे
चिचिआइ चिचिआइके माँग करत अहइ कि एँका अब
अउर जिन्दा नाहीं रहइ देइ चाही। 25मुला मइँ जाँच लिहेउँ
ह कि इ अइसा कछू नाहीं किहेस ह कि एँका मउत क
सजा दीन्ह जाइ अउर काहेकि इ खुद सम्राट कैसर स फिन
बिचार करइके पराथना किहेस ह कि यह बरे मइँ एँका हुवाँ
पठवइ क निर्णय लिहेउँ ह। 26मुला एँकरे बारे मँ सम्राट
कैसर क लगे लिखिके पठवइ क मोरे लगे कउनो तय
कीन्ह भइ बात नाहीं अहइ। मइँ एँका यह बरे आप सबन
क समन्वा, अउर खास रूप स हे महाराजा अग्रिप्पा, तोहरे
समन्वा लइ आएउँ ह ताकि इ जाँच पड़ताल क पाछे लिखइ
क मोरे लगे कछू होइ। 27कछू भी होइ मोका कउनो बंदी
क ओकर अभियाग पत्र बगैर तइयार किए हुआँ पठउब
संगत नाहीं जान पड़त।”

पौलुस राजा अग्रिप्पा क समन्वा

26 अग्रिप्पा पौलुस स कहेस, “तोहका खुद आपन
कइँती स बोलइ क अनुमति बाटइ।” एँह पइ
पौलुस आपन हाथ उठाएस अउर आपन बचाव मँ बोलब
सुरु किहेस, 2“हे राजा अग्रिप्पा, मइँ आपन क भाग्यवान
समुझत हउँ कि यहूदियन मोह पइ जउन जुर्म लगाए बाटेन,
ओन सब बातन क बचाउ मँ, तोहरे अगवा बोलइ जात
हउँ। 3खास तरह स इ यह बरे सच अहइ कि तोहका सबहिं
यहूदी रीति रिवाज अउर ओनके विवाद क गियान अहइ।
यह बरे मइँ तोहसे पराथना करत हउँ कि धीरझ क साथ
मोर बात सुनी जाइ।
4“सबहिं यहूदी जानत हीं कि सुरु स ही खुद आपन देस
मँ अउर यरूसलेम मँ भी बचपन स ही मइँ कइसा जिन्नगी
जिए अहइ। 5उ पचे मोका बहोत समइ स जानत हीं अउर
जदि उ पचे चाहइँ तउ इ बात क साच्छी दइ सकत हीं मइँ
आपन धरम क एक सबसे जिआदा कट्टर पंथ क मुताबकि
एक फरीसी क रूप मँ जिन्नगी बिताएउँ ह। 6अउर अब इ
मुकदमा क सफाई क हालत मँ खड़ा भए मोका उ बचन
क भरोसा अहइ जउन परमेस्सर हमरे पूर्वजन क दिहे रहा।
7इ उहइ बचन अहइ जेका हमार बारहु जातिन रात दिन मन
लगाइके परमेस्सर क सेवा करत भए, पावइ क भरोसा
रखत हीं हे राजन! इहइ भरोसा क कारण मोह प यहूदियन
क जरिए जुर्म लगावा जात अहइ। 8तू पचन मँ स कउनो
क भी इ बात बिसवास क जोग्ग काहे नाहीं लागत बा कि
परमेस्सर मरे भए क जिआइ देत ह।

9“मइँ भी सोचत रहेउँ नासरी ईसू क नाउँ क खिलाफत
करइ क लिए जउन भी बन पड़इ, उ बहोत कछू करूँ।
10अउर अइसा ही मइँ यरूसलेम मँ किहेउँ भी। मइँ
परमेस्सर क बहोत स भगतन क जेलि मँ धाँध दिहेउँ
काहेकि मुख्ययाजक लोगन स एँकरे बरे मोका हक मिला
रहा। अउर जब ओनका मारा गवा तउ मइँ आपन मत
ओनकइ खिलाफ दिहेउँ। 11आराधनालय मँ स मइँ ओनका
अक्सर सजा देत रहेउँ अउर ईसू क निन्दा करइ बरे ओन
पइ दबाव डावइ क जतन करत रहेउँ। ओनकइ बरे मोर
किरोध एँतना जिआदा रहा कि ओनका सतावइ बरे मइँ बाहेर
क सहर तलक गएउँ।

पौलुस क जरिए ईसू क दर्सन क बारे मँ बताउब

12“अइसी ही एक जात्रा क मौके प जब मइँ मुख्ययाजक
स आग्या पाइके दमिस्क जात रहेउँ, 13तबहिं दुपहरिया क
जब मइँ अबहिं राहे मँ रहेउँ ही कि मइँ हे राजन, सरग स
एक प्रकास उतरत भवा लखेउँ। ओकर तेज सूरज स भी
जिआदा रहा। उ मोरे अउर मोरे संग क मनइयन क चारिहुँ
कइँती चमचमान। 14हम पचे धरती प भहराइ गएन, फिन
मोका एक बानी सुनाइ दिहेस। उ इब्रानी भाखा मँ मोसे
कहत रही, ‘साऊल, अरे ओ साऊल, तू मोपर अत्याचार
करत अहा? इ तू अहा जो मोरे विरुद्ध लड़ कर मोका
सतावत अहा। धार क नोंक प लात मारब तेरे बस क बात
नाहीं अहइ।’ 15फिन मइँ पूछेउँ, ‘हे पर्भू, तू कउन अहा?’
पर्भू जवाब दिहेस, ‘मइँ ईसू हउँ जेका तू यातना देत बाट्या।
16मुला अब तू उठा अउर आपन गोड़े प खड़ा ह्वा। मइँ
तोहरे अगवा यह बरे परगट भएउँ ह कि तोहका एक
सेवक क रूप भर्ती करउँ अउर जउन कछू मइँ तोहका
देखाउब, ओकर तू साच्छी रह्या। 17मइँ जउन यहूदियन
अउर गैर यहूदियन क लगे 18ओकर आँखी खोलइ,
ओनका अँधियारा स प्रकास कइँती लावइ अउर सइतान क
सक्ती स परमेस्सर कइँती मोड़इ बरे, तोहका पठवत हउँ,
ओनसे तोहार रच्छा करत्त रहब। एँहसे उ पचे पापन स छमा
पइहीं अउर ओन मनइयन क बीच ठउर पइहीं जउन मोहे
मँ बिसवास धरइ क कारण पवित्तर भएन ह।’”

पौलुस क कारज

19हे राजन् अग्रिप्पा, यह बरे तबहिं स उ दर्सन क आग्या
क कबहुँ भी न उल्लंघन किए भए 20बल्कि ओकरे
खिलाफ मइँ पहिले ओनका दमिस्क मँ, फिन यरूसलेम मँ
अउर यहूदिया क समुचइ पहँटा मँ उपदेस देत रहा। अउर
गैर यहूदियन क मनफिराव क मुताबिक करम करइ बरे
कहत रहा। 21इहइ कारण जब मइँ हिआँ मंदिर मँ रहा,
यहूदी लोग मोका धइ लिहेन अउर मोर कतल क जतन
किहेन। 22मुला आजु तलक मोका परमेस्सर क मदद मिलत
रही ह अउर यह बरे मइँ हिआँ छोट अउर बड़कवा सबहिं
लोगन क समन्वा साच्छी देइ बरे खड़ा हउँ। मइँ बस ओन
बातन क तजिके अउर कछू नवा नाहीं कहत जउन नबियन
अउर मूसा क मुताबिक होइ क रही 23कि मसीह क यातना
भोगइ क होइ अउर उहइ मरे भएन मँ पहिला जी जाइवाला
होइ अउर उ यहूदियन अउर गैर यहूदियन क जोति क संदेस
देइ।”

पौलुस क जरिए अग्रिप्पा क भरम दूर करइ क जतन

24उ आपन बचाउ मँ जब इ बातन क कहत ही रहाकि
फेस्तुस चिल्लाईके कहेस, “पौलुस तोहार दिमाग खराब होइ
ग अहइ। तोहार जिआदा पढ़ाई तोहका पगलाइ देति अहइ।”
25पौलुस कहेस, “हे परमगुनी फेस्तुस, मइँ पागल नाहीं
अहउँ बल्कि जउन बातन क मइँ कहत रहेउँ ह उ सच
अहइँ अउर संगत भी अहइँ। 26खुद राजा बातन क जानत
बा अउर मइँ अजादी क मन स ओसे कहि सकत हउँ। मोर
निस्चय अहइ कि एनमाँ स कउनो बात ओकरी आँखिन स,
ओझल नाहीं बाटइ। मइँ अइसा यह बरे कहत हउँ कि इ
बात कउनो कोने मँ नाहीं कही गइ। 27हे राजन् अग्रिप्पा,
नबियन जउन लिखे अहइँ का तू ओहमाँ बिसवास रखत ह?
मइँ जानत हउँ कि तोहार बिसवास अहइ!”
28एँह पइ अग्रिप्पा पौलुस स कहेस, “का तू इ सोचत ह
कि एँतनी असानी स तू मोका मसीही बनवइ क मनाइ
लेब्या?”
29पौलुस जवाब दिहेस, “तनिक समइ मँ, चाहे जिआदा
समइ मँ, परमेस्सर स मोर पराथना अहइ कि सिरिफ तू
बल्कि उ पचे भी, जउन आजु मोका सुनत बाटेन, वइसा ही
होइ जाइँ, जइसा मइँ हउँ, सिवाय इ जंजीरन क।”
30फिन राजा खड़ा होइ गवा अउर ओकरे संग ही
राज्यपाल बिरनिके अउर साथ मँ बइठा भए लोग भी
उठिके खड़ा होइ गएन।
31हुवाँ स बाहेर निकरिके उ पचे आपुस मँ बात करत
भए कहइ लागेन, “इ मनई तउ अइसा कछू नाहीं किहे बा,
जेहसे एँका मउत क सजा या जेल मिल सकइ।”
32अग्रिप्पा फेस्तुस स कहेस, “जदि इ कैसर क समन्वा
फिन स बिचार क पराथना न होत, तउ इ मनई क छोड़
जाइ सकत रहा।”

पौलुस क रोम पठउब

27 जब इ तय होइ गवा कि हमका जहाज स इटली
जाइ क अहइ तउ पौलुस अउर कछु दूसर बंदी
मनइयन क सम्राट क फउज क यूलियुस नाउँ क एक
फऊजीनायक क सौंपि दीन्ह गवा। 2अद्रमुत्तियुम स हम पचे
एक जहाजे प सवार भए जउन एसिया क तट क पहँटा स
होइके जाइवाला रहा अउर समुद्दर क जात्रा प निकरेन।
थिस्सलुनीके बसइया एक मैसीडोनि, जेकर नाउँ अरिस्तर्खुस
रहा, भी हमरे संग रहा। 3अगले दिन हम सैदा मँ उतरे।
हुवाँ यूलियुस पौलुस क संग नीक विउहार किहेस अउर
मोका ओकरे मीतन स मिलन बरे क अनुमति दइ दीन्ह गइ
जेहसे उ ओकर देखभाल कर सकइ। 4हुवाँ स हम
समुद्दर-रस्ता स फिन चल पड़ेन। हम पचे साइप्रास क ओटे
ओटे चलत रहे काहेकि हवा हमरे खिलाफ बहत रही।
5फिन हम पचे किलिकिया अउर पंफूलिया क समुद्दर क

पार करत भए लूसिया क मूरा पहोंचेन 6हुवाँ फऊजीनायक
क सिकन्दरिया क इटली जाइवाला एक ठु जहाज मिला।
हम पचे ओह पइ सवार भएन।
7कइउ दिन तलक हम पचे धीमे धीमे आगे बढ़त भए
बड़ी तकलीफे स कनिदुस क समन्वा पहोंचेन मुला काहेकि
हवा आपन राहे प नहीं रहइ देइ चाहत रही, तउ ह सबइ
सलभौने क समन्वा क्रीत क ओट मँ आपन नाउ बढ़ावइ
लागे। 8क्रीत क किनारे-किनारे बड़ी तकलीफ स नाउ क
अगवा अगवा खेवत भए एक अइसे ठउर प पहोंचेन जेकर
नाउ रहा सुरच्छित बंदरगाह। हिआँ स लसया नगर लगे ही
रहा।
9समइ बहोत बीति चुका रहा अउर नाउ क आगे
बढ़ाउब भी संकट स भरा रहा काहेकि तब तलक उपवास
क दिन* बीत चुका रहा। यह बरे पौलुस चिताउनी देत भए
ओनसे कहेस, 10"अरे मनइयो, मोका लगत ह कि हमार इ
सागर जात्रा नास कइ देइ, न सिरिफ माल असबाब अउर
जहाजे बरे बल्कि हमरे परान बरे भी।"
11मुला पौलुस जउन कहे रहा ओका सुनइ क सिवाय उ
फऊजीनायक, जहाज क मालिक अउर कप्तान क बातन प
जिआदा बिसवास करत रहा। 12अउर काहेकि उ बन्दरगाह
सीत रितु बरे चउचक नाहीं रहा, यह बरे जिआदातर मनइयन,
जदि होइ सकइ तउ फीनिक्स पहोंचइ क जतन करने क ही
ठान लिहेन। अउर जाड़ा हुवँइ काटइ क निस्चय किहेन।
फीनिक्स पहोंचाइ क्रीत क अइसा बन्दरगाह अहइ जेकर मुँह
दक्खिन पच्छिम अउर उत्तर पच्छिम दुइनउँ क समन्वा पड़त
ह।

तूफान

13जब तनिक तनिक दक्खिन हवा बहइ लाग तउ उ पचे
सोचेन कि जइसा उ पचे चाहे रहेन, वइसा ही ओनका मिलि
गवा अहइ। तउ उ पचे लंगर उठाइ लिहन अउर क्रीत क
किनारे किनारे जहाज अगवा खेवइ लागेन। 14मुला अबहिं
कउनो जिआदा अहइ नाहीं बीता रहा कि द्वीप क एक
कइँती स एक भयानक आँधी उठी अउर आरपार लपेटत
चली गइ। इ "उत्तर पूरब" क आँधी कही जात रही।
15जहाह तूफान मँ घिरि गवा। उ आँधी क फाड़िके अगवा
नाहीं बढ़ सकत रहा तउ हम पचे ओका यों ही छोड़िके हवा
क रुख चलइ दीन्ह। 16हम क्लोदा नाउँ क एक छोटा स
द्वीप क ओटे मँ बहत भए बड़ी तकलीफे स रच्छा नाउ क
पाइ सकेन। 17फिन जीवन रच्छा-नाउ क उठाए क पाछे
जहाज क रस्सा क लपेटि के बाँध दिन्ह गवा अउर कहीं
सुरतिस क ऊथल पानी मँ धँस न जाइ, इ डर स उ पचे
जहाज क पाल उतारेन अउर जहाज क बहइ दिहेन। 18दूसरे
दिन तूफान क घातक थपेड़ा खात भए उ पचे जहाज स
माल-असबाब लोकावइ लागेन। 19अउर तीसर दिन उ पचे
आपन ही हाथन स जहाजे प धरा औजार फेंक दिहेन।
20फिन बहोत दिना तलक जब न सूरज देखान, न तारा अउर
तूफान आपन घातक थपेड़ा मारत ही रहा तउ हमरे बच
पावइ क आसा पूरी तरह खतम होइ गइ।
21बहोत दिना स कउनो कछू खाएउ नाहीं रहा। तब
पौलुस ओनकइ बीच खड़ा होइके कहेस, "अरे अमइयो,
अगर क्रीत स रवाना न होइके मोर सलाह मान लिहे होत्या
तउ तू पचे इ बिनास अउर हानि स बच जात्या।
22मुला मइँ तोहसे अबहुँ तोहसे हठ करत हउँ कि
आपन हिम्मत बाँधे रहा। काहेकि तू सबन मँ स कउनो क
प्राण नाहीं खोवइ क अहइ। हाँ, बस इ जहाज क नास होइ
जाइ 23काहेकि पछली रात उ परमेस्सर क एक सरगदूत,
जेकर मइँ अहउँ अउर जेकर सेवा करत हउँ, मोरे लगे
आइके खड़ा भवा। 24अउर बोला, 'पौलुस, जिन डेराअ।
मोका निहचय ही कैसर क समन्वा खड़ा होइ क बाटइ
अउर ओन सबन क अउर तोहरे संग जात्रा करत अहइँ,
परमेस्सर तोहका दइ दिहे अहइ।' 25तउ मनइयन, आपन
हिम्मत बनाइ राखा काहेकि परमेस्सर मँ मोर बिसवास अहइ,
यह बरे जइसा मोका बतावा ग अहइ ठीक वइसेन घटी।
26किन्तु हम कउनो टापू क ऊथल पानी मँ जरूर जाइ
धँसब।"
27फिन जब चउदहवीं रात आइ हम अद्रिया क समुद्दर
मँ थपेड़ा खात रहे रहेन तबहिं आधी रातिक लगे जहाज क
चालकन क लाग जइसे कउनो किनारा नगिचे अहइ। 28उ
पचे समुद्दर क गहिराइ नंपेन तउ पाएन कि हुवाँ कउनो
अस्सी हाथ गहिराई रही। तनिक बेर क पाछे उ पचे गहराई
क फिन टोहेन अउर पा पाएन कि अब गहिराई साठ हाथ
रहि गइ रही। 29इ डर स कि उ पचे कतहुँ कउनो चट्टानी
ऊथल किनारा मँ न फँसि जाइँ, उ सबइ जहाज क पिछले
हींसा स चार ठु लंगर बहाएन अउर पराथना करइ लागेन
कि कउनो तहर दिन निकरि आवइ। 30ओहर जहाज क
चलावइ वाला जहाज स पराइ क जतन करत रहेन। उ पचे
इ हीला बनावत भए कि उ पचे जहाज क अगले हींसा स
कछू लंगर बहावइ जात अहइँ, जीवन रच्छा नाउ क समुद्दर
मँ उतारि दिहेन। 31तबहिं फऊजीनायक स पौलुस कहेस,
"जदि इ सबइ जहाज प नाहीं थामेन तउ तू पचे भी नाहीं
बच पउब्या।"
32तउ सिपाहियन रस्सा क काटिके जीवन रच्छा नाउ
तरखाले गिराइ दिहेन।
33भोर होइ स तनिक पहिले पौलुस इ कहत भए सब
मनइयन स तनिक खइया खाइके हठ किहेस, "चौदह दिन
बीति चुका अहइँ अउर तू पचे लगातर फिकिर क कारण
भूखा बाट्या। तू पचे कछू भी नाहीं खाए बाट्या। 34मइँ
तोहसे कछू खाइके यह बरे हठ करत अही कि तोहरे
जिअइ बरे इ जरुरी अहइ। काहेकि तू पचन मँ स कउनो
क मूँड़े क एक बार तलक बाँका नाहीं होइ क बा।"
35एँतना कहि चुके क पाछे उ तनिक रोटी लिहेस अउर
सबन क समन्वा परमेस्सर क धन्यबाद दिहेस। फिर रोटी क
तोरेस अउर खाइ लाग। 36एँहसे ओन सबन क हिम्मत बाढ़ी
अउर उ सबइ भी थोड़ा स खाना क खाएन। 37जहाज प
कुल बटोरिके हम सबइ दुइ सौ छिहत्तर मनई रहेन। 38पूरा

उपवास क दिन हिआँ उपवासे क दिन स मतलब परिसोधन क उपवास क दिन स अहइ। बरिस क आखिर मँ इ यहूदियन क एक खास पवित्तर दिन होत रहा। जाड़ा क इ दिना मँ समुद्दर मँ खौफनाक तूफान क अंदेसा रहत रहा।

खाना खाइ चुकइ क पाछे उ पचे समुद्दर मँ अनाज
बहाइके जहाज क हल्का कइ दिहेन।

जहाज क टूटब

39जबहिं दिन क प्रकास भवा तउ उ पचे धरती क
पहिचान नाहीं पाएन मुला ओनका लाग कि जइसे हुवाँ
कउनो किनारा बाली खाड़ी बाटइ। उ पचे तय किहेन कि
अगर होइ सकइ तउ जहाज क ठहराइ देइँ। 40तउ उ पचे
लंगर काटिके ढील दइ दिहेन अउर ओ सबन क समुद्दर
मँ तरखले भहराइ दिहेन। उहइ समइ उ पचे पतवारे स बाँधा
रस्सा क ढीला कइ दिहेन, फिन जहाज क अगला पतवार
चढ़ाइके किनारे कइँती बढ़इ लागेन। 41अउर ओनकइ जहाज
रेत मँ टकराइ गवा। जहाज क अगला हींसा ओहमाँ
फँसिके जाम होइ गवा। अउर सक्तीवाली लहरन क थपेड़न
स जहाज क पछिला हींसा टूटइ फाटइ लाग।

42तब्बहिं सिपाही लोग कैदियन क मारि डावइ क
कुचाल रचेन ताकि ओहमाँ स कउनो भी तैरके बच न
पावइ। 43मुला फऊजीनायक पौलुस क बचावा चाहत रहा,
यह बरे उ ओनका ओनकइ कुचाल क पूर होइ स रोक
दिहेस। उ हुकुम दिहेस कि जउन भी तैर सकत हीं, उ पचे
पहिले ही किनारे पहोंच जाइँ 44अउर बाकी मनई तख्तम या
जहाजे क दूसर टुकड़न क सहारे चला जाइँ। इ तरह हर
एक सुरच्छा स किनारे आइ पहोंचा।

माल्टा द्वीप प पौलुस

28 इ सब कछू स सुरच्छा क साथ बच निकरे क
पाछे हम सबन क पता लाग कि उ द्वीप क नाउँ
माल्टा रहा। 2हुवाँ क मूल-निवासियन हमरे संग असाधारण
रूप स नीक बियूहार किहेन। काहेकि जाड़ा रहा अउर बरखा
होइ लाग, यह बरे उ पचे आगी बारेन अउर हम सबन क
सुआगत किहेन। 3पौलुस लकड़ी क गठरा बनाएस अउर
जब उ आगी प लकड़ियन क धरत रहा तबहिं गर्मी लागे
स एक बिख स भरा नाग बाहेर निकरा अउर उ ओकरे
हाथ क डस लिहेस। 4हुवाँ क निवासी जब उ जंतु क
ओकरे हाथ स लटकत भवा निहारेन तउ उ पचे आपुस मँ
कहइ लागेन, "सचमुच ही इ मनई हत्तियारा अहइ। जदि
अपि इ सागर स बचिके निकरा अहइ मुला दिब्ब निआव*
ऍका जिअइ देत नाहीं बा।" 5मुला पौलुस उ नाग क आगी
मँ ही पटकेस। पौलुस क कउने तरह क हानि नाहीं भइ।
6मनइयन सोचत रहेन कि उ या तउ सूजि जाइ या फिन
बरबस धरती प भहराइ के मरि जाइ। मुला बहोत देर तलक
जोहे क पाछे अउर लखिके ओका असाधारण रूप स कछू
नाहीं भवा अहइ, उ पचे आपन बिचार बदल दिहेन अउर
बोलेन, "इ तउ कइनो देवता अहइ!"

7उ ठउर क नगिचे ही उ द्वीप क प्रधान मनई पुबलियुस
की खेत रहा। उ आपन घरे लइ जाइके हमार सुआगत-सत्कार
किहेस। बड़ा खुला मन स तीन दिना तलक उ हमार
मेहमानदारी करत रहा। 8पुबलियुस क बाप बिस्तर प ओलरा
रहा। ओका बोखार अउर पेचिस होत रही। पौलुस ओसे
भेंटइ भितरे गवा। फिन पराथना करइ क पाछे उ ओह पार
आपन हाथ धरेस अउर उ नीक होइ गवा। 9इ घटना क
बाद उ द्वीप क बाकी सबहिं बेरमियन हुवाँ आएन अउर उ
पचे नीक होइ गएन। 10कहइ उपहार स हमार मान बढ़ाएन
अउर जब हम हुवाँ स नाउ प आगे चलेन तउ उ पचे सब
जरुरी चीज क लइ आइके हमका दइ दिहेन।

पौलुस क रोम जाब

11तीन महीना पाछे सिकन्दरिया क एक जहाज स हम
चल पड़ेन। इ द्वीप प जहाज जाड़ा भरे क बरे रूका जहाज
क आगे क हींसा मँ जुड़वा भाइयन* क चीन्हा बना रहा।
12फिन हम पचे सरकुसा जाइ पहोंचेन जहाँ हम तीन दिना
तलक ठहरेन। 13हुवाँ स जहाज स हम सबइ रेगियुम पहोंचेन
अउर फिन अगले ही दिन दखिनाई हवा चली। तउ अगले
दिन हम पुतियुली पहोंचेन। 14हुवाँ हमका कछू बंधु मिलेन
अउर उ पचे हमका हुवाँ सात दिना ठहरइ क कहेन अउर
इ तरह हम रोम पहोंचि आएन। 15जब हुवाँ क भाइ लोगन
क हमार सूचना मिली तउ उ पचे अप्पियुस क बजार अउर
तीन सराय'* तलक हम पचन स भेंटइ आएन। पौलुस जब
ओनका लखेस तु परमेस्सर क धन्यबाद दइके आपना ढ़ाढ़स
बढ़ाएस।

पौलुस क रोम आउब

16जब हम सबइ रोम पहोंचेन तउ एक ठु सिपाही क
देखरेख मँ पौलुस क अपने आप अलग रहइ क अनुमति
दीन्ह गइ।

17तीन बरिस पाछे पौलुस यहूदी नेतन क बोलाएस अउर
ओनकइ बटुर जाए प उ ओनसे बोला, "भाइयो, चाहे मइँ
आपन रास्ट्र या आपन पूर्वजन क व्यवस्था क खिलाफ कछू
भी नाहीं किहेउँ ह, तउ भी यरूसलेम मँ मोका बंदी क रूप
मँ रोमी लोगन क हवाले कइ दीन्ह गवा रहा। 18उ पचे
मोर जाँच पड़ताल किहेन अउर मोका छोड़इ चाहेन काहेकि
अइसा कछू मइँ किहेउँ ही नाहीं रहा जउन मउत क सजा
क काबिल होत 19मुला जब यहूदी लोगन एतराज किहेन
तउ मइँ कैसर स फिन बिचार करइ क पराथना करइ क
बेबस होइ गएउँ। यह बरे कि नाहीं कि मइँ आपन ही
लोगन प कउनो दोख लगावइ चाहत रहेउँ। 20इहइ कारण
अहइ जेहसे मइ तोहसे मिलइ अउर बातचीत करइ चाहत
रहेउँ काहेकि इस्राएल क उ भरोसा ही बाटइ जेकरे कारण
मइँ जंजीर मँ बंधा अहउँ।"

21यहूदी नेतन पौलुस स कहेन, "तोहरे बारे मँ यहूदिया स
न तउ कउनो चिट्ठी ही मिली बाटइ, अउर न ही हुवाँ स
आवइवाला कउनो भी भाई तोहार कइनो खबर दिहेन अउर
तोहरे बारे मँ कउनो बुरी बात कहेस। 22मुला तोहार का

निआव मनई सोचत रहेन कि निआव नाउँ क एक देवता होत रहा जउन खोट मनइयन क सजा देत रहा।

जुड़वा भाइयन यूनान क पुराण क देवता यानी केस्टर अउ पौलकस क मूरत।

तीन सराय दुइनउँ रोम क नगिचे क कस्बन क नाउँ अहइँ। पहिला रोम स 27 मील प अउ दूसर 30 मील प रहा।

बिचार अहइँ, इ हम तोहसे सुनइ चाहित ह काहेकि हम जानित ह कि लोग सब कछू पंथ क खिलाफ बोलत रहत हीं।"

23तउ उ पचे ओकरे साथ एक दिन ठहराएन। अउर फिन जहाँ उ ठहरा रहा, बड़ी गनती मँ ओइके उ लोग बटुर गएन। मूसा क व्यवस्था अउर नबी लोगन क किताबन स ईसू क बारे मँ ओनका समझावइ क जतन करत भए उ परमेस्सर क राज्य क बारे मँ आपन साच्छी दिहेस अउर समुझाएस।

24उ जउन कछू कहे रहा, ओहसे कछू मिला तउ बात मान गएन मुला कछू बिसवास नाहीं किहेन। **25**फिन आपुस मँ एक दूसर स असहमत होत भएन उ पचे हुवाँ स जाइ लागेन। तब पौलुस एक बात अउर कहेस, "यसायाह नबी क जरिया पवित्तर आतिमा तोहरे पूर्वजन स केतॅना ठीक कहे रहा, **26**'जाइके इन लोगन स कहि द्या: तू पचे सुनब्या, पर न बुझब्या कबहुँ। लखत ही लखत बस तू रहब्या हज न बुझब्या कबहुँ भी!

27काहेकि ऍनकइ हिरदय मूर्खपन स गवा भरि कान ऍनकइ मुस्किल स सुनत हीं अउर कइ लिहन मूँद आँखी आपन इ सबइ, काहेकि अइसा न होइ जाइ कि इ सबइ आँखीन स लखइँ, सुनइँ अउर कान स आपन अउर समुझइँ हिरदय मँ, लौटइँ साइद अउर करइ पड़ब मोका चंगा ओनका।"

यसायाह 6:9-10

28"यह बरे तोहका जान लेइ चाही कि परमेस्सर क इ उद्धार बिधर्मियन क लगे पठइ दीन्ह ग अहइ। उ पचे ऍका सुनिहीं।" **29***

30हुआँ किराये क आपन मकान मँ पौलुस पूरा दुइ बरिस तलक ठहरा। जउन कउनो भी ओसे मिलइ आवत, उ ओकर सुआगत करत। **31**उ परमेस्सर क राज्य क प्रचार करत रहत अउर पर्भू ईसू मसीह क बारे मँ उपदेस देत। उ इ कारज क पूरा बेडर होइके अउर बगैरे कउनो बाधा क मानत भवा करत रहा।

पद 29 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 29 मिलत हय: "जब पौलुस इ बातन कहि चुका तउ आपुस मँ चर्चा परिचर्चा करत भए यहूदी हुवाँ स चला गएन।"